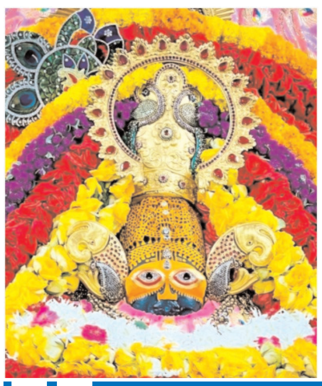

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:08। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 03 सितंबर 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

दिशा सालियान की मौत मामले में बड़ा फैसला

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दिए

एजेंसी

मुंबई। दिवंगत बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने सीबीआई को इस मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट का कहना है कि इस मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए।दिशा सालियन के पिता सतीश सालियन की ओर से पेश होते हुए वकील नीलेश ओझा कहते हैं, 'कोर्ट ने सीबीआई को सतीश सालियन का बयान दर्ज करने, एफआईआर दर्ज करने, जांच के लिए एक सीनियर अधिकारी नियुक्त करने और मालवणी पुलिस स्टेशन को सभी रिकॉर्ड सीबीआईको सौंपने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, जिसके खिलाफ भी सबूत मिलेंगे, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अगर किसी के खिलाफ

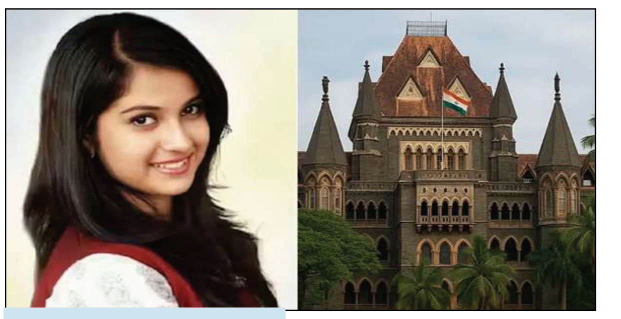

हालांकि, दिशा के पिता इस रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या और सामूहिक दुष्कर्म का मामला है।

सबूत नहीं होंगे तो उसे आरोपी नहीं बनाया जाएगा। साथ ही, अगर सीबीआई कोई नेगेटिव रिपोर्ट देती है, तो हमें आपत्ति जताने और प्रोटेस्ट पिटीशन (विरोध याचिका) दाखिल करने का अधिकार है। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ तौर पर यह बात कही है। मैं कोर्ट का धन्यवाद करता हूं।' दिशा सालियान सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। 8 जून 2020 को मुंबई के मालाड इलाके में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरकर उनकी मौत हो गई थी। उस समय मुंबई पुलिस ने इस घटना को आत्महत्या माना था और एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की थी।

मुरादाबाद-हरिद्वार स्टेट हाईवे पर निजी बस की रोडवेज बस से टक्कर 35 नेपाली तीर्थयात्री घायल

मुरादाबाद(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद-हरिद्वार स्टेट हाईवे पर कांठ थाना क्षेत्र में देर रात बड़ा सड़क हादसा हो गया। हरिद्वार से अयोध्या जा रही नेपाली तीर्थयात्रियों से भरी निजी बस गढ़ी बस स्टॉप के पास आगे चल रही राज्य परिवहन की बस से टकरा गई। टक्कर के बाद निजी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी एक कोठरी में जा घुसी। हादसे में 35 से अधिक तीर्थयात्री घायल हो गए। इनमें आठ की हालत गंभीर बताई गई है। जानकारी के अनुसार निजी बस में कुल 53 नेपाली तीर्थयात्री सवार थे। सभी एक टूर कार्यक्रम के तहत हरिद्वार से अयोध्या जा रहे थे। हादसा कांठ के गढ़ी अड्डे के पास हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि बस के अंदर चीख-पुकार मच गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कांठ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और घायलों को तत्काल कांठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल आठ यात्रियों को मुरादाबाद जिला अस्पताल रेफर किया गया।

भारत की नेपाल को मदद जारी

• 11 सदस्यों वाली बचाव टीम और 5.5 टन मानवीय सहायता भेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। 26 अगस्त को तिब्बत में ग्लेशियर टूटने के बाद नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत की ओर से मदद लगातार जारी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को बताया कि नेपाल के लिए भारत का पांचवां राहत विमान रवाना हो गया है। यह विमान 11 सदस्यीय बचाव दल, विशेष बचाव उपकरणों और 5.5 टन जरूरी दवाइयों के साथ नेपाल भेजा गया है। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'नेपाल के लिए भारत का पांचवां विमान रवाना हो गया है।

इसमें 11 सदस्यीय बचाव दल, विशेष उपकरण और 5.5 टन जरूरी दवाइयां भेजी जा रही हैं।' नेपाल की मदद के लिए भारत अब तक 68 टन से अधिक राहत सामग्री और विशेष बचाव दल भेज चुका है। भेजी गई राहत सामग्री में कंबल, स्लीपिंग बैग, मजबूत तिरपाल, प्लास्टिक शीट और हाइजीन किट शामिल हैं। इसके अलावा जरूरी दवाइयां, खाद्य पैकेट, सोलर लैंप, पानी शुद्ध करने की गोलियां और पोर्टेबल जनरेटर भी भेजे गए हैं। इससे पहले नेपाल के अलग जिलों में नदियों के किनारे लगातार शव मिलने के कारण यह आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड

नेपाल सरकार ने बताया कि रसुवा और नुवाकोट जिलों में भोटेकोशी और त्रिशूली नदी क्षेत्र की जलविद्युत परियोजनाओं में लापता लोगों की तलाश लगातार जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि पिछले सप्ताह आई विनाशकारी बाढ़ में मरने वालों की संख्या एक हजार से अधिक हो गई है। अलग-

मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीआरआरएमए) के अनुसार, अब तक 1003 शव बरामद किए जा चुके हैं। सबसे ज्यादा 321 शव चितवन जिले में मिले हैं, जबकि 216 शव नवलपरासी पूर्व जिले में बरामद हुए हैं। नेपाल पुलिस के अनुसार, 4,606 लोग अब भी लापता हैं, जिनमें 583 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। इससे आशंका है कि मृतकों की संख्या आगे और बढ़ सकती है।

नितेश राणे का हिजाब-बुर्के पर सख्त रुख, बोले-

जरूरत पड़ी तो प्रतिबंध पर विचार करेगी महाराष्ट्र सरकार

उनकी सरकार पहले ही 'लव जिहाद' के खिलाफ कानून ला चुकी है

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे ने हिजाब और बुर्के को लेकर एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि यदि सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठती है, तो हिंदुत्व की विचारधारा वाली राज्य सरकार इस पर सकारात्मक रूप से विचार कर सकती है। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे ने समाचार एजेंसी इंटरव्यू में कहा कि महाराष्ट्र में हिंदुत्व की विचारधारा वाली सरकार है और सरकार इस तरह के मुद्दों पर निश्चित तौर पर विचार करेगी। उनकी सरकार पहले ही 'लव जिहाद' के खिलाफ कानून ला चुकी है और छत्रपति शिवाजी महाराज के किलों पर मौजूद कथित अवैध ढांचों और मज़ारों को हटाने की कार्रवाई भी की गई है। इस कार्रवाई का उद्देश्य 'लैंड जिहाद' को रोकना था। हिजाब पर संभावित फैसले को लेकर राणे ने कहा कि यदि इसकी जरूरत महसूस हुई तो सरकार इस दिशा में भी कड़ा निर्णय लेने पर विचार कर सकती है। उन्होंने इसे राज्य सरकार की हिंदुत्ववादी सोच के अनुरूप बताया। उन्होंने मुंबई के कूपर अस्पताल में बुर्के को लेकर हुए विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि अस्पताल प्रशासन की ओर से उठाया गया कदम गलत गतिविधियों को रोकने के लिहाज से उचित है। कूपर अस्पताल के विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री राणे ने दावा किया कि हिजाब और बुर्के का इस्तेमाल कुछ मामलों में अपराधों को अंजाम देने या पहचान छिपाने के लिए किया गया है। उन्होंने स्कूल-कॉलेजों में नकल, मतदान के दौरान कथित फर्जी वोटिंग और बच्चों के अपहरण जैसी घटनाओं का उल्लेख किया। हालांकि, इन दावों के समर्थन में उन्होंने किसी विशिष्ट मामले या आधिकारिक आंकड़े का हवाला नहीं दिया।राणे ने कहा कि उन्होंने मुंबई के अन्य अस्पतालों में भी ऐसी घटनाओं के बारे में सुना है, जिनमें कथित तौर पर बच्चों के अपहरण में हिजाब या बुर्के का इस्तेमाल किया गया। यदि किसी अस्पताल ने सुरक्षा के मद्देनजर ऐसा रुख अपनाया है तो वह सही है और ऐसे कदमों का उद्देश्य गलत गतिविधियों या पहले हुई घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिजाब और बुर्के को लेकर मुस्लिम बहुल तथा इस्लामिक देशों में अलग-अलग नीतियां हैं। इसी आधार पर उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कुछ देशों में इन पर प्रतिबंध लगाया गया है, तो भारत में भी सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब को लेकर प्रतिबंध की मांग का स्वागत क्यों नहीं किया जाना चाहिए।

नितेश राणे ने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भी सरकार का बचाव किया। मज़गांव में अंडे फेंके जाने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र पुलिस सक्षम है और आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया गया तथा उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए।

एनएचएआई टोल वसूली में धोखाधड़ी मामले में ईडी ने 7 राज्यों के 14 ठिकानों पर छापा मारा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के विभिन्न टोल प्लाजा पर कथित फर्जी टोल वसूली और रकम में हेरफेर से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू, मध्य प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और कोलकाता के 14 ठिकानों पर छापा मारा। ईडी के अनुसार, एजेंसी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय की टीमों ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत यह छापेमारी कर रही है। यह जांच 22 जनवरी 2025 को दर्ज प्राथमिकी संख्या 17 और 19 मई 2025 को दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) संख्या ईसीआईआर/एएसजेडएसओ/04/2025 के आधार पर शुरू की गई थी। जांच में एनएचएआई के विभिन्न टोल प्लाजा पर आधिकारिक व्यवस्था से बाहर जाकर टोल रसीदें तैयार करने और टोल से प्राप्त रकम को आधिकारिक लेखा प्रणाली से बाहर भेजने के लिए कथित तौर पर अनधिकृत सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों के इस्तेमाल का पता चला है। जांच एजेंसी के मुताबिक, सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल से तैयार की गई अनधिकृत टोल रसीदों और रकम के कथित विचलन की पुष्टि फॉरेंसिक जांच तथा एनएचएआई से प्राप्त अभिलेखों से भी हुई है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर ईडी ने संबंधित परिसरों पर तलाशी की कार्रवाई की है।

केदारनाथ हेली सेवा के लिए सात सितंबर से खुलेगी विंडो

एजेंसी

देहरादून। चारधाम यात्रा के दूसरे चरण में केदारनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए हेली सेवा 15 सितंबर से फिर शुरू होगी ।उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूसीएडीए) ने इसके लिए तैयारियां तेज कर दी हैं और पहली टिकट बुकिंग विंडो सात सितंबर से खोलने की तैयारी है ।यूसीएडीए के अनुसार, टिकटों की कालाबाजारी रोकने और बुकिंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए दूसरे चरण में टिकट 15-15 दिन की अवधि के लिए चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए जाएंगे। प्राधिकरण ने हेली ऑपरेटरों के साथ आवश्यक बैठकें की हैं। साथ ही नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और मौसम विभाग के साथ भी समन्वय किया जा रहा है। यूसीएडीए ने कहा कि हेली सेवा का संचालन मौसम की स्थिति, सुरक्षा मानकों और डीजीसीए की अनुमति के अनुरूप ही किया जाएगा। प्राधिकरण ने श्रद्धालुओं से केवल अधिकृत माध्यम से टिकट बुक करने की अपील की है। केदारनाथ शटल सेवा के लिए heliyatra.irctc.co.in और बद्रीनाथ शटल सेवा के लिए helita&ii.com का इस्तेमाल करने तथा अनधिकृत एजेंटों और बिचौलियों से टिकट नहीं खरीदने को कहा गया है। चारधाम यात्रा के पहले चरण में गुप्तकाशी, फाटा और सिरसी स्थित हेलीपैड से आठ हेली ऑपरेटरों के माध्यम से केदारनाथ के लिए सेवाएं संचालित की गई थीं। इस दौरान करीब 67 हजार श्रद्धालुओं ने हेली सेवा का लाभ उठाया।

सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार लगातार कर रही काम - मुख्यमंत्री

• विपक्ष को किसी भी मुद्दे को सदन में उठाने का पूरा अधिकार, लेकिन समस्याओं पर राजनीति न करे कांग्रेस - मुख्यमंत्री

कर्मचारियों की 12 मांगें मानी गईं, न्यायालय से जुड़े मामलों में निर्देशों के अनुरूप सरकार करेगी कार्रवाई - मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़ ।हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार सफाई कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार कार्य कर रही है। कर्मचारियों की 12 मांगें मानी जा चुकी हैं। जो मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं, उनका तत्काल समाधान सरकार के स्तर पर संभव नहीं है। न्यायालय की ओर से जो भी निर्देश आएंगे, सरकार उनके अनुरूप कार्रवाई करेगी।मुख्यमंत्री हरियाणा विधानसभा में विधायक श्री

विकास सहारण द्वारा सफाई कर्मचारियों से संबंधित पूछे गए एक प्रश्न के संबंध में सदन में जवाब दे रहे थे। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल ने इस विषय पर सदन में विस्तृत वक्तव्य देकर विपक्ष और प्रदेश की जनता को पूरी स्थिति से अवगत कराया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की समस्याएं पहले भी सामने आती रही हैं और कांग्रेस के शासनकाल में भी ऐसी समस्याएं थीं। वर्तमान सरकार इन समस्याओं से मुंह मोड़ने के बजाय लगातार उनका समाधान निकालने का प्रयास कर रही है। इसके बावजूद कांग्रेस इस विषय पर राजनीति कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष को किसी भी विषय को सदन में उठाने का पूरा अधिकार है और वह अपनी बात सदन के समक्ष रख सकता है। सरकार हर उचित विषय का जवाब देने और उसका समाधान निकालने के लिए तत्पर है। सदन में कांग्रेस के एक विधायक द्वारा मोबाइल फोन पर सफाई कर्मचारी से बातचीत करने के विषय पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन के भीतर फोन पर बात करना नियमों के अनुरूप नहीं है। यदि किसी सदस्य को फोन पर बात करनी है तो वह सदन से बाहर जाकर कर सकता है। सदन की कार्यवाही और मर्यादा का पालन सभी सदस्यों को करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सफाई कर्मचारियों की हर समस्या पर तत्परता से कार्य कर रही है। कांग्रेस को इस पर राजनीति कही करनी चाहिए।

उत्तराखंड में भारी बारिश, 12 मौतें

बिहार में बाढ़ का खतरा; यूपी में गंगा एक्सप्रेसवे फिर धंसा

एमपी के चित्रकूट में 400 दुकानें डूबीं

एजेंसी

मुंबई। उत्तराखंड में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई। नैनी झील का जलस्तर 88 फीट पार होने के बाद चैनल खोल दिए गए हैं। राज्य में 172 सड़कें बंद हैं। नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में आज ऑरेंज अलर्ट है। पांच जिलों में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद कर दिए गए हैं। इधर, बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राज्य में गंगा-पुनपुन समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में सुबह से बारिश हो रही है। तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। भागलपुर में 100 साल पुराना दुर्गा मंदिर कटाव के चलते गंगा में समा गया। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। गाजीपुर में गंगा में नहाते समय दो नाबालिग बह गईं। उन्नाव में बारिश के बाद गंगा एक्सप्रेसवे पर करीब 7 फीट गहरा गड्ढा हो गया। इस मानसून में गंगा एक्सप्रेसवे धंसने की यह दूसरी घटना है। वहीं, बलिया में करीब 20 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में स्ट्रॉन्ग मानसूनी सिस्टम सक्रिय है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में भारी बारिश हो रही है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर है। रामघाट की करीब 400 दुकानें और 20-25 होटल डूब गए हैं। सतना में 2 और 3 सितंबर को स्कूल, कॉलेज और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन की तैयारियों पर ओम बिरला की समीक्षा बैठक

भारतीय प्रतिनिधिमंडल को दिए अहम निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में 13 से 19 सितंबर तक दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में आयोजित होने वाले 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल की भूमिका पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी सदस्यों और महिला प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे निर्धारित सत्रों और कार्यशालाओं में सक्रिय रूप से भाग लें।

उन्होंने कहा कि चर्चाओं के दौरान प्रभावी ढंग से अपने विचार रखें, ताकि भारत के राष्ट्रीय हितों और दृष्टिकोण को वैश्विक मंच पर मजबूती से प्रस्तुत एवं संरक्षित किया जा सके। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि इस प्रकार के वैश्विक मंचों पर भारत की सक्रिय भागीदारी से हमारी संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों का दायरा और अधिक मजबूत होता है।

साथ ही, उन्होंने सभी प्रतिनिधियों को यह भी निर्देश दिया कि वे सम्मेलन के दौरान निर्धारित सभी बैठकों और वार्ताओं में समयबद्धता और अनुशासन का विशेष ध्यान रखें, जिससे देश का प्रतिनिधिमंडल एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर सके। इस सम्मेलन का मुख्य विषय 'बदलती विश्व व्यवस्था में अंतरराष्ट्रीय कानून और संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करना: कॉमनवेल्थ नेतृत्व' निर्धारित किया गया है, जिसके तहत वैश्विक परिदृश्य पर संसद की भूमिका पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लिए छह प्रमुख सीपीसी (सीपीसी) कार्यशालाओं के एजेंडे को रेखांकित किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने निडरता से दान देने और जीवन बचाने के महत्व पर दिया संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संस्कृत के एक सुभाषितम् के माध्यम से निडरता से दान देने और जीवन बचाने के महत्व को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर यह सुभाषितम् साझा किया, 'अभयस्यैव यो दाता तस्यैव सुमहत्फलम्। न हि प्राणसमं दानं त्रिषु लोकेषु विद्यते॥' इस सुभाषितम् का अर्थ है कि जो व्यक्ति दूसरों के भय को दूर कर उन्हें अभय प्रदान करता है, उसे महान फल की प्राप्ति होती है। तीनों लोकों में प्राणों की रक्षा करने से बढ़कर कोई दान नहीं है। प्रधानमंत्री ने मानव जीवन की रक्षा को सर्वोच्च दान बताया।

नारनपुरा की विवाहित महिला के साथ 21.66 लाख रुपये की बड़ी धोखाधड़ी क्रेडिट कार्ड के चक्रव्यूह में बिखर गई खुशहाल दुनिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पॉश नारनपुरा इलाके से विश्वासघात और आर्थिक धोखाधड़ी का एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। बीते जमाने के करीबी रिश्ते और अंधविश्वास का फायदा उठाकर एक ठग दंपति ने एक विवाहित महिला और उसके पति से 21.66 लाख रुपये की ठगी की है। इस आर्थिक झटके से हंसती-खेलती दुनिया बिखर गई है और बैंक लेनदारों की सख्त वसूली से तंग आकर विवाहित महिला के पति को कर्ज चुकाने के लिए घर-परिवार छोड़कर मजदूरी करने विदेश जाना पड़ा है। नया घर खरीदने के बहाने महिला से 30 लाख रुपये ठग लिए या किसी तरह उसे लोन दिलाने की कोशिश की थी। पुरानी जान-पहचान और साथ काम करने की वजह से महिला ने उन पर आंख मूंदकर भरोसा कर लिया था। इतनी बड़ी रकम कैश न होने के बावजूद महिला ने अपने पति को ठग दंपति की मदद करने के लिए मना लिया और अलग-अलग बैंकों से कुल 6 क्रेडिट कार्ड बनवा लिए। क्रेडिट कार्ड हाथ में आते ही ठग दंपति ने उनके पैसे उड़ा दिए। बिना किसी रहम के उन्होंने कई मशीनों पर कार्ड स्वाइप किए और कुल 29.66 लाख रुपये निकाल लिए। रकम इस्तेमाल करने के बाद जब पत्नी ने पैसे वापस मांगे तो इस चालाक दंपति ने किश्तों में सिर्फ 8 लाख रुपये दिए और बाकी 21.66 लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित पत्नी और उसके पति ने अपनी मेहनत की कमाई वापस पाने के लिए कई बार गुहार लगाई और कलेक्शन के चक्कर लगाए, लेकिन ठग दंपति ने दबंगई और अकड़ दिखाई और पैसे देने से साफ मना कर दिया। दूसरी तरफ, जब बैंकों ने बकाया क्रेडिट कार्ड बिल, ब्याज और पेनल्टी वसूलना शुरू किया तो पीड़ित परिवार टूट गया।

गीता मंदिर से भागने की कोशिश कर रहे मुख्य मास्टरमाइंड हरेश और उसका भाई रवि क्राइम ब्रांच के जाल में फंसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के त्रिकमपुरा चरमलिया इलाके में सनसनी फैलाने वाले अजीतसिंह चौहान मर्डर केस में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच को बड़ी और अहम कामयाबी मिली है। पूरे इलाके को हिला देने वाले इस मर्डर केस के चार आरोपियों में से मुख्य मास्टरमाइंड हरेश उर्फ हितेश सोलंकी और उसके भाई रवि सोलंकी को क्राइम ब्रांच की टीम ने तेज़ी से ऑपरेशन चलाकर गिरफ्तार कर लिया है। हत्या करने के बाद दोनों भाई पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए शहर से भागने की कोशिश कर रहे थे। क्राइम ब्रांच को खास जानकारी मिली कि वे गीता मंदिर बस स्टैंड इलाके के पास छिपे हुए हैं और किसी गाड़ी का इंतज़ार कर रहे हैं। जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच ने तुरंत रेड मारकर भागने की तैयारी कर रहे दोनों आरोपी भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। क्राइम ब्रांच की शुरुआती जांच के मुताबिक, त्रिकमपुरा चरमलिया इलाके में एक मकान पर कब्जे और मालिकाना हक को लेकर दो पक्षों में काफी समय से गरमागरम झगड़ा चल रहा था। इस मालिकाना हक के झगड़े ने आखिरकार हिंसक रूप ले लिया।

रिचिरिच पान पार्लर से भागने की कोशिश में हुआ गंभीर एक्सीडेंट, सरखेज पुलिस ने खाकी का असली चेहरा दिखाकर जेल में डाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के सबसे पॉश, हाई-प्रोफाइल और हलचल भरे इलाके सिंधु भवन रोड पर एक नशे में धुत ड्राइवर ने भारी आतंक मचाया, जिससे पूरे इलाके में भारी सनसनी और अफरा-तफरी मच गई। 11/08/2026 को आरोपी प्रकाश सिंह विजय सिंह परमार नशे की हालत में सिंधु भवन रोड पर मशहूर 'रिचिरिच पान पार्लर' में आया और भारी हंगामा शुरू कर दिया। नशे में होश खो चुके इस आदमी ने पार्लर में मौजूद लोगों से जमकर झगड़ा किया, मारपीट शुरू कर दी और हंगामा खड़ा कर दिया। पान पार्लर में भयानक मंजर पैदा करने के बाद आरोपी प्रकाश सिंह विजय सिंह परमार अपनी कार में पूरी स्पीड से मौके से भागने की कोशिश की। पकड़े जाने के डर से उसने अपनी कार लापरवाही से चलाई। शराब के नशे में और तेज़ रफ्तार होने की वजह से, उसने स्टीयरिंग पर से पूरी तरह कंट्रोल खो दिया और सड़क पर चल रही दूसरी गाड़ियों से उसका गंभीर एक्सीडेंट हो गया। खुशकिस्मती से, इस भयानक एक्सीडेंट में बड़ी जान-माल की क्षति होने से बच गई, लेकिन आरोपी की इस गैर-ज़िम्मेदाराना और जानलेवा हरकत से सड़क से गुज़र रहे गाड़ी चलाने वालों और स्थानीय लोगों में भारी हंगामा मच गया। जैसे ही कंट्रोल रूम के ज़रिए घटना की सूचना मिली, सरखेज पुलिस स्टेशन तुरंत एक्शन मोड में आ गया। सरखेज पुलिस ने बिजली की तेज़ी से नशे में धुत ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। सरखेज पुलिस ने शराब पीकर पब्लिक जगहों पर धौंस जमाने और लोगों की जान खतरे में डालने वाले आरोपी को खाकी की असली ताकत दिखाते हुए कानून का एहसास कराया।

भुज सेशंस कोर्ट परिसर में सनसनी और डर: खुला चाकू लेकर आतंक मचा रहा एक शख्स पकड़ा गया, वेस्ट कच्छ पुलिस की तेज़ कार्रवाई से एक बड़ा खून-खराबा रुका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कच्छ। आज कच्छ के हेडक्वार्टर भुज में मौजूद न्याय मंदिर यानी सेशंस कोर्ट परिसर में उस समय भारी सन्नाटा और डर का माहौल बन गया, जब एक सिरफिरा शख्स हाथ में धारदार खुला चाकू लेकर आतंक मचाने लगा। कोर्ट परिसर में जहां सैकड़ों लोग इंसाफ की उम्मीद में मौजूद थे, वहीं आरोपी को हाथ में खुला हथियार लेकर घूमते देख वकीलों, याचिकाकर्ताओं और कोर्ट कर्मचारियों में भारी हंगामा मच गया। पल भर में परिसर में चीख-पुकार और भागने जैसी स्थिति बन गई और सबकी सांसें फूल गईं। हालांकि, कोर्ट परिसर की सुरक्षा में तैनात वेस्ट कच्छ पुलिस के बहादुर जवानों की पैनी नज़र जैसे ही इस खतरनाक हमलावर पर पड़ी, माहौल बदल गया। इससे पहले कि हमलावर कोई बड़ी अप्रिय घटना कर पाता या किसी बेगुनाह पर हमला कर पाता, पुलिस अधिकारियों और जवानों ने अपनी जान की परवाह किए बिना कमाल की हिम्मत, सतर्कता और समय की पाबंदी दिखाई। पुलिस टीम को सेकंड के छठे हिस्से में ही हालात की गंभीरता का अंदाज़ा हो गया और वे बिना एक पल भी देर किए हमलावर की तरफ दौड़ पड़े। अपनी सिक्योरिटी को किनारे रखकर पुलिस ने चाकू लेकर आतंक मचा रहे आदमी को चारों तरफ से घेर लिया। पुलिस के बड़े अधिकारी बिजली की तेज़ी से उस पर झपटे, उसके हाथ से जानलेवा चाकू छीन लिया और उसे मज़बूती से अपनी पकड़ में ले लिया। पुलिस की इस हिम्मत वाली और तेज़ कार्रवाई की वजह से सेशंस कोर्ट परिसर में एक बड़ी मुसीबत और खून-खराबा होने से बच गया। अगर पुलिस ने समय रहते हिम्मत नहीं दिखाई होती, तो किसी की जान जा सकती थी। जैसे ही हालात पूरी तरह काबू में आए, कोर्ट परिसर में मौजूद सभी लोग हैरान रह गए और वेस्ट कच्छ पुलिस की बहादुरी भरी कार्रवाई की तारीफ़ करने लगे। इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ़ गंभीर मामला दर्ज किया है।

गांधीनगर के सरकारी गलियारों और IKDRC में बड़ा धमाका

क्या डायलिसिस प्रोग्राम को बंद करने का षड्यंत्र? मरीजों और तकनीशियनों का शोषण करते सत्ताधीश!

'महानगर मेट्रो' ग्राउंड रिपोर्ट

स्वास्थ्य क्षेत्र में 'आउटसोर्सिंग' और अहंकार का बोलबाला, सरकार को करोड़ों का नुकसान!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर। गुजरात सरकार द्वारा गरीब मरीजों को घर के पास मुफ्त डायलिसिस की सुविधा मुहैया कराने के लिए 'गुजरात डायलिसिस प्रोग्राम' शुरू किया गया था। यह योजना लाखों मरीजों के लिए संजीवनी साबित हुई। लेकिन IKDRC (इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर) के प्रमुख डॉ. प्रांजल मोदी और उनकी टीम की विवादित नीतियों के कारण आज यह पूरा कार्यक्रम ठप्प होने के कगार पर पहुंच गया है। जिस संस्था का काम मरीजों को नवजीवन देना है, वहीं अहंकार, प्रशासनिक मनमानी और आउटसोर्सिंग के नाम पर करोड़ों रुपये के निजीकरण का खेल खेले जाने के गंभीर आरोप लग रहे हैं।

डॉ. प्रांजल मोदी की विवादित विचारधारा: मरीज आखिर कहां जाएं?

IKDRC के शीर्ष अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, डॉ. प्रांजल मोदी का मानना है कि आसानी से डायलिसिस मिलने के कारण मरीज किडनी ट्रांसप्लांट कराने के बारे में नहीं सोचते, जिससे ट्रांसप्लांट प्रोग्राम कमजोर पड़ रहा है। इतना ही नहीं, 'डायलिसिस कराने वाला मरीज 2-3 साल में तकलीफें सहकर मर ही जाता है' – ऐसी नकारात्मक सोच के साथ पूरे विभाग और प्रोग्राम को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। यूरोलॉजिस्ट होने के नाते नेफ्रोलॉजी विभाग और डायलिसिस सेक्शन को दबाकर रखने की इस मानसिकता से मरीजों का भविष्य अधर में लटक गया है।

घातक मनमानी और आउटसोर्सिंग का खेल: सरकार पर 24% का अतिरिक्त आर्थिक बोझ!

डायलिसिस प्रोग्राम के सुचारू संचालन को ध्वस्त करने के लिए एक के बाद एक चौंकाने वाले फैसले लिए गए हैं

सीनियर तकनीशियनों का शोषण: पिछले 10-10 सालों से सेवाएं दे रहे, अनुभवी और 24 घंटे तकनीकी समस्याओं का समाधान करने वाले सीनियर तकनीशियनों को विवादों में फंसाकर निकाल दिया गया है। नए आउटसोर्सिंग टेंडर के नाम पर अनुभवी कर्मचारियों के वेतन में भारी कटौती की गई है।

सरकारी धन की बर्बादी: आउटसोर्सिंग के नाम पर सरकार पर 24% अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला गया है। जो दवाएं और सामग्री पहले IKDRC द्वारा समय पर पहुंचाई जाती थीं, उसकी जिम्मेदारी तस्स्ट्रकको दे दी गई है, जिससे अब गंभीर अनियमितता पैदा हो गई है।

मुफ्त मिलने वाली मशीनें अब सरकारी खर्च पर खरीदी जाएंगी: Fairfa& India Charitable Foundation जैसी संस्था ने अब तक 200 से अधिक डायलिसिस मशीनें मुफ्त में दी थीं। लेकिन इस फाउंडेशन से संपर्क ही बंद कर दिया गया है और अब अधिकारी सरकारी खजाने से करोड़ों की नई मशीनें खरीदकर निजी लाभ कमाने की फिराक में हैं।

रखरखाव के नाम पर कमाई: पहले GDP के इन-हाउस कर्मचारी खुद ही ऋइ Plant और डायलिसिस मशीनों की मरम्मत करके सरकार के करोड़ों रुपये बचाते थे। अब इस मेंटेनेंस का ठेका भी आउटसोर्स करके पैसे कमाने का खेला रचा जा रहा है।

मरीजों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़

प्रशासनिक लापरवाही के साथ-साथ मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन के साथ भी बड़ा समझौता किया जा रहा है

संक्रमण की रोकथाम : पहले RO प्लांट से मशीन तक आने वाली पाइपों की नियमित सफाई की जाती थी ताकि मरीजों को कोई बैक्टीरिया या इंफेक्शन न लगे। हेड ऑफिस द्वारा होने वाली यह निगरानी अब बंद कर दी गई है, जो मरीजों की जान के लिए सीधा खतरा है।

क्वालिटी प्रोग्राम रद्द: मरीज की ब्लड रिपोर्ट के आधार पर दवाओं की जरूरत, खून के इंजेक्शन या डायलाइजर तय करने वाला Quality Improvement Program' पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

टेलीमेडिसिन और जागरूकता बंद: करोड़ों के खर्च से शुरू किया गया टेलीमेडिसिन नेटवर्क, जिसके जरिए हफ्ते में 3 बार विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन परामर्श दिया जाता था, अधिकारियों के अहंकार की वजह से बंद कर दिया गया है।

गैर-अनुभवी अधिकारियों की तानाशाही और धमकियां

इस पूरे प्रोग्राम की जिम्मेदारी डॉ. वीरेन त्रिवेदी और नरेश पटेल जैसे अधिकारियों को सौंपी गई है, जिन्हें डायलिसिस का कोई तकनीकी अनुभव नहीं है। यदि कोई तकनीशियन मरीज की समस्या को लेकर बात करता है, तो नरेश पटेल द्वारा बदसलूकी करते हुए 'अधीक्षक को सूचना दो या सेंटर बंद कर दो / प्राइवेट में भेज दो' जैसे जवाब दिए जाते हैं। वहीं डॉ. वीरेन त्रिवेदी कर्मचारियों को 'दूसरी नौकरी ढूंढ लो, मुझे यह प्रोग्राम ही बंद कर देना है' जैसी धमकियां देते हैं। आवाज उठाने वाले कर्मचारियों का दूर-दराज के जिलों में तबादला कर दिया जाता है।

'महानगर मेट्रो' का सरकार से सीधा सवाल

क्या गांधीनगर में बैठे स्वास्थ्य मंत्री और उच्च अधिकारी इस पूरे घटनाक्रम से अनजान हैं? जिस योजना से गुजरात के हजारों गरीब मरीजों की सांसें चल रही थीं, उसे आउटसोर्सिंग और व्यक्तिगत अहंकार की बलि चढ़ाने के लिए कौन जिम्मेदार है? यदि इस मनमानी पर तुरंत रोक नहीं लगाई गई और अनुभवी कर्मचारियों को न्याय नहीं मिला, तो 'महानगर मेट्रो' इस आवाज को मजबूती से जनता और विधानसभा तक पहुंचाता रहेगा।

गणित का खेल या आर्थिक सच्चाई? मोदी सरकार के पूर्व फाइनेंस सेक्रेटरी सुभाष चंद्र गर्ग का बड़ा धमाका

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था के सरकारी आंकड़ों को लेकर दिल्ली के राजनीतिक और आर्थिक गलियारों में बड़ा भूचाल आ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज में फाइनेंस सेक्रेटरी और इकोनॉमिक अफेयर्स सेक्रेटरी जैसे देश के सबसे ऊंचे पदों पर रह चुके सीनियर IAS ऑफिसर सुभाष चंद्र गर्ग ने GDP के आंकड़ों पर जो खुलासा किए हैं, उन्होंने सरकार के दावों की पोल खोल दी है। जहां सरकार और मीडिया देश की GDP ग्रोथ रेट 7.8' बताकर बड़े-बड़े जश्न मना रहे हैं, वहीं सुभाष चंद्र गर्ग ने सबूतों के साथ दावा किया है कि भारत की असली GDP ग्रोथ 7.8' नहीं, बल्कि सिर्फ 2.6' है! इतने बड़े अंतर ने पूरे देश को हैरान कर दिया है।

आंकड़ों का जादू कैसे हुआ? (कैलकुलेशन में टेक्निकल कमी)

इस कैलकुलेशन को आम नागरिक की समझ में आने वाली भाषा में समझाते हुए गर्ग ने कहा है कि सरकार GDP को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के लिए 'बेस ईयर रिवीजन' (पिछले साल के आंकड़ों को कम करने का खेल) का इस्तेमाल कर रही है

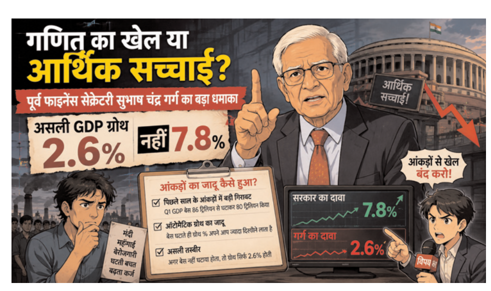

पिछले साल के आंकड़ों में बड़ी गिरावट: सरकार ने अचानक पिछले साल की पहली तिमाही की GDP का बेस आंकड़ा 6 लाख करोड़ रुपये (86 ट्रिलियन रुपये से 80 ट्रिलियन रुपये) कम कर दिया है।

ऑटोमैटिक ग्रोथ का जादू: जब आप तुलना के लिए पिछले साल का बेस घटाते हैं, तो मौजूदा साल का परसेंटेज अपने आप ज़्यादा और आकर्षक दिखने लगता है।

असली तस्वीर: अगर सरकार ने पिछले साल के आंकड़ों में यह सुधार या बदलाव नहीं किया होता, तो सरकार के कैलकुलेशन के हिसाब से मौजूदा ग्रोथ सिर्फ़ 2.6' होती! आम आदमी के लिए इसका क्या मतलब है? (ज़मीनी हकीकत) सुभाष चंद्र गर्ग और आर्थिक जानकारों का मानना है कि 7.8' का आंकड़ा कागज़ पर और PR के लिए बहुत सुंदर दिखता है, लेकिन यह भारत के आम नागरिक की असलियत से बिल्कुल अलग है: मैन्युफैक्चरिंग और कंजम्पशन में मंदी: देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और आम लोगों की खरीदने की ताकत लगातार कम हो रही है। महंगाई और बेरोज़गारी: अगर देश सच में 7.8' की दर से बढ़ रहा है, तो रोज़गार के नए मौके क्यों नहीं बन रहे हैं? लोगों की सेविंग्स क्यों कम हो रही है और घरों का कर्ज़ क्यों बढ़ रहा है? सरकारी आंकड़ों पर सवाल क्यों? जब देश के पूर्व फाइनेंस सेक्रेटरी रैंक का कोई अधिकारी खुद आंकड़ों की कसरत बताता है, तो यह साबित होता है कि कागज़ पर हो रहे विकास और ज़मीन पर हालात में बहुत बड़ा फ़र्क है। इस चौंकाने वाले दावे ने अब देश की पॉलिटिक्स को भी गरमा दिया है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरा है और पूछा है कि वह देश की जनता को असली हालात दिखाने के बजाय आंकड़ों से खेल क्यों खेल रही है?

तप की अनुमोदनार्थ निकला वरघोड़ा, प्रिया गांधी के मासक्षमण तप का हुआ भव्य बहुमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। राजा जन्मेजय की नगरी नागदा की पावन धरा पर श्रीमती प्रिया जितेश गांधी के मासक्षमण तप की अनुमोदना के पावन अवसर पर बुधवार, 2 सितंबर को विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर के श्रावक-श्राविकाओं में विशेष उत्साह एवं धार्मिक उमंग देखने को मिला। परम पूज्य साध्वी भगवंत श्री अर्हमप्रज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-4 की पावन निश्रा एवं मंगलमय आशीर्वाद से आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 8:30 बजे श्री पार्श्वप्रधान पाठशाला भवन से तप की अनुमोदनार्थ तपस्वी श्रीमती प्रिया जितेश गांधी का भव्य वरघोड़ा निकाला गया। वरघोड़े में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुई और तपस्वी के कठिन एवं महान मासक्षमण तप की अनुमोदना की इसके पश्चात प्रातः 11बजे बद्रीविशाल धर्मशाला में गुरुवन्दन व मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ।इस अवसर पर धर्मसभा, प्रवचन एवं तपस्वी का वधामणा व भव्य बहुमान आयोजित किया गया। संघ अध्यक्ष के नेतृत्व में चातुर्मास समिति ,अनेक संस्थाओं सहित समाजजनों ने तपस्वी श्रीमती प्रिया गांधी का बहुमान करते हुए व उद्बोधन देकर उनके तप की अनुमोदना की। इस विशेष अवसर पर श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ एवं चातुर्मास समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। धार्मिक कार्यक्रमों के उपरांत दोपहर 12:39 बजे से बद्रीविशाल धर्मशाला क्रमांक-1 में स्वामीवात्सल्य का आयोजन रखा गया। उल्लेखनीय है कि मासक्षमण तपस्वी श्रीमती प्रिया जितेश गांधी का बहुमान श्री राजेन्द्रसूरि जैन ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा भी जैन कॉलोनी स्थित शांतिनाथ जिनालय में किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष ब्रजेश बोहरा के नेतृत्व में ट्रस्ट मंडल ने तपस्वी का सम्मान कर उनके मासक्षमण तप की अनुमोदना की। नगर के सुप्रसिद्ध संगीतकार आयुष बोहरा ने धर्मसभा को संगीत से धर्ममय बना दिया।कार्यक्रम का संचालन मनोज वागरेचा ने कियाआयोजन में स्वागतकर्ता पंकज-किरण, नितेश-वंदना, जितेश-प्रिया, ऋषि, सिद्ध, वर्षा, कृति, आराध्या एवं तीर्थ रहे। आयोजन की विनीत श्रीमती कुसुम बहन एवं स्वर्गीय चन्द्रमोहनजी गांधी परिवार की ओर से सभी समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट

नीम के पेड़ के तने से बह रही दूध जैसी सफेद धार! चमत्कार या साइंस?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। उमा सोसाइटी इलाके से एक बहुत ही हैरान करने वाली और अजीब घटना सामने आई है, जिसने पूरे जिले में भारी हलचल मचा दी है। इलाके के लोग उस समय हैरान रह गए जब यहां एक नीम के पेड़ के तने से अचानक दूध जैसा गाढ़ा और सफेद लिक्विड धीरे-धीरे बहने लगा। जैसे ही यह अनोखा नजारा सामने आया, मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों के लिए यह नजारा किसी अकल्पनीय घटना से कम नहीं था। नीम के पेड़ के तने से लगातार बह रही सफेद लिक्विड की धार को देखकर मौके पर मौजूद हर कोई हैरान था। लोगों ने इन अनोखे पलों को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया, जिसके वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं और यह घटना पूरे डभोई जिले में 'टॉक ऑफ द टाउन' बन गई है। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में दो अलग-अलग ट्रेंड हैं। एक तरफ भक्त और कुछ स्थानीय लोग इसे दैवीय चमत्कार या अनोखी प्राकृतिक कृपा मानकर पूजा-पाठ की भावना जता रहे हैं, तो दूसरी तरफ जागरूक नागरिक इसे वैज्ञानिक या केमिकल प्रक्रिया बता रहे हैं। पौधे के जानकारों और वनस्पति विज्ञानियों के अनुसार, कभी-कभी पेड़ों में अंदरूनी बदलाव, बैक्टीरियल इन्फेक्शन या गर्मी से होने वाले फर्मेंटेशन प्रोसेस की वजह से बहुत ज़्यादा दबाव में ऐसा लिक्विड निकलता है। पेड़ और पानी के केमिकल मिलकर ऐसा सफेद दूधिया रूप ले लेते हैं। हालांकि, इस लिक्विड का असली कारण और इसमें कौन से इंग्रीडिएंट्स हैं, यह खास लैब जांच और एक्सपर्ट टेस्टिंग के बाद ही साफ़ हो पाएगा।

डभोई में 10 फुट के बड़े अजगर का आतंक: मोटा हबीपुरा रोड पर सन्नाटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। जिले में जंगली जानवरों का खतरा अक्सर देखने को मिलता है, लेकिन आज मोटा हबीपुरा जाने वाली मेन रोड पर जो नजारा दिखा, उसे देखकर सबसे सावधान लोग भी कांप गए। रेलवे लाइन के पास से गुजरते हुए, पैदल चलने वालों की नज़र अचानक एक बड़े, काले मुंह वाले अजगर पर पड़ी और पल भर में पूरे इलाके में डर का माहौल फैल गया। यह 10 फुट लंबा राक्षसी अजगर मेन रोड के ठीक पास रेंग रहा था। इसे देखकर पैदल चलने वालों और गाड़ी चलाने वालों की सांसें फूल गईं। सड़क से गुजरने वाले लोगों में भारी अफरा-तफरी मच गई, वहीं कुछ देर के लिए ट्रैफिक भी रुक गया और गाड़ियों की आवाजाही एक पल के लिए रुक गई। हालात की गंभीरता को समझते हुए, स्थानीय लोगों ने बिना एक पल भी बर्बाद किए, तुरंत वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन के लिए समर्पित 'नेचर सेविंग फ़ाउंडेशन' की टीम को इसकी जानकारी दी। कॉल मिलते ही, रेस्क्यू टीम अपने पूरे साजो-सामान के साथ कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुँच गई। मुख्य सड़क पर इतने बड़े वाइल्डलाइफ़ को कंट्रोल करना बहुत ही खतरनाक और मुश्किल काम था। लेकिन, नेचर सेविंग फ़ाउंडेशन की टीम ने कमाल की हिम्मत, समय की पाबंदी और कड़ी मेहनत दिखाई और बिना कोई नुकसान पहुँचाए अजगर को सुरक्षित बचा लिया इस सफल और एडवेंचरस रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद, इस बड़े अजगर को फ़ॉरेस्ट डिपार्टमेंट की सीधी देखरेख में, इंसानी आबादी से दूर, एक गहरे प्राकृतिक जंगल वाले इलाके में छोड़ दिया गया है। रेस्क्यू टीम की इस तेज़ और हिम्मत वाली कार्रवाई के बाद, स्थानीय निवासियों और गाड़ी चलाने वालों ने राहत की साँस ली और टीम की बहादुरी की तारीफ़ की।

खाकी को दागदार करने वाले पुलिस कांस्टेबल राजदीप सिंह गोहिल की 10 दिन की रिमांड मंजूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। पंथक को हिला देने वाले चौंकाने वाले और खूनी लता केस में कानून के रक्षक के ही शिकार बनने का सनसनीखेज खुलासा होने के बाद एडमिनिस्ट्रेटिव और पुलिस सिस्टम में भारी हंगामा मच गया है। चूंकि इस काले चेहरे वाले लता केस के तार सीधे पुलिस डिपार्टमेंट से जुड़े थे, इसलिए चर्चा में आए खाकी वर्दी वाले आरोपी पुलिस कांस्टेबल राजदीप सिंह गोहिल को भारी सिक्योरिटी के बीच कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने कोर्ट के सामने कहा था कि लता केस जैसे गंभीर और बेहद सेंसिटिव क्राइम में कानून के रक्षक माने जाने वाले पुलिस कांस्टेबल का डायरेक्ट या इनडायरेक्ट शामिल होना बेहद गंभीर मामला है। आरोपी कांस्टेबल के ज़हरीले केमिकल और गैर-कानूनी शराब का काला धंधा चलाने वाले तस्करों से किस तरह के रिश्ते थे, इस गैर-कानूनी नेटवर्क को बढ़ावा देने या बचाने के लिए उसे कितनी रिश्वत या पैसे का फ़ायदा मिला और इस काले धंधे में खाकी वालों के और कौन-कौन से बड़े बॉस या साथी शामिल हैं, जैसी सारी डिटेल्स सामने लाना बहुत ज़रूरी है। पुलिस के मज़बूत केस और आगे की पूछताछ की सख्त ज़रूरत को देखते हुए, कोर्ट ने आरोपी कांस्टेबल राजदीप सिंह गोहिल की पूरे 10 दिन की सख्त रिमांड मंजूर कर ली है। कोर्ट से 10 दिन की रिमांड मिलते ही जांच अधिकारियों ने जांच तेज़ कर दी है और घेरा और कड़ा कर दिया है।

बोपल के 72 साल के रिटायर्ड आदमी को 'डिजिटल तरीके से गिरफ्तार' किया गया और 22.70 लाख रुपये जब्त किए गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोपल। पुलिस में शिकायत दर्ज हुई है कि साइबर बदमाशों ने बोपल इलाके में रहने वाले 72 साल के रिटायर्ड आदमी को 'नरेश गोयल मनी लॉन्ड्रिंग केस में आपका आधार कार्ड इस्तेमाल हुआ है' कहकर धमकाकर डिजिटल तरीके से गिरफ्तार कर लिया और 22.70 लाख रुपये जब्त कर लिए गए। शिकायत के मुताबिक, बुजुर्ग के मोबाइल पर एक WhatsApp कॉल आया। उस व्यक्ति ने अपना नाम साक्षी अग्रवाल बताया और कहा कि वह CBI डिपार्टमेंट में ऑफिसर है। फिर बुजुर्ग को बताया गया कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल करके मुंबई के एक मोबाइल स्टोर से सिम कार्ड लिया गया है और उसके आधार पर केनरा बैंक में अकाउंट खोला गया है। उन्हें यह कहकर आरोपी बनाने की धमकी दी गई कि इस अकाउंट का इस्तेमाल नरेश गोयल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में हुआ है। इसके बाद, दो और लोगों से WhatsApp वीडियो कॉल के ज़रिए बात करवाई गई। इन लोगों ने खुद को CBI ऑफिसर बताया और कहा कि केस से बरी होने के लिए बूढ़े आदमी को PCC सर्टिफिकेट लेना होगा। बूढ़े आदमी को सुप्रीम कोर्ट और RBI के ऑर्डर और कई रसीदें दिखाकर उनका भरोसा बनाया गया। बुजुर्ग आदमी को WhatsApp पर लगातार वीडियो कॉल करके कहा जाता रहा कि 'क्योंकि आप सीनियर सिटिज़न हैं, इसलिए आप खुद मुंबई या दिल्ली नहीं आ सकते, इसलिए जांच ऑनलाइन होगी।' किसी से बात न करने और कहे अनुसार काम करने के लिए मजबूर करके डिजिटल अरेस्ट जैसी स्थिति बनाई गई। आरोपियों ने पहले बैंक में 8.50 लाख रुपये जमा करने को कहा। शिकायत करने वाले ने IIFरुसे सोना गिरवी रखकर लोन लिया था और रकम अपने बैंक अकाउंट में जमा कर दी थी। इसके बाद, आरोपी ने RTGS के ज़रिए अलग-अलग बैंक अकाउंट में रकम ट्रांसफर कर ली।

अंबाजी भदरवी पूनम मेला-2026: श्रद्धालुओं की सेहत के लिए फूड एंड ड्रग रेगुलेटरी अथॉरिटी का इंटेंसिव इंस्पेक्शन कैंपेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी . क्योंकि आने वाले भदरवी पूनम मेला-2026 के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु अंबाजी आएंगे, इसलिए फूड एंड ड्रग रेगुलेटरी अथॉरिटी, पालनपुर ने अंबाजी। में एक फूड सेफ्टी वैन के ज़रिए अलग-अलग स्ट्रीट फूड वेंडर और खाने की जगहों की इंटेंसिव इंस्पेक्शन की ताकि श्रद्धालुओं को शुद्ध, सुरक्षित और अच्छी क्वालिटी की खाने की चीज़ें मिलें। इस इंस्पेक्शन के दौरान, कुल 72 खाने की जगहों की इंस्पेक्शन की गई और कुल 83 खाने की चीज़ों की मौके पर ही टेस्टिंग की गई। इंस्पेक्शन के दौरान, खाने लायक नहीं पाए गए सामान पर तुरंत एक्शन लिया गया और 7 लीटर जला हुआ तेल, 3 किलोग्राम पेपर पेस्टी (पैकिंग/सर्व करने के लिए इस्तेमाल होने वाला सामान) और सिंथेटिक रंग के 2 डिब्बे मौके पर ही नष्ट कर दिए गए। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने सभी फूड ट्रेडर्स और स्ट्रीट फूड वेंडर्स को खाने की क्वालिटी बनाए रखने, हाइजीन के नियमों का पालन करने और तीर्थयात्रियों को सिर्फ साफ और क्वालिटी वाला खाना परोसने के सख्त निर्देश दिए थे। भद्रवी पूनम मेले के दौरान तीर्थयात्रियों की हेल्थ और सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए, खाने की क्वालिटी, हाइजीन और फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड्स का पालन पक्का करने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन की तरफ से ऐसे इंस्पेक्शन और एक्शन लगातार जारी रहेंगे।

जेतपुरपावी में ओरसांग ब्रिज के पास नर्मदा पाइपलाइन में एक और बड़ा गैप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुरपावी। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद, जेतपुरपावी में सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत और घटिया काम का एक और सबूत सामने आया है। एक बार फिर, ओरसांग ब्रिज के पास नदी के किनारे से गुजरने वाली नर्मदा की मुख्य पाइपलाइन में बड़ी दरार आ गई है। जनता के टैक्स के पैसे से बनी पाइपलाइन से हजारों लीटर कीमती पानी नदी में बहकर बर्बाद हो रहा है, जबकि प्रशासन भगवान की तरह सोया हुआ है। अभी कुछ दिन पहले भी इसी जगह पर पाइपलाइन टूटी थी। प्रशासन ने जल्दी से उसे ठीक कर दिया था, लेकिन भ्रष्टाचार और घटिया क्वालिटी के कारण उसी जोड़ से एक तेज धारा फूट पड़ी है। यह स्थिति साफ करती है कि मरम्मत के नाम पर सिर्फ कागजी घोड़े दौड़ाए गए हैं और सरकारी खजाने को चूना लगाया गया है। ओरसांग नदी में लगातार रेत के कटाव की वजह से पाइपलाइन अक्सर खुल जाती है और टूट जाती है। यह सच्चाई जानने के बावजूद, ज़िम्मेदार अधिकारियों ने पाइपलाइन को बचाने के लिए कोई पक्की सुरक्षा दीवार या पक्का हल बनाने की ज़हमत नहीं उठाई है। एक तरफ़ राज्य में बूंद-बूंद पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है, वहीं दूसरी तरफ़ प्रशासन की नाकामी और लापरवाही की वजह से नर्मदा का साफ़ पानी नालों और नदियों में बह रहा है। लोकल लोग अब यह सवाल पूछ रहे हैं कि इस बार-बार हो रहे ड्रामे के लिए ज़िम्मेदार इंजीनियरों और ठेकेदारों के खिलाफ़ सखूत क्रिमिनल एक्शन कब लिया जाएगा? क्या बड़े अधिकारी मौके पर आकर इस भ्रष्टाचार की जांच करेंगे या फिर एक बार फिर लोगों की आंखों में धूल झोंककर कोई नया सिक्का उछालेंगे? अगर कोई पक्का हल नहीं निकला, तो लोग आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

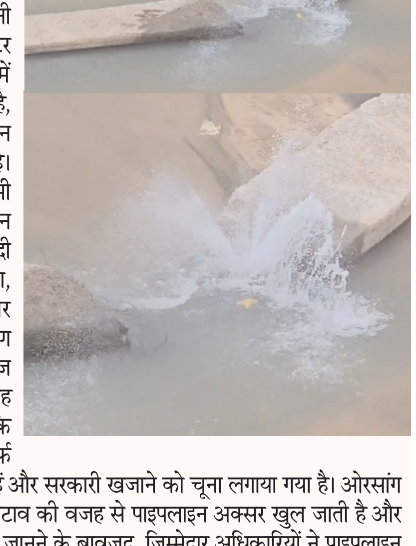

अमराईवाड़ी पुलिस की सर्विलांस टीम ने बड़ी रेड मारकर 21 साल के आरोपी रजत उर्फ अज्जू को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के बहुत भीड़भाड़ वाले, सेंसिटिव और हलचल वाले अमराईवाड़ी इलाके में हुई इस भयानक हत्या की घटना ने पूरे जिले में बड़ा हंगामा मचा दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद, अमराईवाड़ी पुलिस स्टेशन की टीम ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है, जो पुलिस की पकड़ से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। अमराईवाड़ी पुलिस ने तेज़ी से रेड मारकर फरार आरोपी को पकड़ लिया, जिससे क्रिमिनल सोच वाले असामाजिक तत्वों में बड़ी खलबली मच गई। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि अमराईवाड़ी पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या (इंडियन पीनल कोड - BNS सेक्शन 103(1), 109, 118(1), 115(2), 54) जैसे बहुत गंभीर जुर्म में शामिल आरोपियों की तलाश के लिए हाई लेवल से निर्देश दिए गए थे। इस मर्डर केस के जुर्म में शामिल और घटना के बाद से फरार आरोपियों को किसी भी कीमत पर पकड़ने के लिए, सर्विलांस स्क्वॉड के ई.चार्ज

पुलिस इंस्पेक्टर ए.पी. चौधरी, पी.एस.इन्स. एच.आर. भेटरिया और उनकी टीम के सीधे गाइडेंस में, अलग-अलग स्पेशल टीमें बनाकर पूरे इलाके में जांच का तूफ़ान तेज़ कर दिया गया था। इस तेज़ जांच अभियान के दौरान, अमराईवाड़ी पुलिस स्टेशन के सर्विलांस स्क्वॉड के तेज़ पुलिसवालों, जयेशभाई मोतीभाई, हर्षदकुमार जेठाभाई और कल्पेशकुमार लक्ष्मणभाई को टेक्निकल सर्विलांस और सीक्रेट इन्फॉर्मर्स के नेटवर्क के ज़रिए एक बहुत ही खास और ज़रूरी टिप-ऑफ मिली। टिप-ऑफ यह थी कि मर्डर केस का फरार आरोपी इलाके में कहीं छिपा हुआ है। मिली खास टिप-ऑफ के आधार पर, पुलिस ने अमराईवाड़ी के बलियानगर इलाके को घेर लिया और रेड मारी। वहां से, पुलिस ने 21 साल के आरोपी रजत उर्फ ??अज्जू रविशभाई जमलाल जाटव को सफलतापूर्वक ढूंढ निकाला और उसे घेर लिया। रजत उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले का रहने वाला है और अभी अमराईवाड़ी बलियानगर के पास किराए के मकान में रह रहा है, जो पुलिस से भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने 21 साल के आरोपी रजत उर्फ अज्जू को औपचारिक रूप से हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ जेल सहित आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी से पूरी पूछताछ शुरू कर दी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस हत्या के पीछे असली वजह क्या थी, हमले में कौन से हथियार इस्तेमाल किए गए थे और क्या इस साजिश में कोई और भी शामिल था। अमराईवाड़ी पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

रामपुरा कंवरपुरा गांव में जर्जर स्कूल को गिराकर नई मॉडर्न बिल्डिंग बनाने का काम शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। जनता की आवाज और बच्चों के भविष्य के लिए लड़ रहे CJP के आक्रामक Fi& School' आंदोलन को बड़ी जीत मिली है। महानगरों और ग्रामीण इलाकों में जर्जर स्कूलों की दुर्दशा के खिलाफ शुरू की गई मुहिम का सीधा असर अब जमीन पर दिखने लगा है। इस आंदोलन के मजबूत प्रतिनिधित्व और जनसंपर्क के आगे आखिरकार प्रशासन को झुकना पड़ा और रामपुरा कंवरपुरा गांव में खतरनाक स्कूल को गिराकर वहां नया मॉडर्न स्कूल बनाने का काम पूरे जोर-शोर से शुरू कर दिया गया है। लंबे समय से रामपुरा कंवरपुरा गांव के सरकारी स्कूल की हालत बेहद दयनीय और चिंताजनक हो गई थी। स्कूल

की बिल्डिंग में बड़ी-बड़ी दरारें, छत से टपकता पानी और टूटे हुए क्लासरूम की वजह से बेसिक शिक्षा लेने आने वाले मासूम बच्चों की जान लगातार खतरे में रहती थी। गांववालों और पेरेंट्स ने इस बारे में लोकल एडमिनिस्ट्रेशन से कई बार रिक्वेस्ट की थी, लेकिन एडमिनिस्ट्रेशन पर कोई असर नहीं पड़ा। इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए, CJP ऑर्गनाइज़ेशन ने 'फिक्स द स्कूल' मूवमेंट के तहत इस मुद्दे को ज़ोरदार तरीके से उठाया। ऑर्गनाइज़ेशन के वर्कर्स ने लगातार ग्राउंड रिपोर्टिंग, ज़ोरदार प्रोटेस्ट और टॉप लेवल पर मज़बूत रिप्रेज़ेंटेशन देकर एजुकेशन डिपार्टमेंट और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन की आंखें खोल दीं। CJP के इस मूवमेंट ने लोकल लोगों और पेरेंट्स को एकजुट किया और इसे एक मास मूवमेंट का रूप दिया। CJP के मूवमेंट के लगातार दबाव और तेज़ी को देखते हुए, एजुकेशन डिपार्टमेंट आखिरकार जागा और उसने रामपुरा कंवरपुरा के जर्जर और खतरनाक स्कूल को पूरी तरह से गिराने का ऑर्डर दिया। अब, जब पुरानी जर्जर बिल्डिंग को गिराया जा रहा है और बच्चों के लिए एक सुरक्षित, आरामदायक और मॉडर्न स्कूल बनाने का काम युद्धस्तर पर शुरू हो गया है, तो पूरे गांव में जोश और खुशी का माहौल है।

गुजरात हाई कोर्ट का बहुत ज़रूरी और ऐतिहासिक फ़ैसला स्पा या कोठे पर रेड में पकड़े गए कस्टमर के ख़िलाफ़ कोई केस फ़ाइल नहीं किया जा सकता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात हाई कोर्ट ने स्पा और कोठे पर पुलिस रेड को लेकर एक बहुत ज़रूरी, सनसनीखेज और कानूनी तौर पर बदलने वाला ऐतिहासिक फ़ैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने साफ़ आदेश दिया है कि सिर्फ़ सर्विस लेने के लिए स्पा या कोठे (वेश्यालय) पर पुलिस रेड के दौरान मौके पर पकड़े गए कस्टमर के ख़िलाफ़ कानूनी तौर पर केस फ़ाइल नहीं किया जा सकता। इस विवादित मामले की जानकारी के मुताबिक, सूरत ग्रामीण के ओलपाड पुलिस स्टेशन की एक टीम ने दिसंबर 2025 में एक कोठे पर रेड मारी थी। इस कार्रवाई के दौरान, पुलिस ने मौके से एक युवक को कस्टमर बनाकर हिरासत में लिया और उसके ख़िलाफ़ कानूनी कार्रवाई करते हुए चार्जशीट पेश की। पुलिस की इस गैर-कानूनी हिरासत और कार्रवाई का शिकार हुए याचिकाकर्ता ने अपने वकील के ज़रिए गुजरात हाई कोर्ट में क्वैशिंग पिटीशन (शिकायत रद्द करने की अर्ज़ी)

दायर की। हाई कोर्ट में पिटीशनर के वकील ने हाई कोर्ट के पिछले कई फैसलों का हवाला देते हुए मज़बूत दलीलें दीं। उन्होंने कोर्ट का ध्यान इस ओर दिलाया कि कस्टमर सिर्फ़ सर्विस लेने वाला होता है, जो पैसे देकर सर्विस लेता है। वह प्रॉस्टिट्यूट, वेश्या या एजेंट नहीं है। इसलिए, कस्टमर पर केस करना कानून की नज़र में पूरी तरह से गैर-कानूनी और बेबुनियाद है।गुजरात हाई कोर्ट ने कानूनी नियमों की गहराई से समीक्षा करते हुए कहा कि इम्मोरल ट्रैफिकिंग एक्ट और इंडियन पीनल कोड की धाराएं किसी भी हालत में कस्टमर के खिलाफ लागू नहीं की जा सकतीं। पकड़ा गया कस्टमर सिर्फ़ सर्विस लेने के बदले पैसे देता है। वह किसी भी तरह से उस जगह के मालिकाना हक, मैनेजमेंट या प्रॉस्टिट्यूशन नेटवर्क से जुड़ा नहीं होता है। कोर्ट ने आगे साफ़ किया कि PITA एक्ट की धारा 3 के तहत कोठा चलाने या चलाने में मदद करने के लिए कस्टमर के खिलाफ कोई जुर्म नहीं बनता है। इसलिए, कस्टमर के तौर पर मौजूद व्यक्ति के खिलाफ ह्यूमन ट्रैफिकिंग या कोठा चलाने से जुड़ी धाराओं के तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती।

मेहसाणा लोकल क्राइम ब्रांच को कुख्यात भावेश झिलिया पर हुए जानलेवा और खूनी हमले के मामले में बड़ी और अहम कामयाबी मिली है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। पंथक समेत पूरे उत्तर गुजरात में भारी सनसनी और डर का माहौल बना दिया था। कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाकर खुलेआम आतंक मचाने वाले असामाजिक तत्वों का सफाया करने के लिए एक्शन मोड में आई LCB पुलिस ने तेजी से छापेमारी कर इस हमले में शामिल 6 मुख्य साथियों को सख्ती से हिरासत में लिया है। इस सफल कार्रवाई के साथ ही पुलिस ने पूरे पल्ली को हिला देने वाली इस साजिश से पर्दा उठा दिया है। LCB की गहराई से जांच में बेहद चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। आरोपियों ने भावेश झिलिया को निशाना बनाने और उसे खत्म करने की सोची-समझी खूनी साजिश पहले ही रच ली थी। हमलावर अपने प्लान में पकड़े नहीं जा सके, जिसके लिए उन्होंने 3 अलग-अलग लग्ज़री गाड़ियों का इस्तेमाल किया। इन 3 गाड़ियों में सवार लगभग 11 से 12 हथियारबंद हमलावरों

के काफ़िले ने भावेश झिलिया को घेर लिया और अचानक उस पर जानलेवा हमला कर दिया। हमला करने के बाद, सभी आरोपी अपनी गाड़ियों में पूरी रफ़्तार से भाग गए घटना की गंभीरता को देखते हुए, मेहसाणा LCB की अलग-अलग टीमों ने चारों दिशाओं में जाल बिछा दिया था। CCTV फुटेज, टेक्निकल सर्विलांस और खुफिया मुखबिरों के नेटवर्क का इस्तेमाल करके, पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी। आखिरकार, LCB टीम ने खास जानकारी के आधार पर 11 से 12 साथियों में से 6 को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए 6 आरोपियों से कड़ी और गहरी पूछताछ की है। हमले में इस्तेमाल गाड़ियों और जानलेवा हथियारों को ज़ब्त करने की कानूनी कार्रवाई तेज़ कर दी गई है। हमला चाहे पुराने पावर स्ट्रगल, पैसे के लेन-देन या गैंग वॉर की वजह से किया गया हो, पुलिस ने सभी दिशाओं में जांच बढ़ा दी है। इस घटना के बाद, मेहसाणा LCB की अलग-अलग टीमों ने चारों दिशाओं में जाल बिछा दिया था। CCTV फुटेज, टेक्निकल सर्विलांस और खुफिया मुखबिरों के नेटवर्क का इस्तेमाल करके, पुलिस ने सभी दिशाओं में जांच बढ़ा दी है। इस घटना के बाद, मेहसाणा LCB की टीम ने चारों दिशाओं में जाल बिछा दिया LCB पुलिस के इस सख्त और तेज़ हमले से मेहसाणा के क्रिमिनल बॉस और एंटी-सोशल एलिमेंट्स में बहुत ज़्यादा डर पैदा हो गया है। पुलिस ने साफ़ कर दिया है कि इस केस में बाकी 5 से 6 फरार आरोपियों को भी जल्द से जल्द पकड़कर जेल भेजा जाएगा।

महुधा में जिग्नेश पटेल हमला मामला: पुलिस ने आरोपी खालिद हुसैन और साकिब हुसैन के साथ मिलकर बड़ा री-कंस्ट्रक्शन किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। जिले के महुधा परिषद में काफी चर्चा में रहे और जनता में सन्नाटा फैला देने वाले जिग्नेश पटेल हमला मामले में महुधा पुलिस ने बेहद आक्रामक, सख्त और बिजली की तरह तेज़ कार्रवाई की है। कानून-व्यवस्था को खुलेआम अपने हाथ में लेने की हिम्मत करने वाले असामाजिक तत्वों को कानून का असली डंडा दिखाने के लिए, महुधा पुलिस ने इस घटना के मुख्य आरोपी खालिद हुसैन गुलाम हुसैन शेख और साकिब हुसैन रफीक हुसैन शेख को घटना स्थल पर ले जाकर कड़ी सुरक्षा के बीच क्राइम सीन का बड़ा री-कंस्ट्रक्शन किया। घटना की जानकारी के अनुसार, आरोपी खालिद हुसैन शेख और साकिब हुसैन शेख ने दुश्मनी या तीखी बहस के चलते अचानक जिग्नेश पटेल पर हमला कर उसे मार

डाला। इस खूनी हमले में जिग्नेश पटेल गंभीर रूप से घायल हो गया और आरोपी भाग गए। इस चौंकाने वाली घटना की खबर मिलते ही महुधा पुलिस स्टेशन की टीम तुरंत एक्शन मोड में आ गई और क्राइम रजिस्टर करके चारों तरफ जाल बिछाकर दोनों हमलावरों को पकड़ लिया। आरोपियों को पिंजरे में बंद करने के बाद, महुधा पुलिस ने क्राइम की कड़ियों को जोड़ने और कोर्ट में मजबूत सबूत पेश करने के लिए भारी पुलिस फोर्स के साथ दोनों आरोपियों को मौके पर भेजा। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों से पूरी साजिश का लाइव री-कंस्ट्रक्शन करवाया। आरोपियों ने जिग्नेश पटेल को कहां घेरा, हमला करते समय उन्होंने कौन सा हथियार या इक्विपमेंट इस्तेमाल किया, हमला कितना इंटेंसिटी वाला था और पीड़ित को लहूलुहान हालत में छोड़कर वे किस तरफ भागे, यह सब घटना की जगह पर हर सेकंड बारीकी से दोहराया गया। जब महुधा पुलिस ने खालिद हुसैन और साकिब हुसैन को कड़ी सिक्योरिटी के बीच उन्हीं सड़कों पर सिर झुकाकर पैदल दौड़ाया, जहां ये आरोपी अपनी अकड़ और हेकड़ी दिखाते थे, तो उनका सारा ईगो पिघल गया और वे कानून की धज्जियां उड़ाते दिखे। आस-पास के लोगों की भीड़ भी यह क्रूर नजारा देखने के लिए जमा हो गई।

शबरी प्रोसेस फिल्टर्स के गोदाम में लगी भीषण आग, 4 किलोमीटर दूर तक धुएं का काला गुबार दिखा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। पास मशहूर नंदेसरी इंडस्ट्रियल एस्टेट आज भयानक चीख-पुकार और अफरा-तफरी से गूंज उठा, जब वहां एक बड़े गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। नंदेसरी इंडस्ट्रियल एरिया में मौजूद 'शबरी प्रोसेस फिल्टर्स' कंपनी के गोदाम में जैसे ही यह भीषण आग लगी, काली लपटों ने कुछ ही पलों में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी बड़ी और भयानक थी कि इसके काले गुबार और जहरीला धुआं करीब 4 किलोमीटर दूर तक आसमान में साफ देखा जा सकता था। यह भयानक मंजर देखकर आसपास की दूसरी कंपनियों के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में बहुत डर और दहशत फैल गई। गोदाम में बड़ी मात्रा में रखी FRC सीटों में अचानक आग लग गई, जिससे करोड़ों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया और पूरी जगह तबाह हो गई। घटना की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड तुरंत एक्शन मोड में आ गई। कई फायर इंजन तुरंत मौके पर पहुंचे और भारी पानी के जेट का इस्तेमाल करके आग पर काबू पाने के लिए बड़ी मुश्किल से बचाव अभियान चलाया। गोदाम में आग पकड़ने वाली चीज़ें होने की वजह से फायरफाइटर्स को आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अच्छी बात यह है कि इस भयानक और पहले कभी नहीं हुई आग की घटना में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, जिससे बड़ी राहत मिली है। लोकल पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की टीम ने पूरे इलाके को घेर लिया है और आग लगने के सही कारण (शॉर्ट सर्किट या कोई और वजह) की पूरी जांच शुरू कर दी है।

किसानों की सब्सिडी में 'देश का काला धब्बा' और अरबपतियों के 22,000 करोड़ रुपये माफ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। दिल्ली तक एक खास रिपोर्ट जो अधिकारियों के कान खोलती है ' जन-आवाज जिस देश की नींव 'जय जवान, जय किसान' के नारे पर रखी गई थी, आज उसी देश में किसान अपने ही खेत में मजदूर और अपने ही हक के लिए सड़क पर भिखारी बन गया है। एयर-कंडीशन कमरों में बैठकर देश की इकॉनमी तय करने वाले मालिकों को खेत की मिट्टी या किसान के पसीने की कीमत का कोई अंदाज़ा नहीं है। जब देश का आम किसान खेती बचाने के लिए यूरिया या DAP खाद के एक बैग पर थोड़ी सी सब्सिडी मांगता है, तो सरकारी किताबें देश की इकॉनमी के काले होने का रोना रोती हैं। लेकिन, सवाल यह है कि जब बड़े बिजनेसमैन और सरकार के पैसे वाले लोगों का 22,000 करोड़ रुपये का कर्ज चुपचाप रातों-रात माफ कर दिया जाता है, तो देश की इकॉनमी कहां जाती है? क्या देश की भलाई सिर्फ़ चुनाव की फंडिंग करने वाले अरबपतियों तक ही सीमित है? सरकार टीवी और अखबारों में करोड़ों रुपये के विज्ञापन देकर 'विकास' और 'आत्मनिर्भरता' के बारे में अपनी पीठ थपथपाती है, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही है बिजली और पानी के व्यापारी: आज भी गुजरात के किसान सिंचाई के लिए पर्याप्त घंटे बिजली और नहरों में पानी पाने के लिए आंदोलन करने को मजबूर हैं। दिन में बिजली देने के वादे सिर्फ़ कागज़ों तक ही सीमित रह गए हैं और किसानों को जंगली जानवरों के डर के बीच रात के अंधेरे में अपने खेत जोतने पड़ते हैं। ज़मीन अधिग्रहण और पावर ग्रिड अन्याय: खेतों से गुज़रने वाली हाई-टेंशन बिजली की लाइनें और पावर ग्रिड के खंभे लगाने के नाम पर किसानों की ज़मीनें तो ले ली जाती हैं, लेकिन उन्हें सही या न्यायसंगत मुआवज़ा देने के नाम पर चुप करा दिया जाता है। तो सरकारी सर्वे के नाम पर कुछ परसेंटेज जैसी राहत का ऐलान किया जाता है। पक्किसी के दबाव के, किसानों, युवाओं और समाज के आखिरी आदमी की आवाज़ बनकर और सरकार के कानों तक सच पहुँचाने का काम बिना किसी डर के करता रहेगा!

रिटायर्ड आर्मी पति के खिलाफ पत्नी की मेंटेनेंस एप्लीकेशन खारिज, कोर्ट ने कहा 'पत्नी लाचार नहीं है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। फैमिली कोर्ट ने पति-पत्नी के मेंटेनेंस केस में एक बहुत ही अहम, आंखें खोलने वाला और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। फैमिली कोर्ट ने पत्नी की अपने रिटायर्ड आर्मी पति के खिलाफ मेंटेनेंस के लिए फाइल की गई एप्लीकेशन को सख्त टिप्पणियों के साथ पूरी तरह से खारिज कर दिया है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि कानून का इस्तेमाल असल में लाचार और पीड़ित महिलाओं की रक्षा के लिए होता है, न कि फायदा कमाने के लिए। इस विवादित कानूनी केस की डिटेल्स के मुताबिक, पत्नी ने अपने रिटायर्ड आर्मी पति से कैश मेंटेनेंस पाने के लिए कोर्ट में एप्लीकेशन फाइल की थी। हालांकि, कोर्ट के सामने आए सबूतों और तथ्यों ने पासा पलट दिया। जांच में पता चला कि पत्नी खुद लाचार नहीं थी। वह अपने पति के घर में अपने कमाने वाले और पैसे वाले बेटों के साथ आराम से रहती है। इतना ही नहीं, पति खुद ही उस घर का होम लोन और लाइट बिल जैसे सारे खर्चे उठा रहा है। दूसरी तरफ, आर्मी से रिटायर हुए पति बहुत ही टूटी-फूटी हालत में किराए के मकान में मुश्किल से गुजारा कर रहे थे। इस उलटी स्थिति को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद फैमिली कोर्ट ने क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की धारा-125 के असली मकसद के बारे में एक ज़रूरी सफाई दी। कोर्ट ने कहा कि धारा-125 का मुख्य और मुख्य मकसद बेबसी, लाचारी और भुखमरी की हालत में जी रही महिलाओं को घर और पैसे की मदद देना है। कोर्ट ने कड़े फैसले में कहा कि जब पत्नी अपने बेटों के साथ पति के घर में रहती है, जो कमाकर अपना गुज़ारा करते हैं, पति घर के लोन और बिजली के बिल का बोझ उठाता है, और पति खुद किराए के मकान में रहने के लिए पैसे और शारीरिक रूप से मजबूर है, तो पत्नी का कैश मेंटेनेंस पाने का दावा किसी भी तरह से सही या न्यायसंगत नहीं है। इन सभी बातों पर गौर करते हुए कोर्ट ने पत्नी की मेंटेनेंस की अर्जी खारिज कर दी। फैमिली कोर्ट के इस आदेश ने उन लोगों के खिलाफ एक कड़ा और साफ मैसेज दिया है जो कानून के नाम पर झूठा पैसे का बोझ डालना चाहते हैं।

युवाओं को साधने की नई रणनीति: नितिन नवीन की बैठक से भाजपा ने खोला 2027 का चुनावी मोर्चा

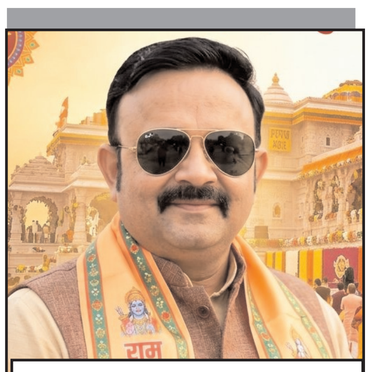

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भाजपा की नई रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पार्टी अब युवाओं से केवल राजनीतिक मुद्दों के आधार पर संवाद करने के बजाय उनके रोजमर्रा के सवालों, आकांक्षाओं और चिंताओं को भी अपने अभियान का हिस्सा बनाने की तैयारी कर रही है। रोजगार, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाएं, कौशल विकास, नशे की समस्या, डिजिटल दुनिया और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दे आने वाले समय में पार्टी के संवाद का प्रमुख आधार बन सकते हैं। इसके पीछे स्पष्ट राजनीतिक उद्देश्य भी है।

नशामुक्ति से सोशल मीडिया तक युवाओं से सीधा संवाद बढ़ाने की तैयारी, जेन जी की नाराजगी दूर कर नई पीढ़ी को पार्टी से जोड़ने पर जोर...

भारतीय जनता पार्टी ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच युवाओं को अपने साथ जोड़ने की रणनीति पर गंभीरता से काम शुरू कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई अहम बैठक को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बैठक में युवाओं तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने, नई पीढ़ी के बीच संगठन की स्वीकार्यता मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनावों में युवा मतदाताओं की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात सहित सात राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए भाजपा अब युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुट गई है।

भाजपा की नई रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पार्टी अब युवाओं से केवल राजनीतिक मुद्दों के आधार पर संवाद करने के बजाय उनके रोजमर्रा के सवालों, आकांक्षाओं और चिंताओं को भी अपने अभियान का हिस्सा बनाने की तैयारी कर रही है। रोजगार, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाएं, कौशल विकास, नशे की समस्या, डिजिटल दुनिया और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दे आने वाले समय में पार्टी के संवाद का प्रमुख आधार बन सकते हैं। इसके पीछे स्पष्ट राजनीतिक उद्देश्य भी है। देश की बड़ी युवा आबादी चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाती है और नई पीढ़ी का रुख किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष या विपक्ष में माहौल बनाने की क्षमता रखता है।

नितिन नवीन की बैठक में भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष हेमांग जोशी के साथ पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर, पूनम महाजन और तेजस्वी सूर्या जैसे युवा चेहरों की मौजूदगी भी इस बात का संकेत है कि पार्टी युवाओं से जुड़े अभियान में अपने पुराने और नए दोनों नेतृत्व को सक्रिय करना चाहती है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, युवा मामलों एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया तथा केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित कई वरिष्ठ नेता भी बैठक में शामिल हुए। स्मृति ईरानी, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा जैसे नेताओं की भागीदारी से साफ है कि यह केवल युवा मोर्चे की बैठक नहीं थी, बल्कि व्यापक राजनीतिक रणनीति तैयार करने का प्रयास था।

सूत्रों के अनुसार, इस महत्वपूर्ण विमर्श के लिए देशभर से 40 से अधिक नेताओं को आमंत्रित किया गया था। पार्टी की ओर से बैठक में हुई चचाओं पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन बैठक का समय और इसमें

शामिल नेताओं का स्वरूप बताता है कि भाजपा 2027 के चुनावों को लेकर अभी से जमीन तैयार करना चाहती है। खासतौर पर जेन जी यानी नई पीढ़ी के मतदाताओं को लेकर पार्टी को अपनी रणनीति में बदलाव की आवश्यकता महसूस हो रही है।

जेन जी की नाराजगी दूर करने की कोशिश

हाल के वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार, शिक्षा और अवसरों से जुड़े मुद्दों को लेकर युवाओं में असंतोष देखने को मिला है। नीट जैसी परीक्षाओं से जुड़े विवादों ने भी युवा वर्ग में नाराजगी को राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाया। ऐसे माहौल में भाजपा के सामने चुनौती केवल सरकार की उपलब्धियां गिनाने की नहीं, बल्कि युवाओं की शिकायतों को सुनने और उन्हें यह भरोसा दिलाने की है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए फ्रेंड्स शब्द का इस्तेमाल इसी संवाद की शैली का हिस्सा माना जा सकता है। संदेश यह है कि सरकार और पार्टी नई पीढ़ी को अपने विरोधी खेमे के रूप में नहीं देखती। युवाओं की नाराजगी को राजनीतिक टकराव में बदलने के बजाय उनके साथ संवाद स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि इस रणनीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि युवाओं की वास्तविक समस्याओं के समाधान को कितना प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारा जाता है।

नशामुक्ति को युवाओं के अभियान से जोड़ने की पहल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 137वें एपिसोड में युवाओं से नशामुक्त भारत अभियान को जन आंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाले वीडियो और अन्य रचनात्मक कंटेंट तैयार करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने माना कि युवाओं की रचनात्मक क्षमता और सोशल मीडिया की व्यापक पहुंच का इस्तेमाल नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने में किया जा सकता है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो नशामुक्ति का मुद्दा भाजपा के लिए युवाओं तक पहुंच बनाने का एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। पंजाब सहित कई राज्यों में नशे की समस्या लंबे समय से गंभीर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रही है। ऐसे में नशामुक्ति को केवल सरकारी अभियान के बजाय युवाओं के नेतृत्व वाले सामाजिक अभियान का रूप देने की कोशिश पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। युवा यदि स्वयं वीडियो, पोस्ट, अभियान और जागरूकता सामग्री तैयार करते हैं तो संदेश राजनीतिक भाषण की तुलना में अधिक सहजता से नई पीढ़ी तक पहुंच सकता है।

आज की जेन जी राजनीति को पारंपरिक भाषणों और पोस्टरों से अलग नजरिए से देखती है। वह मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जानकारी हासिल करती है और अपनी प्रतिक्रिया भी उसी माध्यम से देती है। भाजपा इस बदलाव को समझते हुए युवाओं के लिए नए तरह के कंटेंट और संवाद की रणनीति तैयार कर रही है।

मन की बात में नशामुक्ति पर कंटेंट बनाने की अपील और दूसरी ओर नितिन नवीन की युवा आउटरीच बैठक, दोनों घटनाओं को एक व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा सकता है। पार्टी युवाओं को केवल राजनीतिक संदेश का उपभोक्ता बनाने के बजाय उन्हें संदेश का निमार्ता भी बनाना चाहती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में स्वच्छता के महत्व का उल्लेख करते हुए उत्तर प्रदेश के रामपुर के पटवाई गांव के युवाओं आकाश और रोहन का उदाहरण दिया। दोनों ने क्लीन अप पटवाई टीम बनाकर युवाओं के साथ गंगा घाटों की सफाई की, तालाबों को संवारा और बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा हटाया। इसी तरह आंध्र प्रदेश के कडपा के किसान वरदराज की एवोकाडो खेती का उदाहरण देकर प्रधानमंत्री ने कृषि में नए अवसरों और युवाओं की बदलती सोच की ओर भी ध्यान खींचा।

इन उदाहरणों के माध्यम से सरकार यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि युवा केवल नौकरी तलाशने वाला वर्ग नहीं, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था में नए अवसर पैदा करने वाला वर्ग भी है। स्वच्छता, खेती, खेल, तकनीक, नवाचार और नशामुक्ति जैसे मुद्दों को जोड़कर युवाओं के लिए सकारात्मक भागीदारी का रास्ता तैयार किया जा सकता है।

2027 में सात राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। पार्टी की कोशिश सत्ता में वापसी या सरकारों को बनाए रखने के साथ-साथ युवा मतदाताओं के बीच अपने आधार को मजबूत करने की है। इसके लिए केंद्र और राज्य स्तर पर समीक्षा बैठकों का दौर बढ़ने की संभावना है। सरकार से नाराज युवाओं को फिर से संवाद की मुख्यधारा में लाना भाजपा की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है।

युवा देश की धड़कन हैं। उनके सवालों को नजरअंदाज करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए जोखिम भरा हो सकता है। भाजपा के सामने भी यही चुनौती है कि वह युवाओं को केवल चुनावी मतदाता के रूप में नहीं, बल्कि नीति निर्माण और विकास की प्रक्रिया के भागीदार के रूप में कैसे सामने लाती है। नितिन नवीन की बैठक से यह संकेत जरूर मिल गया है कि 2027 के चुनावों की तैयारी में युवाओं को केंद्र में रखा जाएगा।

अब असली परीक्षा रणनीति को जमीन पर लागू करने की होगी। नशामुक्ति का संदेश, रोजगार और शिक्षा से जुड़े सवाल, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, डिजिटल संवाद और युवाओं की भागीदारी यदि वास्तविक नीतियों और प्रभावी कार्रवाई से जुड़ते हैं, तभी भाजपा नई पीढ़ी का विश्वास हासिल कर सकेगी। केवल नारों और सोशल मीडिया अभियानों से यह दूरी पूरी नहीं होगी। युवाओं को विश्वास दिलाना होगा कि उनकी आवाज सुनी जा रही है और उनके भविष्य को राजनीतिक प्राथमिकता दी जा रही है। 2027 के चुनावों में यही भरोसा भाजपा की रणनीति की सबसे बड़ी कसौटी बनने वाला है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

उम्मीद से ज्यादा तेज़ी

ऐसे वक्त में जब अमेरिका-ईरान युद्ध से कच्चे तेल के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और आपूर्ति श्रृंखला बाधित रही, देश की अर्थव्यवस्था में मजबूती का संकेत सुखद ही कहा जायेगा। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद दर 7.8 रही है। यह प्रदर्शन केंद्रीय बैंक आरबीआई के सात फीसदी की विकास दर के अनुमान से भी अधिक है। यह दर बाजार की उम्मीदों से भी अधिक है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और ग्लोबल अनिश्चितता के बावजूद देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। दरअसल, इस तेज विकास दर को पाने हेतु विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन से मदद मिली है। वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में सेवा क्षेत्र में दस फीसदी की विकास दर उत्साहजनक रही है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 तथा निर्माण क्षेत्र में विकास दर 7.7 फीसदी की वृद्धि ने देश की आर्थिकी को गति दी है। दरअसल,औद्योगिक विकास ने भी सकल विकास दर को संबल दिया । इससे भारतीय घरेलू अर्थव्यवस्था के महत्व का पता चलता है। उल्लेखनीय है इस दौरान देश में उपभोक्ता मांग अच्छी बनी रही। वास्तव में देश के बड़े उपभोक्ता बाजार ने वैश्विक मांग और व्यापार में आई शिथिलता के बावजूद स्वदेशी आर्थिकी को मजबूती दी है। भले ही देश का विपक्ष इस कामयाबी को आंकड़ों की बाजीगरी बता रहा है लेकिन सरकार इस उपलब्धि पर अपनी पीठ थपथपा सकती है। लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि वैश्विक स्तर पर जारी अस्थिरता के चलते भविष्य में पैदा होने वाले जोखिम कम नहीं हो जाते हैं। विकास दर के इन आंकड़ों के चलते हमें लापरवाह होने से बचना चाहिए। पूंजीगत सामान के ज्यादा उत्पादन व सरकारी पूंजीगत व्यय में वृद्धि से पता चलता है कि देश में संरचनात्मक विकास व निवेश की मांग बनी हुई है। वास्तव में देश के नीति-नियंताओं को हमारी खाद्य श्रृंखला को मजबूती देने वाले और महंगाई को प्रभावित करने वाले कृषि उत्पादन में तेजी लाने की जरूरत है। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के बीच इस बार देश के विभिन्न क्षेत्रों में हुई असमान बारिश का असर भी कृषि उत्पादन पर पड़ सकता है। देश का कृषि क्षेत्र अभी भी मौसम की मार के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। बहरहाल, पहली तिमाही के उत्साहवर्धक आंकड़े देश की वार्षिक विकास की अनुमानित दर में संशोधन करने की जरूरत को बताते हैं।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता।

मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है।

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

रूस अमेरिका सहित दुनिया के अधिकांश देशों में आर्थिक संकट की आहट

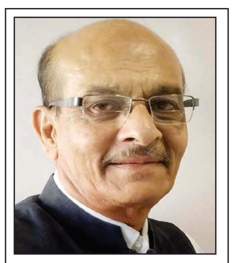

सनत जैन

अमेरिका की अर्थव्यवस्था संकट में पड़ गई है। ईरान के साथ युद्ध के बाद अमेरिका आर्थिक एवं सामरिक दृष्टि से बहुत कमजोर हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद जिस तरह से टैरिफ नीतियों को लेकर यूरोप, नाटो सहित दुनिया के अ?धिकांश देशों के साथ जिस तरह की दादागिरी की। जिस तरह से ट्रम्प ने टैरिफ लगाया, उससे अमेरिका की आर्थिक स्थिति लगातार गड़बड़ाती चली गई। अमेरिका में महंगाई बढ़ी तेजी के साथ बड़ी इसी बीच ईरान के साथ युद्ध शुरू हुआ। अमेरिका को अहंकार था, वह 15 20 दिन में ईरान को ठिकाने लगा देंगे। ईरान को तो वह ठिकाने लगा नहीं पाए, उल्टे अरब देशों से अमेरिका के पैर उखड़ गए। सारे अमेरिकी सैन्य अड्डे बर्बाद हो गए। 70 फीसदी हथियार खत्म हो गए, जो डर और भय अमेरिका को लेकर सारी दुनिया में बना हुआ था, वह डर और भय भी खत्म हो गया। ट्रंप की नीतियों के कारण डॉलर का दबदबा भी सारी दुनिया से खत्म होता जा रहा है। डॉलर के मुकाबले अन्य मुद्राओं से वैश्विक कारोबार शुरू हो चुका है। जिसके कारण अमेरिका आर्थिक रूप से विभिन्न कारणों से कमजोर होता चला जा रहा है। अमेरिका में महंगाई के कारण त्राहिमाम मचा हुआ है। कुछ इसी तरह की स्थिति रूस की भी है। पिछले कई वर्षों से यूक्रेन के साथ वह युद्ध लड़ रहा है। भारी आर्थिक एवं साम?रित नुकसान रुस को उठाना पड़ा है। रूस की आर्थिक स्थिति भी तेजी से खराब हो रही है। उसे अपना सोना बेचना पड़ रहा है। इसके बाद भी युद्ध कब खत्म होगा इसका कोई अता पता नहीं है। रूस और अमेरिका का जो अहंकार था, वह यूक्रेन और ईरान ने एक तरह से तोड़ दिया है। रूस और अमेरिका को युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। यही हाल इजराइल का हुआ है। उनका अहंकार उनके आड़े आ रहा है। इसी बीच चीन ने बड़ी शांति के साथ जब दो महाशक्तियां और दुनिया के अधिकांश देश आपस में लड़ रहे थे। इसका फायदा उठाते हुए व्यापार के जरिए अपनी आर्थिक और सामरिक स्थिति को मजबूत कर लिया। चीन एक नई महाशक्ति के रूप में सारी दुनिया के सामने है। चीन के बिना किसी का काम नहीं चल रहा है। इसमें सबसे ज्यादा खराब स्थिति भारत की है। भारत दो पाटों के बीच में फंसकर बुरी तरह से पिस रहा है। भारत अपने आप को विश्व गुरु के रूप में प्रचारित करके तथा सबसे बड़ा बाजार होने का अहंकार पालकर जिस तरह की गलतियां पिछले एक दशक से कर रहा है। उसके कारण भारत की आर्थिक स्थिति भी दिनों दिन खराब होती जा रही है। सरकार कोई भी दावा करे, उन दावों के विपरीत भारत की आर्थिक स्थिति है। भारत के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। भारत का सामरिक खर्च बढ़ता चला जा रहा है। 20 से 25 करोड युवा बेरोजगारी के शिकार हैं। गरीब आदमी गरीब होता चला जा रहा है। महंगाई बढ़ती चली जा रही है। 80 करोड लोगों को मुफ्त अनाज देना पड़ रहा है। इसके बाद भी भारत सरकार भी जिस तरह से रूस और अमेरिका अपने अहंकार से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, कुछ वही स्थिति भारत की देखने को मिल रही है। भारत चीन के ऊपर निर्भर होता चला जा रहा है। चीन का आयात भारत में साल दर साल बढ़ता चला जा रहा है। उसके मुकाबले निर्यात घटता जा रहा है। भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। भारत और चीन के बीच में प्रतिस्पर्धा है। सीमा विवाद है, भारतीय सीमाओं पर चीन का अनधिकृत कब्जा बढ़ता जा रहा है। उसके बाद भी भारत सरकार चीन के सामने बेबस नजर आ रही है। अब आर्थिक स्थिति को संभालना और महंगाई से निपटना भारत सरकार के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। वहीं अमेरिका, चीन, रूस के तीन पाटों के बीच में फंसकर भारत लगातार पिस रहा है। सभी महाशक्तियां भारत को अपने इशारे पर नचा रही हैं। भारत को उनके इशारों पर नाचना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति इसके पहले कभी नहीं थी। अब जिस तरह की आर्थिक मंदी की वैश्विक स्थिति बन रही है। उसने भारत की चिताओं को बढ़ा दिया है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को वास्तविक सत्य के आधार पर अपनी नीतियां बनानी होगी। अहंकार से बाहर निकलना होगा। तभी जाकर स्थितियों में सुधार लाया जा सकता है।

आईआईएस अधिकारी केवल संचारक नहीं,शासन और जनता के बीच मजबूत कड़ी

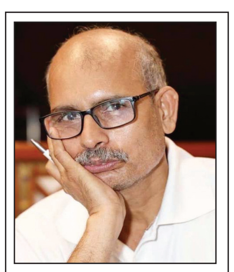

विनोद सिंह 'तकियावाला'

सटीकता,विश्वसनीयता और संवेदनशीलता के साथ नागरिकों की आकांक्षाओं को शासन तक पहुँचाने की अंहम जिम्मेदारी...

नई दिल्ली। लोकतंत्र में सरकार और जनता के बीच संबंध केवल नीतियों, योजनाओं और निर्णयों से निर्धारित नहीं होते, बल्कि इन दोनों के बीच होने वाला संवाद इस रिश्ते की वास्तविक मजबूती तय करता है।सरकार की नीतियां कितनी भी जनकल्याणकारी क्यों न हों, यदि उनकी सही जानकारी नागरिकों तक नहीं पहुँचती अथवा जनता उन नीतियों के उद्देश्य और लाभ को समझ नहीं पाती, तो शासन और नागरिकों के बीच विश्वास की वह कड़ी मजबूत नहीं हो सकती, जिसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

इसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के केंद्र में भारतीय सूचना सेवा यानी आईआईएस के अधिकारी आते हैं। इन अधिकारियों की भूमिका केवल सरकार की सूचनाओं, योजनाओं और उपलब्धियों को मीडिया अथवा जनता तक पहुँचाने तक सीमित नहीं है।वे शासन और नागरिकों की आकांक्षाओं के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु हैं।उनकी जिम्मेदारी सरकार की बात जनता तक पहुँचाने के साथ-साथ जनता की आवाज,अपेक्षाओं और प्रतिक्रियाओं को शासन तक पहुँचाने की भी है।सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव ने आईआईएस अधिकारियों की इसी व्यापक भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा है कि उनकी जिम्मेदारी संचार से आगे बढ़कर शासन और नागरिकों के बीच विश्वास निर्माण की है। यह विश्वास सटीकता,विश्वसनीयता और संवेदनशीलता के आधार पर ही कायम किया जा सकता है।आज के दौर में इस भूमिका का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल माध्यमों ने संचार की गति को अभूतपूर्व बना दिया है। किसी घटना,सरकारी निर्णय अथवा योजना से संबंधित सूचना कुछ ही क्षणों में देश के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुँच सकती है।सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार तेज हुआ है, मगर इसी के साथ गलत सूचना, अधूरी जानकारी और भ्रामक दावों की चुनौती भी गंभीर हुई है।ऐसे वातावरण में आईआईएस अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल सूचना को तेजी से प्रसारित करने की नहीं,बल्कि सही और प्रमाणिक सूचना को सही संदर्भ में जनता तक पहुँचाने की है। सरकारी संचार में एक छोटी-सी तथ्यात्मक गलती भी नागरिकों के विश्वास को प्रभावित कर सकती है।इसके विपरीत स्पष्ट,तथ्यपरक और पारदर्शी संवाद सरकार और जनता के बीच भरोसे को मजबूत करता है।सरकारी योजनाओं और नीतियों के प्रचार-प्रसार को भी इसी दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।किसी योजना की घोषणा कर देना और उसके आंकड़े जारी कर देना संचार की पूर्ण प्रक्रिया नहीं है।वास्तविक चुनौती यह है कि आम नागरिक उस योजना का उद्देश्य समझ सके, यह जान सके कि उसका लाभ किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है और उसके जीवन पर उसका क्या प्रभाव पड़ेगा।यहीं आईआईएस अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।उन्हें जटिल सरकारी नीतियों और प्रशासनिक भाषा को सरल,स्पष्ट और जनसुलभ भाषा में प्रस्तुत करना होता है। जनता को केवल यह बताना पर्याप्त नहीं कि सरकार ने क्या निर्णय लिया है, बल्कि यह भी समझाना आवश्यक है कि निर्णय क्यों लिया गया और उससे नागरिकों को क्या लाभ होगा।भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह जिम्मेदारी और चुनौतीपूर्ण है। देश के अलग-अलग हिस्सों में भाषा,संस्कृति,सामाजिक परिस्थितियों और नागरिकों की प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। इसलिए सरकारी संचार को केवल एक औपचारिक संदेश तक सीमित नहीं रखा जा सकता।उसे स्थानीय परिस्थितियों और समाज की संवेदनशीलताओं के अनुरूप भी बनाया जाना आवश्यक है।आईआईएस अधिकारी इसी विविधता को ध्यान में रखते हुए सरकार और समाज के बीच संवाद को अधिक प्रभावी बना सकते हैं।उन्हें शासन की भाषा को जनता की भाषा में बदलने के साथ-साथ जनता की आकांक्षाओं को शासन तक पहुँचाने वाला माध्यम भी बनना होगा।लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद एकतरफा नहीं हो सकता।यदि सरकार केवल अपनी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी जनता तक पहुँचाती रहे और नागरिकों के सवालों, समस्याओं तथा प्रतिक्रियाओं को सुनने की व्यवस्था कमजोर हो,तो संवाद अधूरा रह जाता है। वास्तविक लोकतांत्रिक संचार वही है जिसमें सरकार बोलती भी है और जनता को सुनती भी है।आईआईएस अधिकारी इस दोतरफा संवाद की महत्वपूर्ण कड़ी हैं।मीडिया और जनता के साथ उनका संपर्क उन्हें समाज की बदलती सोच और अपेक्षाओं को समझने का अवसर देता है। यह जानकारी शासन के लिए भी उपयोगी हो सकती है। जनता किन मुद्दों को लेकर चिंतित है, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में कहां कठिनाइयां हैं और किन क्षेत्रों में अधिक जानकारी की आवश्यकता है,इन सबका संज्ञान लेकर संचार व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।संचार में संवेदनशीलता का महत्व भी कम नहीं है।आंकड़ों और सरकारी उपलब्धियों के पीछे आम नागरिक का जीवन जुड़ा होता है।किसी किसान,श्रमिक,महिला, युवा,वरिष्ठ नागरिक अथवा छोटे उद्यमी के लिए सरकारी योजना का अर्थ केवल एक आंकड़ा नहीं,बल्कि उसके जीवन में संभावित बदलाव है।इसलिए सरकारी संचार में मानवीय दृष्टिकोण आवश्यक है।

आईआईएस अधिकारियों को तकनीकी दक्षता के साथ इस मानवीय पक्ष को भी समझना होगा। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि सरकारी संदेश केवल बड़े शहरों और डिजिटल माध्यमों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के उन वर्गों तक भी पहुँचे जो सूचना के आधुनिक साधनों तक समान रूप से पहुंच नहीं रखते।

आज सरकारी संचार के सामने एक और बड़ी चुनौती विश्वसनीयता की है।जब नागरिकों के सामने सूचनाओं के अनेक स्रोत मौजूद हों,तब आधिकारिक सूचना की विश्वसनीयता तभी कायम रह सकती है जब उसमें तथ्य, पारदर्शिता और जिम्मेदारी दिखाई दे।आईआईएस अधिकारियों को इस विश्वास की रक्षा करनी होगी।उनकी भूमिका इसलिए केवल ह्यसरकारी

सूचना पहुँचाने वाले अधिकारीह्न की नहीं है।वे लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में संवाद के प्रतिनिधि हैं।उनके माध्यम से सरकार की नीतियां जनता तक पहुँचती हैं और जनता की आवाज शासन तक जाती है। इसीलिए उनके काम में प्रशासनिक दक्षता के साथ पत्रकारिता की समझ,सामाजिक संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों की गहरी समझ भी आवश्यक है।वर्तमान समय में सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।यह विश्वास केवल घोषणाओं से नहीं बनता।इसके लिए निरंतर संवाद,सही जानकारी,स्पष्ट भाषा, पारदर्शिता और जनता की भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता जरूरी है । आईआईएस अधिकारी इस पूरी प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभा सकते हैं।यदि सरकारी संचार सटीकता के साथ विश्वसनीयता और संवेदनशीलता को भी अपना आधार बनाए,तो वह केवल सूचना का माध्यम नहीं रहेगा, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत पुल बन जाएगा।यही आईआईएस अधिकारियों की वास्तविक भूमिका है - सरकार की आवाज को जनता तक पहुँचाना और जनता की आकांक्षाओं को शासन तक पहुँचाना।लोकतंत्र में इस संवाद की कड़ी जितनी मजबूत होगी, शासन और नागरिकों के बीच विश्वास भी उतना ही गहरा होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार हैं)

कल का मौसमः 3 सितंबर को यूपी के इन 7 जिलों में भारी बारिश, IMD का लेटेस्ट अलर्ट

यूपी। 3 सितंबर को बारिश का दौर जारी रहेगा. मौसम विभाग ने बांदा, चित्रकूट, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर में भारी बारिश की संभावना जताई है. पश्चिमी यूपी में कई जगह बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं. पूर्वी यूपी में भी कुछ स्थानों पर बारिश का अनुमान है. 4 और 5 सितंबर को भी कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है यूपी में बारिश का सिलसिला अभी थमने वाला नहीं है. 3 सितंबर को सात जिलों में भारी बारिश दस्तक दे सकती है. ढ्ढरूष्ठ ने बांदा, चित्रकूट, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर के लिए भारी बारिश

की संभावना जताई है. इसके अलावा प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 3 सितंबर सुबह 8:30 बजे से 4 सितंबर सुबह 8:30 बजे तक बांदा, चित्रकूट, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर में भारी बारिश की संभावना ज्यादा है. यानी इन जिलों के लोगों को अगले 24 घंटे के दौरान मौसम को लेकर विशेष सतर्क रहने की जरूरत है. इन इलाकों में कई जगहों पर अचानक तेज बारिश हो सकती है. ऐसे में निचले इलाकों में पानी भरने, सड़क पर फिसलन बढ़ने और स्थानीय स्तर पर आवागमन प्रभावित होने जैसी स्थिति बन सकती है. खासकर बारिश के दौरान खुले इलाकों और जलभराव वाले रास्तों पर सावधानी बरतना जरूरी होगा. 3 सितंबर को सिर्फ बुंदेलखंड ही नहीं, बल्कि प्रदेश के दूसरे हिस्सों में भी मौसम सक्रिय रहने का अनुमान है. खराब होने पर सुरक्षित स्थान पर चले जाना चाहिए.

मैनपुरी में मूंछों पर ताव देकर बोले DSP अशोक सिंह- 'लो बना लो वीडियो और अखिलेश यादव को दे देन

कोबरा ने डसा तो क्या हुआ, उसे ही डिब्बे में बंद कर पहुंच गया डॉक्टर के पास, ग्वालियर के सपेरे ने हद कर दीमहानगर मेट्रो ब्यूरो

मैनपुरी। तैनात डीएसपी अशोक सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. एलाऊ थाना क्षेत्र में हुई गोलीबारी में कंडक्टर की मौत के बाद पोस्टमॉर्टम हाउस पर परिजनों से बातचीत के दौरान वीडियो बना रहे लोगों पर गुस्सा होकर डीएसपी मूंछों पर ताव देते हुए अखिलेश यादव को वीडियो भेजने की बात कहते दिखे. मैनपुरी के एलाऊ थाना क्षेत्र स्थित संतोष नगर गांव में शराब

के ठेके के सामने हमलावरों ने ट्रक रोककर फायरिंग कर दी, जिसमें कंडक्टर की मौके पर ही मौत हो गई और चालक घायल हो गया. पुलिस प्रशासन के साथ सीओ सिटी डीएसपी अशोक सिंह पोस्टमॉर्टम हाउस पर मृतक के परिजनों से बातचीत कर रहे थे. इस दौरान कुछ लोग वीडियो बनाने लगे. मना करने पर भी जब वे नहीं माने, तो डीएसपी अशोक सिंह ने मूंछों पर ताव देते हुए अपना नाम, पिता का नाम और आजमगढ़ का निवासी बताते हुए अखिलेश यादव को वीडियो भेजने की बात कह दी.

ट्रक पर फायरिंग में कंडक्टर की हुई थी मौत

मामला रविवार रात एलाऊ थाना क्षेत्र का है, जहां शराब की दुकान के पास बदमाशों ने ट्रक पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं. गोली लगने से कंडक्टर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि ड्राइवर घायल हो गया. सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक, एसपी सिटी और सीओ सिटी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया.

पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर वीडियो बनाने पर विवाद

पोस्टमॉर्टम हाउस पर डीएसपी अशोक सिंह पीड़ित परिवार से बात कर रहे थे, तभी कुछ लोग मोबाइल से वीडियो रिकॉर्ड करने लगे. पुलिस अधिकारी ने पहले उन्हें मना किया, लेकिन जब वे नहीं माने तो डीएसपी भड़क गए. उन्होंने गुस्से में मूंछों पर ताव देकर कहा कि नाम अशोक कुमार सिंह, पिता बलबीर सिंह, निवासी आजमगढ़ नोट कर लो और यह वीडियो अखिलेश यादव को दे देना. डीएसपी अशोक सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के रहने वाले हैं. जून 2026 में हुए उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रशासनिक फेरबदल के दौरान उनका तबादला औरैया से मैनपुरी किया गया था. फिलहाल मूंछों पर ताव देने वाला उनका यह अंदाज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

राजनगर एक्सटेंशन में एयरोसिटी बसाने की तैयारी, 3 गांवों की 200 हेक्टेयर जमीन का होगा अधिग्रहण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। विकास प्राधिकरण (जीडीए) की राजनगर एक्सटेंशन में प्रस्तावित एयरोसिटी योजना के लिए बुधवार को भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी हो सकती है। इसके बाद संबंधित जमीन मालिकों से आपत्तियां और सुझाव मांगे जाएंगे। एयरोसिटी के लिए भूमि जुटाने के प्रस्ताव को जीडीए बोर्ड पहले ही मंजूरी दे चुका है। इसके साथ ही परियोजना के लिए जमीन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया का अगला चरण शुरू होगा यरोसिटी के लिए मोरटी, अटौर और मेवला अगरी गांवों की करीब 200 हेक्टेयर जमीन प्रस्तावित है। जीडीए के आकलन के मुताबिक, जमीन जुटाने पर करीब 2812 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। प्राधिकरण की योजना लैंड पूलिंग के जरिए जमीन लेने की है। इसके लिए किसानों से सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा। यदि सहमति नहीं बनती है तो जमीन लेने के लिए निर्धारित अन्य विकल्पों के तहत प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

गांव के हिसाब से जमीन की दर तय

प्राधिकरण ने जमीन की दर भी गांव के हिसाब से प्रस्तावित की है। अटौर में 14,520 रुपये प्रति वर्ग मीटर, मोरटी में 17,400 रुपये प्रति वर्ग मीटर और मेवला अगरी में 3,200 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर प्रस्तावित है। इन दरों के आधार पर परियोजना के लिए आवश्यक धनराशि का आकलन किया गया है। जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने बताया कि एयरोसिटी को आधुनिक व्यावसायिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। योजना में कॉमर्शियल हब के साथ होटल, कार्यालय और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए सुविधाएं शामिल हैं। प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को भी एयरोसिटी क्षेत्र से जोड़ा गया है। इससे राजनगर एक्सटेंशन और आसपास के गांवों में आर्थिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। वीसी के मुताबिक, अधिसूचना जारी होने के बाद जमीन मालिक अपनी आपत्ति और सुझाव नियमानुसार दे सकेंगे। इसके बाद भूमि से संबंधित प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार आगे बढ़ाई जाएगी। जीडीए की प्राथमिकता लैंड पूलिंग के माध्यम से जमीन जुटाने की है और इसके लिए किसानों की सहमति लेने का प्रयास किया जाएगा।

'22 की उम्र में गर्भवती करवा दिए', बदतमीजी करने वाले संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक पर गिरी गाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा स्थित संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय में 22 वर्षीय प्रसूता कल्पना मिश्रा और उनके नवजात बच्चे की मौत के बाद विवाद बढ़ता जा रहा है। मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अस्पताल के तत्कालीन अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा को पद से हटा दिया है। उनकी जगह सर्जरी विभाग के ॥ह्यष्ठ डॉ. प्रियंक शर्मा को स्त्ररू। का नया अधीक्षक बनाया गया है।

परिजनों से अभद्रता का वीडियो वायरल

प्रसूता और नवजात की मौत के बाद अस्पताल में परिजनों और प्रबंधन के बीच विवाद की स्थिति बनी थी।

इसी दौरान परिजनों के साथ कथित अभद्रता और बातचीत के दौरान आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे। मामला तूल पकड़ने के बाद प्रशासन ने संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक को पद से हटा दिया।

दो लाख रुपए की आर्थिक मदद का ऐलान

इस पूरे मामले का सीएम मोहन यादव ने भी संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सरकार की ओर से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की बात कही गई है

जांच के लिए 7 सदस्यीय कमेटी गठित

घटना की जांच के लिए प्रशासन ने 7 सदस्यीय जांच टीम गठित की है। कमेटी प्रसूता और नवजात को मिले उपचार, अस्पताल की व्यवस्थाओं, चिकित्सकीय लापरवाही के आरोपों और पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर यह तय होगा कि इस मामले में किसकी लापरवाही सामने आती है और आगे किन लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में अब एक और बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल पर अभी तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं हुई है। फिलहाल डीन पर कार्रवाई नहीं किए जाने को लेकर प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है। वहीं, मृतका कल्पना मिश्रा के परिजन प्रशासन की अब तक की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं।

जहांगीर महल का नाम बदलने की तैयारी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जहांगीर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सोमवार को ओरछा में थे. ओरछा में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रसिद्ध जहांगीर महल का नाम बदलकर वीर सिंह महल किए जाने के संकेत दिए हैं. सीएम ने कहा कि इस महल का निर्माण बुंदेल शासक राजा वीर सिंह ने कराया था, इसलिए इसके नाम पर भी विचार किया जाना चाहिए.द्व उनके इस बयान के बाद ओरछा की ऐतिहासिक विरासत और मुगल दौर से जुड़े नामों को लेकर चर्चा तेज हो गई है. मोहन यादव ओरछा में बीजेपी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने रामराजा सरकार

मंदिर में दर्शन किए और रामराजा लोक में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया. इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने जहांगीर महल के नाम को लेकर अपनी बात रखी.द्व जब सीएम से पूछा गया कि क्या अब जहांगीर महल को वीर सिंह महल के नाम से जाना जाएगा, तो उन्होंने इसका जवाब हां में दिया. उन्होंने कहा कि महल राजा वीर सिंह ने बनवाया था. साथ ही उन्होंने कहा कि इतिहास के कई ऐसे पहलू हैं, जिन्हें सामने लाने की जरूरत है. पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी मुख्यमंत्री के बयान का समर्थन किया. उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने महल बनवाया, उसके नाम पर ही इसका नाम होना चाहिए. उनके मुताबिक, ऐतिहासिक विरासत के साथ अतीत में हुई छेड़छाड़ को ठीक करने की जरूरत है.`तवा नदी के किनारे बसा ओरछा अपने महलों और मंदिरों के लिए मशहूर है. इतिहासकारों के मुताबिक, राजा वीर सिंह ने 1518 में अपने दोस्त जहांगीर यानी सलीम के लिए यह महल बनवाया था. हालांकि, जहांगीर यहां कभी रहने नहीं आए. जाहांगीर महल में बुंदेला और मुगल वास्तुकला का अनोखा मेल दिखाई देता है. इस महल की खास पहचान चारों कोनों पर गोल गुंबद और ऊंची छत पर बने बड़े गुंबद हैं. महल में करीब 236 कमरे हैं. वीर सिंह बुंदेला राजा मधुकर शाह के चौथे बेटे थे. इतिहासकारों के मुताबिक, वीर सिंह मुगल बादशाह अकबर का विरोध करते थे, लेकिन अकबर के बेटे सलीम से उनकी गहरी दोस्ती थी. यही दोस्ती आगे चलकर जहांगीर महल के निर्माण की वजह बनी.

ताऊ के हाथ में बंदूक देख जोश में आ गया बर्थडे बॉय छत पर जाकर की ठांय-ठांय अब हो गया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। जन्मदिन की पार्टी चल रही थी. केक काटने की तैयारी थी, लेकिन बर्थडे बॉय रोहित के हाथ में केक की जगह ताऊ की लाइसेंसी 12 बोर बंदूक आ गई. रोहित घर की छत पर चढ़ा और हवाई फायरिंग शुरू कर दी. किसी ने वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल होते हुए पुलिस तक पहुंच गया. इसके बाद पुलिस ने बर्थडे बॉय और उसके ताऊ को गिरफ्तार कर लिया. जन्मदिन था. घर में पार्टी थी. रिश्तेदार आए थे. माहौल में खुशी थी. केक कटना था, फोटो खिंचनी थी, दोस्त-बिरादरी के साथ जश्न मनाना था. लेकिन ग्वालियर के एक गांव में बर्थडे पार्टी का जश्न कुछ ऐसा बदला कि अगली सुबह तक मामला थाने पहुंच गया. केक काटने के साथ-साथ बंदूक भी निकल आई. और फिर... ठांय... ठांय... बर्थडे बॉय ने घर की छत से हवाई फायरिंग शुरू कर दी. बंदूक कोई खिलौना नहीं थी. ये ताऊ हरचरण जाटव की लाइसेंसी 12 बोर बंदूक थी.

जश्न में हुई फायरिंग का किसी ने वीडियो बना लिया. वीडियो सोशल मीडिया पर पहुंचा. वहां से पुलिस तक पहुंचा. और फिर जिस जन्मदिन की पार्टी में जश्न मनाया जा रहा था, उसी के दो लोग पुलिस की गिरफ्त में पहुंच गए. यह मामला ग्वालियर के मोहना थाना क्षेत्र के दौरार गांव का है. यहां बाबूलाल जाटव के बेटे रोहित का जन्मदिन था. घर में पार्टी रखी गई थी. रोहित के ताऊ हरचरण जाटव भी पार्टी में पहुंचे थे. और उनके साथ थी उनकी लाइसेंसी बंदूक. अब आम तौर पर जन्मदिन की पार्टी में हाथ में क्या होता है? केक... कोल्ड ड्रिंक... मोबाइल फोन से तस्वीरें... लेकिन यहां ताऊ के हाथ में बंदूक थी. पुलिस के मुताबिक, बंदूक देखकर बर्थडे बॉय रोहित भी जोश में आ गया. उसने ताऊ से बंदूक ली और घर की छत पर पहुंच गया. फिर शुरू हुई हर्ष फायरिंग. हवा में गोलियां चलाई जाने लगीं. पार्टी में मौजूद किसी शख्स ने इसी दौरान पूरा घटनाक्रम मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया. और यही वीडियो बाद में रोहित के लिए सबसे बड़ी मुसीबत बन गया. वीडियो सोशल मीडिया पर डाला गया. फिर देखते ही देखते वायरल होने लगा. वीडियो पुलिस तक पहुंचा तो मोहना थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया. पुलिस ने वीडियो के आधार पर फायरिंग करने वाले युवक की पहचान की. जांच आगे बढ़ी तो सामने आया कि फायरिंग करने वाला कोई बाहरी शख्स नहीं, बल्कि उसी घर का बर्थडे बॉय रोहित था. इसके बाद पुलिस ने रोहित और उसके ताऊ हरचरण जाटव को हिरासत में ले लिया. लाइसेंसी 12 बोर बंदूक भी जब्त कर ली गई.

कोबरा ने डसा तो क्या हुआ, उसे ही डिब्बे में बंद कर पहुंच गया डॉक्टर के पास, ग्वालियर के सपेरे ने हद कर दी

ग्वालियर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां मऊ गांव के एक सपेरे को जहरीले कोबरा ने डस लिया, लेकिन उसने जरा भी घबराहट नहीं दिखाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। बरसात के सीजन में अक्सर जहरीले जीवों के बाहर निकलने की खबरें सामने आती हैं, लेकिन मध्य प्रदेश के ग्वालियर से जो मामला आया है उसने सबको अचंभित कर दिया है। एक तरफ जहां मामूली सांप के नाम से भी लोगों की हवा टाइट हो जाती है, वहीं एक सपेरे ने मौत को सामने देखकर भी जो हिम्मत दिखाई वह वाकई अविश्वसनीय है। उसने न सिर्फ अपनी जान बचाई बल्कि जिस कोबरा ने उसे डसा था, उसे ही डिब्बे में कैद कर अस्पताल की चौखट पर जा पहुंचा। यह पूरी घटना ग्वालियर जिले के अंतर्गत आने वाले मऊ गांव की है। मिली जानकारी के अनुसार, सितावलीपुर इलाके में अचानक एक खतरनाक कोबरा सांप निकल आया था, जिससे वहां के ग्रामीणों में दहशत फैल गई। लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुरंत स्थानीय सपेरे को बुलाया गया। वह सपेरा बिना किसी देरी के मौके पर पहुंचा और उसने सांप को पकड़ने का

अभियान शुरू किया। सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़ने की प्रक्रिया के दौरान अचानक उस जहरीले कोबरा ने सपेरे के हाथ पर जोर से डस लिया। आमतौर पर ऐसा होते ही लोग घबरा जाते हैं और कई बार डर के मारे ही उनकी हालत खराब हो जाती है। लेकिन इस सपेरे ने अपने अनुभव और गजब के हौसले का परिचय दिया। उसने अपनी जान जोखिम में डालकर भी उस कोबरा को काबू किया और एक प्लास्टिक के डिब्बे में सुरक्षित बंद कर लिया। जिंदा कोबरा को हाथ में डिब्बे में लेकर जब वह सपेरा ग्वालियर के प्रसिद्ध जया आरोग्य चिकित्सालय पहुंचा, तो वहां नजारा देखने लायक था। अस्पताल के गेट पर और अंदर मौजूद मरीज तथा तीमारदार सपेरे के हाथ में डिब्बे के अंदर फन फैलाए बैठे कोबरा को देखकर सहम गए। कुछ देर के लिए अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी और भगदड़ जैसा माहौल बन गया। डॉक्टरों ने तुरंत स्थिति को संभाला और घायल सपेरे को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर उसका इलाज शुरू किया। पूछताछ के दौरान सपेरे ने बताया कि उसने सांप के डसने के बाद खुद ही अपने स्तर पर काटे गए स्थान पर चीरा लगाकर जहर बाहर निकालने का प्रयास किया था। सांप के डसने पर झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़कर तुरंत अस्पताल जाएं। मरीज को घबराने न दें और उसे शांत रखने की कोशिश करें। पीड़ित को तुरंत एंटी-वेनम इंजेक्शन लगवाना जीवन बचाता है।

'हिंदू गंगा जल और मुस्लिम कुरान की लें शपथ कि वह बिकेंगे नहीं', चुनाव लड़ने वालों को थपथ दिलाकर दें टिकट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी नियाज खान काफी चर्चित रहे हैं। रिटायरमेंट के बाद भी वह बेबाकी के साथ सोशल मीडिया पर अपनी बात रखते हैं। अब उन्होंने चुनावों में जीत के बाद पलट जाने वाले उम्मीदवारों को लेकर बड़ी मांग की है। पूर्व आईएएस अधिकारी नियाज खान ने एक्स पर लिखा है कि चुनाव लड़ने वालों से धर्म के आधार पर शपथ लेने पर ही टिकट दिया जाना चाहिए। हिंदुओं को गंगा जल और बच्चों की शपथ, मुस्लिम को कुरान और बच्चों की शपथ दिलानी चाहिए कि वे चुनाव जीतने के बाद बिकेंगे नहीं न लालच में आयेंगे। नियाज खान ने मांग की है कि शपथ लेते हुए उनका वीडियो भी रिकॉर्ड किया जाए। चुनाव में जीत के बाद अगर वह आगे चलकर पलटते हैं या बिकते हैं, उसका वीडियो रिलीज किया जाना चाहिए। ससे एक दिन पहले भी पूर्व आईएएस नियाज खान ने टिप्पणी की थी। उन्होंने एक सितंबर को एक्स पर लिखा था कि लोकतंत्र में ब्राह्मणों और क्षत्रियों के पास अहंकार के अलावा कुछ नहीं है। न वोट की ताकत है और न कोई अहमियत है। वहीं, पूर्व आईएएस अधिकारी नियाज खान लेखक भी हैं। वह अंग्रेजी में 12 नोवेल लिख चुके हैं। इनमें सबसे अधिक

चर्चा द ग्रेट ब्राह्मण पर हुई है। वह अक्टूबर 2025 में सरकारी सेवा से रिटायर हुए हैं। वह सामाजिक मुद्दों पर लगातार अपनी राय रखते रहते हैं।

गाजियाबाद में 'लव जिहाद' के आरोप में युवक की पिटाई, वीडियो सामने आने पर पुलिस ने 2 आरोपियों को हिरासत में लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। खोड़ा थाना क्षेत्र में एक युवक की पिटाई का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। वीडियो को 'लव जिहाद' के आरोप से जोड़कर पोस्ट किया गया है। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए उसमें दिखाई दे रहे कृष्णा और ऋषि को हिरासत में लिया है।

कमरे के अंदर युवकों ने की पिटाई

वायरल वीडियो की शुरुआत में एक युवक पीड़ित के बाल खींचकर उसे लगातार थप्पड़ मारता दिखाई दे रहा है। इस दौरान वह युवक को गालियां भी दे रहा है। इसके बाद वीडियो में कमरे के अंदर की तस्वीर सामने आती है, जहां दो युवक पीड़ित के हाथ-पैर पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान दो अन्य युवक उस पर बेरहमी से डंडे बरसाते नजर आ रहे हैं। इसी वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया, जिसके बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि 1 सितंबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें दावा किया गया कि खोड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले कृष्णा ठाकुर द्वारा एक अन्य लड़के के साथ मारपीट की जा रही है। पुलिस ने वीडियो का तत्काल संज्ञान में लेते हुए वीडियो में दिख रहे कृष्णा और ऋषि को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। एसीपी मौर्य के अनुसार इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में 'KRISHNATHAKUR| लिखा हुआ था। इसी आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कुछ दिन पहले साहिबाबाद के राजेंद्र नगर से भी मारपीट का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें कुछ मुस्लिम युवक एक हिंदू लड़के की इस बात पर पिटाई करते दिखाई दिए थे कि वह हिजाब पहने अपनी मुस्लिम दोस्त के साथ घूम रहा था। वीडियो में युवक हिजाब पहने खड़ी लड़की को भी गालियां देते हुए हड़का रहे थे। उस मामले में अभी तक आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी है।

शिकारपुर से भाजपा विधायक अनिल शर्मा का निधन, लंबे समय से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुलंदशहर। शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री अनिल शर्मा का बुधवार को दिल्ली के एक अस्पताल में लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। वह पिछले काफी समय से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे और दिल्ली में उनका उपचार चल रहा था। उनके निधन की खबर मिलते ही बुलंदशहर जनपद और शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई अनिल शर्मा शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव

सुरजावली के निवासी थे और उनकी उम्र करीब 63 वर्ष थी। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा ग्राम प्रधान के रूप में शुरू की थी। वर्ष 1989 में वह अपने पैतृक गांव सुरजावली के निर्विरोध ग्राम प्रधान चुने गए थे। इसके बाद वह लगातार दूसरी बार भी ग्राम प्रधान बने। अनिल शर्मा ने वर्ष 2002 में पहली बार पहली बार बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर खुर्जा विधानसभा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा और विजयी हुए। 2007 में भी उन्हें इसी सीट से सफलता मिली। अनिल शर्मा दो बार खुर्जा व दो बार शिकारपुर से विधायक रहे। पिछली भाजपा सरकार में वन राज्यमंत्री थे।वर्ष 2002 में अनिल शर्मा बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर खुर्जा विधानसभा सीट से पहली बार विधायक चुने गए। वर्ष 2007 में उन्होंने लगातार दूसरी बार खुर्जा विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज की वर्ष 2012 में उन्होंने शिकारपुर विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी मुकेश शर्मा से उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वर्ष 2017 में अनिल शर्मा भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर शिकारपुर विधानसभा सीट से विधायक निर्वाचित हुए। योगी आदित्यनाथ सरकार के पहले कार्यकाल में उन्हें वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री की जिम्मेदारी दी गई। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने एक बार फिर शिकारपुर सीट से जीत दर्ज की और विधायक बने। विधायक के निधन पर राजनैतिक दलों ने भी सुख जताया है।

2050 तक हर साल 500 करोड़ का काम दिलाने का दावा, रक्षा विभाग का प्रोजेक्ट बता लगाया 1,000 करोड़ का चूना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। हथियार प्रोजेक्ट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर देशभर में करीब 1 हजार करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। यह पूरा खेल अमेरिकी रक्षा विभाग से जुड़े एक कथित 83000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट और 'इंडो-यूएस पैसिफिक पीस ट्रीटी' के नाम पर सालाना सैकड़ों करोड़ का काम दिलाने के नाम पर हुआ। हैदराबाद से वेंकिता वेंकट और

दिल्ली से राहुल नायर और हितेश कुमार को अरेस्ट किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि अमेरिकी रक्षा विभाग के लिए भारत में हथियार बनाने का फर्जी प्रोजेक्ट दिखाकर यह सब्ज़बाग दिखाया गया। एनबीटी के पास मौजूद वसंत विहार थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, बेंगलुरु की टेक्नोलॉजी कंपनी SRIT इंडिया लिमिटेड के डायरेक्टर डॉ. मधु नांबियार का मई 2023 के आसपास VPVV टेक्नो कंस्ट्रक्शन से संपर्क हुआ था। वसंत विहार स्थित कंपनी के ऑफिस में कई मीटिंग हुईं, जिनमें VPVV के प्रतिनिधियों ने खुद को भारत और विदेशों में बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट कराने वाली कंपनी के तौर पर पेश किया। 2050 तक हर साल 500 करोड़ के वर्क ऑर्डर दिलाने का दिया था भरोसा प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण, इंजीनियरिंग, तकनीकी सेवाएं, साइबर सिक्योरिटी, टेलिकॉम, एआई, इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी और सर्विलांस जैसे काम शामिल बताए गए। 2050 तक हर साल 500 करोड़ के वर्क ऑर्डर दिलाने का भरोसा दिया। SRIT प्रोजेक्ट टेक्नोलॉजी पार्टनर बनने के लिए राजी हो गया। सरकारी दस्तावेज और मुहरें दिखाकर भरोसे में लेकर 1.75 करोड़ की राशि बतौर अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट जमा कराई गई।

सिस्टम के 'अंधकार' में बसों पर पड़ा 'पर्दा', चलती बस में छात्रा से गैंगरेप की वारदात के बाद भी दिख रही है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के परी चौक से नोएडा आ रही छात्रा से चलती बस में गैंगरेप की वारदात ने एक बार फिर से पब्लिक ट्रांसपोर्ट में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। निर्भया कांड के बाद केंद्र और दिल्ली सरकार ने प्राइवेट बसों को लेकर गाइडलाइंस बनाई थी और इनका सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद हालात अब तक नहीं बदले हैं। एनबीटी ने सोमवार रात करीब 10 बजे लेकर रात

11 बजे तक अक्षरधाम फ्लाईओवर और मदर डेयरी वाले हाइवे की पड़ताल की। पेश है राजेश सरोहा और अभिषेक गौतम की रिपोर्ट हाइवे के पास कई लोग प्राइवेट बसों के इंतजार में खड़े नजर आ रहे थे। कई प्राइवेट बसों में न तो पर्दे लगे थे और न ही ब्लैक शीशे। यात्रियों की आवाजाही और बस के अंदर की गतिविधियां बाहर से देखी जा सकती थीं। वहीं, इसी रूट पर कुछ ऐसी बसें भी दिखाई दीं, जिनमें पर्दे लगे हुए थे। पर्दों की वजह से बस के अंदर का हिस्सा बाहर से आसानी से नजर नहीं आ रहा था। हालांकि, कुछ बसों में पर्दे लगे थे, लेकिन वह बंधे हुए थे। जिससे अंदर साफ दिख रहा था। कुछ बस कर्मचारियों के गले में आईडी कार्ड भी था। एक बस कर्मचारी से बात की गई तो उसने बताया कि घटना के बाद से सतर्कता बढ़ा दी गई है। कर्मचारी ने बताया कि बस में पर्दे तो लगे हैं, लेकिन उन्हें बांधकर रखा जाता है, लेकिन यात्री अपनी सुविधा के अनुसार पर्दे को खोलकर फैला सकते हैं। एनबीटी ने करीब एक घंटे तक पड़ताल की, इस दौरान मौके पर पुलिस की एक भी गाड़ी नजर नहीं आई और न ही कोई पुलिसकर्मी दिखा। जबकि मदर डेयरी जाने वाले हाइवे और अक्षरधाम फ्लाईओवर के पास काफी संख्या में यात्री बस का इंतजार करते हैं। इस दौरान यात्रियों में काफी संख्या में महिलाएं और छोटी बच्चियां भी होती हैं। रात के समय इस एरिया से बड़ी संख्या में दूसरों राज्यों के लिए स्लीपर बसें चलती हैं। कश्मीरी गेट बस अड्डे के फ्लाईओवर को पार करने के बाद जो नजारा देखने को मिला वह चौंकाने वाला था। करीब 20-25 मिनट के बाद यहां से दर्जनों बसें निकलीं। इक्का दुक्का बसों को छोड़कर ज्यादातर बसों की खिड़कियों पर पर्दे लगे नजर आए। इसी पॉइंट पर दिल्ली पुलिस की एक गाड़ी भी खड़ी थी। उस गाड़ी में तैनात पुलिस वाले ने बसों को तो नहीं रोका। अलबत्ता सवालिया लहजे में पूछने लगा कि इतनी रात यहां क्यों खड़े हुए हो। उन्हें बता या गया कि जैसे रात के समय आप यहां सड़क पर खड़े होकर अपनी ड्यूटी कर रहे हैं मैं भी यहां अपनी ड्यूटी कर रहा हूं। इसके बाद पुलिस वाला मुस्कुराते हुए वहां से सरकारी कार लेकर निकल गए। दिल्ली की बसों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

मौसी को भेजा मेला दिखाने, पीछे से मौसा का कत्ल! 80 लाख के सोने के लालच में सिमरन ने जिम मालिक प्रेमी संग रचा खूनी खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। रोहिणी सेक्टर 3 में बुजुर्ग राकेश खन्ना हत्याकांड में पुलिस ने सिमरन, चिराग, पारस और हिमांशु को गिरफ्तार किया है. सिमरन राकेश खन्ना के साले की बेटी है और हिमांशु उसका प्रेमी है, जो जिम का मालिक है. सिमरन ने घर का सेंट्रल लॉक खुलवाया, जिसके बाद चिराग और पारस ने हत्या को अंजाम दिया, जबकि सिमरन और हिमांशु बाहर खड़े होकर निगरानी करते रहे. राकेश खन्ना ने हाल ही में 80 लाख का फ्लैट बेचकर सोना खरीदा था, जिसे चुराने के लिए यह साजिश रची गई थी. दिल्ली के रोहिणी सेक्टर 3 में बुजुर्ग राकेश खन्ना की हत्या के मामले में पुलिस ने महज ढाई घंटे के अंदर बड़ा खुलासा कर दिया है. इस सनसनीखेज वारदात में पुलिस ने एक लड़की समेत कुल 4 लोगों को गिरफ्तार किया है. सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि राकेश खन्ना के परिवार की करीबी रिश्तेदार सिमरन ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पूरी साजिश रची थी. सिमरन का प्रेमी पेशे से एक जिम का मालिक बताया जा रहा है. घटना उस समय हुई जब राकेश खन्ना अपने घर में अकेले थे और उनकी पत्नी मार्केट गई हुई थीं. पुलिस के मुताबिक हत्यारे चोरी के इरादे से घर में घुसे थे. जब राकेश खन्ना ने विरोध किया तो बदमाशों ने उनका गला दबा दिया और चाकू से हमला कर उनकी हत्या कर दी. वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर से नकदी, मोबाइल फोन और अन्य सामान लेकर फरार हो गए थे. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज तथा आसपास के सुरागों के आधार पर जांच शुरू कर दी. अब जांच में जो खुलासा हुआ है वह हैरान करने वाला है. दरअसल राकेश खन्ना ने कुछ दिन पहले अपना एक फ्लैट बेचा था जिससे उन्हें अच्छी खासी रकम मिली थी. यह बात उनकी रिश्तेदार सिमरन को पता थी. इसी जानकारी के आधार पर सिमरन ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर लूटपाट और हत्या की पूरी योजना बनाई. इस साजिश में सिमरन का प्रेमी, जिम का एक ट्रेनर और 12वीं पास एक लड़का भी शामिल था. ये तीनों बीती रात रोहिणी पहुंचे थे. पुलिस के मुताबिक सिमरन ने पहले ही अपने मौसा राकेश खन्ना के घर की डुप्लीकेट चाभी बनवा ली थी. इसी चाभी की मदद से आरोपी घर के अंदर दाखिल हुए और राकेश खन्ना का मुंह तथा गला दबाकर उनकी हत्या कर दी. इसके बाद सभी आरोपी घर से कैश और ज्वेलरी लेकर फरार हो गए. पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है.

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ा समुद्र का जलस्तर, मुंबई और कोलकाता के लाखों लोगों पर मंडराया खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की एक रिपोर्ट ने हलचल मचा दी है। उन्होंने चेतावनी दी गई है कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता और मुंबई में रह रहे लाखों लोग बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट में ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्र का जलस्तर बढ़ने के असर को लेकर कई गंभीर चेतावनियां दी गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर और बर्फ की परतें पिघलती हैं और पानी गर्म होता है, जिससे संपत्ति, लोगों और यहां तक कि संस्कृतियों पर भी असर पड़ता है। पैसिफिक आइलैंड्स फोरम लीडर्स की 55वीं बैठक में सेक्रेटरी-जनरल अमीना मोहम्मद ने जो रिपोर्ट जारी की। उसके मुताबिक 2024 में समुद्र के जलस्तर में सालाना बढ़ोतरी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है और यह लगभग छह मिलीमीटर दर्ज की गई है। इस बैठक की मेजबानी पलाऊ कर रहा है, जो प्रशांत महासागर के द्वीपों का एक देश है। समुद्र का जलस्तर बढ़ने से इसके कई द्वीप काफी हद तक डूब सकते हैं। यह बैठक इसी गंभीर खतरे को उजागर कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एशिया के निचले डेल्टा इलाकों और भारत के कोलकाता और मुंबई व बांग्लादेश के ढाका जैसे शहरों में सबसे बड़ा असर लोगों के विस्थापन के रूप में दिख रहा है। यहां 1.4 करोड़ से अधिक लोगों के घर हमेशा के लिए पानी में डूबने का खतरा है। रिपोर्ट में इस डरावनी स्थिति के होने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है। न्यूयॉर्क में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असिस्टेंट सेक्रेटरी-जनरल नाविद हनीफ ने कहा कि समुद्र का बढ़ता जलस्तर एक चुनौती पेश करता है, क्योंकि उन

इलाकों में लोग अपना तटीय इलाका खो रहे हैं। समुद्र के बढ़ते जलस्तर का असर सिर्फ तटीय इलाकों तक ही सीमित नहीं है। नाविद हनीफ ने कहा कि कृपया समुद्र के बढ़ते जलस्तर को एक बड़ी व्यवस्थागत समस्या के तौर पर देखें, क्योंकि इसका असर सेहत, खाद्य सुरक्षा, मानवाधिकारों और संस्कृति पर पड़ेगा। आप अपनी पुश्तैनी जमीन और अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए सरकारों को इस मुद्दे को अपनी योजना बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाने के लिए बहुत व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। पिछले सप्ताह नेपाल-तिब्बत सीमा पर हिमालय से ग्लेशियर के टूटने और नीचे गिरने से पानी और कीचड़ का सुनामी जैसा सैलाब आया, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और कई इलाके बर्बाद हो गए। दक्षिण एशिया पर ग्लेशियरों के पिघलने या नीचे गिरने के असर के बारे में पूछे जाने पर हनीफ ने कहा कि हिमालय के ग्लेशियरों को 'तीसरा ध्रुव' माना जाता है। नाविद हनीफ ने कहा कि हमारे पास उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव हैं और दक्षिण एशिया में दुनिया के ग्लेशियरों का बड़ा जमावड़ा होने के कारण इसे 'तीसरा ध्रुव' माना जाता है। अगले 15 से 20 सालों में दक्षिण एशिया के लिए ग्लेशियरों के पिघलने से बाढ़ का खतरा है।

65 साल के पिता को बेटों ने सड़क पर गिराकर पीटा बेरहमी से बरसाए डंडे, घटना का Video वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदापुर। महाराष्ट्र के इंदापुर शहर से एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां जमीन के विवाद में दो बेटों ने अपने 65 साल के पिता के साथ सड़क पर मारपीट कर दी. बुजुर्ग पिता सड़क पर थे और उनके दोनों बेटे उनसे जमीन बेचने को लेकर सवाल कर रहे थे. इसी दौरान विवाद बढ़ा और दोनों ने पिता को पीटना शुरू कर दिया. घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है सोचिए, सड़क पर लोगों की आवाजाही हो रही हो और अचानक एक बुजुर्ग को दो लोग घेर लें. दोनों उनसे सवाल कर रहे हों और देखते ही देखते बात हाथापाई तक पहुंच जाए. इससे भी ज्यादा हैरानी तब हो, जब बुजुर्ग को पीटने वाले कोई और नहीं, बल्कि उनके अपने बेटे हों. महाराष्ट्र के इंदापुर शहर से ऐसा ही एक मामला सामने आया है. यहां जमीन के विवाद को लेकर दो बेटों ने अपने 65 साल के पिता के साथ कथित तौर पर सड़क के बीच मारपीट कर दी. घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. मामला इंदापुर शहर में सलीम लॉन्स के पास का है. यहां 65 साल के तुकाराम राउत के साथ उनके दोनों बेटों संजय तुकाराम राउत और राजेंद्र तुकाराम राउत ने मारपीट कर दी. विवाद जमीन को लेकर शुरू हुआ था. जिस जमीन को लेकर झगड़ा हुआ, वह तुकाराम राउत की पत्नी अंजना राउत के नाम पर दर्ज थी. बेटों को इस बात पर आपत्ति थी कि उनके पिता ने यह जमीन क्यों बेच दी. इसी सवाल को लेकर पिता और बेटों के बीच विवाद हुआ. आरोप है कि बात बढ़ने पर दोनों बेटों ने अपने 65 वर्षीय पिता को सड़क पर ही घेर लिया. इसके बाद उनके साथ मारपीट की गई बुजुर्ग पिता पर बेटों ने लकड़ी के डंडे से हमला किया. घटना के दौरान वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरा मामला कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया. अब यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में बुजुर्ग के साथ सड़क पर मारपीट होती दिखाई दे रही है. घटना के बाद तुकाराम राउत ने इंदापुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई. उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों बेटों संजय तुकाराम राउत और राजेंद्र तुकाराम राउत के खिलाफ

मामला दर्ज कर लिया है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है. जमीन की बिक्री, उसके मालिकाना हक और विवाद की पूरी वजह को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है. पुलिस वायरल वीडियो और शिकायत के आधार पर भी मामले की पड़ताल कर रही है.

ईस्ट दिल्ली के स्कूल में 7वीं क्लास में पढ़ने वाली छात्रा की मौत का मामला; छोटी बहन डरी, स्कूल जाना छोड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ईस्ट दिल्ली स्थित एक सरकारी स्कूल में 7वीं में पढ़ने वाली 10 वर्षीय छात्रा की मौत के बाद डर के कारण अब छोटी बहन भी स्कूल जाने से डर रही है। परिवार का आरोप है कि छोटी बहन को स्कूल वाले धमकी देते हैं कि कुछ भी घर वालों को बताया तो उसका नाम भी स्कूल से काट देंगे। परिवार का कहना है कि छात्रा की मौत और स्कूल से धमकी मिलने के बाद छोटी बहन इतनी डर

गई है कि उसे स्कूल के नाम से ही डर लग रहा है। वह स्कूल नहीं जा रही है। बस बहन को याद कर रोती रहती है। वह इसी स्कूल में 5वीं में पढ़ती है। मंगलवार को पीड़ित परिवार ने कल्याणपुरी थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने भरोसा दिया है कि वे स्कूल में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालेंगे और पूछताछ की जाएगी। कोई दोषी पाया गया तो कार्रवाई की जाएगी। छात्रा के परिवार वालों का आरोप है कि 22 जुलाई को जब वह बेहोश होकर गिर गई थी, तब स्कूल वालों ने फोन करके बताया कि छात्रा की तबियत खराब है। दादा-दादी स्कूल पहुंचे तो छात्रा को अस्पताल भेजने के बदले बुजुर्ग दादा-दादी से दो पेपर पर साइन कराते रहे। साइन कराने के बाद भी स्कूल वालों ने छात्रा को अस्पताल नहीं भेजा। छात्रा को उसके दादा लेकर घर आए। इसके बाद छात्रा को पहले लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल लेकर पहुंचे। फिर वहां से इहबास अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान 27 अगस्त को छात्रा की मौत हो गई।

स्कूलों में चाइल्ड सेफ्टी पर सवाल

पिछले कुछ दिनों में स्कूलों में बच्चों के साथ हैरेसमेंट के मामले तेजी से सामने आए हैं। बच्चों की सुरक्षा को लेकर नियम और गाइडलाइंस कम नहीं हैं, लेकिन इन मामलों ने इनके जमीनी स्तर पर अमल पर सवाल खड़े किए हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, स्कूलों में तीन स्तरों पर व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत है। पहला, हर कर्मचारी की स्क्रीनिंग और नियमित ट्रेनिंग। दूसरा, बच्चे के लिए स्वतंत्र और भरोसेमंद ग्रीवांस सिस्टम। तीसरा, शिकायत मिलने पर स्कूल मैनेजमेंट के स्तर पर मामला दबाने की कोई गुंजाइश न हो। दिल्ली सरकार ने इसी साल जुलाई के आखिर तक राजधानी के सभी 5,633 स्कूलों में चाइल्ड प्रोटेक्शन कमेटी बनाने, सभी स्टाफ को POCSO की ट्रेनिंग देने और स्कूलों में सुरक्षा चेकलिस्ट भी लागू करने की बात कही थी। ऑल इंडिया पैरेंट्स असोसिएशन के अशोक अग्रवाल कहते हैं, देश में अगर टीचर्स की स्क्रीनिंग की जाए, तो शायद 50' अनफिट हैं।

महाराष्ट्र में हिंदी को झटका, फडणवीस सरकार ने खत्म किया 50 साल पुराना नियम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान जरूरी के मुद्दे पर शांति के बाद सरकार ने हिंदी भाषा पर बड़ा यू-टर्न लिया है। राज्य सरकार ने सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आयोजित की जाने वाली हिंदी भाषा परीक्षा को पूरी तरह खत्म करने का आदेश जारी किया है। इस फैसले के साथ ही करीब 50 साल पुराने उस नियम पर भी विराम लग गया है, जिसके तहत कुछ कर्मचारियों के लिए हिंदी परीक्षा पास करना जरूरी था। गौरतलब हो कि पिछले हफ्ते मराठी भाषा अनिवार्य करने के विवाद को फडणवीस ने एक साल का एक्सटेंशन देकर शांत किया था। महाराष्ट्र के परिवहन विभाग ने मुंबई समेत पूरे राज्य में ऑटो और ट्रैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य किया है। अब साल ने उन्हें मराठी सीखने के लिए एक साल का वक्त दिया है। महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले के बाद अब अधिकारियों और कर्मचारियों को नौकरी में वेतन वृद्धि या प्रमोशन के लिए हिंदी भाषा की परीक्षा पास करने की बाध्यता नहीं रहेगी, लेकिन सवाल यह है कि आखिर सरकार को यह फैसला क्यों लेना पड़ा और इसके पीछे किसका दबाव

था? मामला जून 2026 में उस वक्त सामने आया, जब भाषा संचालनालय की ओर से सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिंदी भाषा परीक्षा आयोजित करने की घोषणा की गई। इसमें परीक्षा की तारीख 28 जून तय की गई थी। यह घोषणा होते ही महाराष्ट्र में इसका विरोध शुरू हो गया था। राजनीतिक दलों के साथ-साथ कई मराठी भाषा से जुड़े संगठनों ने भी सरकार के फैसले पर सवाल उठाए थे। राज ठाकरे की मनसे ने हिंदी परीक्षा का सबसे मुखर विरोध किया था। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने इसे केंद्र के इशारे पर हिंदी थोपने की कोशिश बताया था। मनसे ने चेतावनी दी थी कि अगर 28 जून को परीक्षा कराई गई तो उसके कार्यकर्ता परीक्षा केंद्रों पर प्रदर्शन करेंगे। मनसे ने यह भी कहा था कि इसके बाद कानून-व्यवस्था की कोई स्थिति बनती है तो उसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। इतना ही नहीं इस मुद्दे पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा था। पार्टी की ओर से सवाल उठाया गया कि जब मराठी को हाल ही में शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला है, तो महाराष्ट्र के कर्मचारियों पर हिंदी परीक्षा पास करने की जिम्मेदारी क्यों डाली जा रही है?

मराठी-अंग्रेजी में होता है काम

शिवसेना यूबीटी ने यह सवाल भी उठाया कि क्या गुजरात या पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में सरकारी कर्मचारियों के लिए हिंदी परीक्षा अनिवार्य है? अब सरकार ने 1976 से चली आ रही हिंदी परीक्षा की व्यवस्था को करीब पांच दशक बाद पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। सरकार का तर्क है कि महाराष्ट्र के भीतर प्रशासनिक कामकाज की भाषा मराठी है, जबकि दूसरे राज्यों के साथ आधिकारिक पत्राचार अंग्रेजी में किया जाता है। ऐसे में सरकारी कर्मचारियों पर अलग से हिंदी परीक्षा थोपने का कोई औचित्य नहीं बचता है। सरकार के इस फैसले ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर भाषा और मराठी अस्मिता के मुद्दे को केंद्र में ला दिया है। सरकार ने इस फैसले को 7 मई 2026 से प्रभावी किया है। महाराष्ट्र में पहले भी हिंदी का विरोध हो चुका है।

6 बेटियों की मां ने अस्पताल से 3 साल के बच्चे को चुराया, पुलिस ने बिछाया जाल; बिहार से हुई गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के ललस हॉस्पिटल से गायब हुए तीन साल के बच्चे को 1,000 किलोमीटर से ज्यादा की पुलिस खोजबीन के बाद बिहार के मुंगेर से सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पुलिस ने अपहरण में शामिल महिला का पता बिहार में उसके गांव में लगाया और जांच में शामिल होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, महिला ने बच्चे की चोरी के पीछे की वजह भी बताई।

पुलिस ने CCTV समेत अन्य टेक्निकल मदद ली

पुलिस ने ललस हॉस्पिटल से बिहार तक बच्चे की आवाजाही का पता लगाने के लिए CCTV फुटेज, टेक्निकल सर्विलांस और स्थानीय खुफिया जानकारी का इस्तेमाल किया। एक खास टीम ने दिल्ली और बिहार में बच्चे का पीछा किया और उसे सुरक्षित बरामद किया। बाद में बच्चे को दिल्ली वापस लाया गया और उसके परिवार से मिलाया गया। 27 अगस्त को पुलिस को एक बच्चे के लापता होने और उसके अपहरण के बारे में कॉल मिली। शिकायत करने वाली महिला ने बताया कि वह दवा लेने के लिए ललस अस्पताल गई थी, जबकि उसका तीन साल का बेटा पास ही खेल रहा था। बच्चा लापता हो गया और आस-पास के इलाके में तलाश करने के बावजूद परिवार उसे ढूंढ नहीं पाया, जिसके बाद उन्होंने PCR को कॉल किया।

फुटेज में अनजान महिला बच्चे को हॉस्पिटल से बाहर ले जाती हुई दिखीं

जांच के दौरान, पुलिस ने ललस हॉस्पिटल और आस-पास के इलाकों के CCTV फुटेज की बारीकी से जांच की। फुटेज में एक अनजान महिला बच्चे को हॉस्पिटल से बाहर ले जाती हुई दिखी। पुलिस ने CCTV कैमरों के ज़रिए उसके बाद की गतिविधियों को ट्रैक किया और पता लगाया कि वह ई-रिक्शा से मादीपुर गांव की ओर गई थी। CCTV की और जांच और स्थानीय जानकारी से पुलिस को उस महिला की पहचान करने में मदद मिली; वह 31 साल की थी और कुछ समय के लिए दिल्ली के मादीपुर में रह रही थी। स्थानीय पूछताछ से पता चला कि वह पहले ही बिहार में अपने पैतृक गांव जा चुकी थी। तकनीकी जानकारी और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीम बिहार के मुंगेर जिले में पहुंची और छापेमारी की। उसे पुलिस की सुरक्षा में ले लिया। पुलिस ने उस महिला का पता लगाकर उसे भी जांच में शामिल किया।

बेटी हुई है! 4 पीढ़ियों के बाद पैदा हुई पुत्री, परिवार ने रथ में शोभायात्रा निकालकर किया स्वागत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले के परली में दहीफले परिवार में चार पीढ़ियों और करीब 200 साल बाद बेटी का जन्म हुआ है. पांचवीं पीढ़ी में पोती के आने की खुशी में परिवार ने अस्पताल से घर तक मां और नवजात गार्गी का ढोल-नगाड़ों के साथ रथ में भव्य स्वागत किया. इस मौके पर दादा-दादी खुशी से भावुक नजर आए. कुछ खुशियां ऐसी होती हैं, जिनका इंतजार सिर्फ कुछ साल नहीं, बल्कि पीढ़ियां करती हैं. महाराष्ट्र के बीड जिले के परली में दहीफले परिवार के लिए बेटी का जन्म ऐसी ही खुशी लेकर आया. करीब 200 साल यानी चार पीढ़ियों के लंबे इंतजार के बाद परिवार में एक बेटी ने जन्म लिया. पांचवीं पीढ़ी में जब नन्ही पोती ने घर में कदम रखा तो दादा-दादी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा. अस्पताल से छुट्टी मिलते ही बच्ची और उसकी मां को फूलों से सजे रथ में बैठाकर ढोल-नगाड़ों और नाच-गाने के साथ पूरे शहर में शोभायात्रा निकाली गई. दहीफले परिवार के मुताबिक चार पीढ़ियों से उनके घर में किसी बेटी की किलकारी नहीं गूंजी थी. बेटियां परिवार में क्यों नहीं आ रही थीं, इसकी कसक कहीं न कहीं हर पीढ़ी के मन में थी. लेकिन अब नन्ही 'गार्गी' के जन्म के साथ यह इंतजार आखिरकार खत्म हो गया. मां और बेटी को रथ पर बैठाकर अस्पताल से गांजे-बांजे के साथ ले गया परिवार पोती को रथ में बैठाकर घर ले जाते वक्त दादा लिंबाजी दहीफले की आंखों में खुशी साफ दिखाई दे रही थी. उन्होंने कहा कि घर में बेटी का होना सौभाग्य की बात है. इतने वर्षों से जिस खुशी का इंतजार था, वह आज उनकी पोती के रूप में उनके घर आई है. उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी दोनों बहुओं को भी बेटियों की तरह ही प्यार और सम्मान दिया है. दादी सुरेखा दहीफले भी पोती के जन्म से इतनी खुश हुईं कि अस्पताल में ही तय कर लिया था कि बच्ची का घर में साधारण तरीके से नहीं, बल्कि गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया जाएगा. परिवार ने अपनी नन्ही बेटी का नाम 'गार्गी' रखा है.

बेटी पैदा होने पर पिता की खुशी का भी नहीं रहा ठिकाना

बेटी के पिता के लिए भी यह पल जिंदगी के सबसे खूबसूरत पलों में से एक है. उन्होंने कहा कि लोग अक्सर बेटे की चाहत रखते हैं, लेकिन बेटी के जन्म की खुशी और उसका एहसास ही अलग होता है. उन्होंने अपनी बेटी को फूल की तरह पालने और उसे खूब प्यार-दुलार देने की बात कही. खास बात यह है कि दादाजी खुद एक स्कूल

के प्रिंसिपल हैं. उन्होंने पोती के जन्म को सिर्फ पारिवारिक खुशी नहीं, बल्कि समाज के लिए एक संदेश बनाने का फैसला किया. उन्होंने कहा कि बेटी के जन्म का जश्न मनाकर वह 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' का संदेश देना चाहते हैं. सामाजिक कार्यकर्ता अनंत इंगले ने भी परिवार की इस पहल की सराहना की. उन्होंने कहा कि आज भी कई जगहों पर बेटियों के जन्म को लेकर सोच पूरी तरह नहीं बदली है. ऐसे में दहीफले परिवार ने अपनी बेटी का जिस तरह स्वागत किया, वह समाज के लिए एक खूबसूरत और प्रेरणादायक मिसाल है. करीब 200 साल बाद आई इस नन्ही मेहमान ने सिर्फ दहीफले परिवार की चार पीढ़ियों का इंतजार खत्म नहीं किया, बल्कि पूरे परिवार को एक ऐसी खुशी दे दी, जिसे वे शायद जिंदगी भर नहीं भूल पाएंगे. बच्ची नहीं आती, अपने साथ ढेर सारी खुशियां भी लेकर आती है.

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सीजेपी ने वापस लिया आंदोलन, नड्डा ने किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी।
नीट परीक्षा से जुड़े मामलों को लेकर बीते महीने से आंदोलन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने आगामी 5 सितंबर को प्रस्तावित अपना राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन रद्द करने का ऐलान किया है। सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले को आंदोलन की बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि उनकी प्रमुख मांगें, जिसमें छात्रों पर दर्ज मामले वापस लेना और नीट से जुड़े आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को आर्थिक सहायता देना शामिल था, पर अब फैसला आ गया है। इस घोषणा के साथ ही दिल्ली में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आंदोलन वापसी के फैसले का स्वागत किया है।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले ही छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखकर प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने और भविष्य में उनके खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई न करने का भरोसा दिया था। उन्होंने बताया कि इस बारे में भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों की सरकारों से भी बातचीत की गई है और अब सरकार अपने उस आश्वासन को पूरा कर रही है। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने जोर दिया कि युवाओं की प्रगति और विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

दूसरी ओर, छत्रपति संभाजीनगर से सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को न्याय की बड़ी जीत बताया। उन्होंने दावा किया कि छात्र आंदोलन के दबाव के कारण ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। दीपके ने कहा कि सरकार पहले उनकी मांगों को स्वीकार नहीं कर रही थी, लेकिन अब कोर्ट के फैसले के बाद पीड़ित परिवारों और छात्रों को न्याय मिला है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दीपके ने नीट मामले से जुड़े आत्महत्या पीड़ित छात्रों के परिवारों से भी बातचीत की और उन्हें हर संभव सहारा देने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि दिल्ली में आंदोलन से जुड़े साथियों के साथ कई दौर की बैठकों के बाद सर्वसम्मति से 5 सितंबर के आंदोलन को रद्द करने का निर्णय लिया गया।

भारत ने पांचवां विमान राहत सामग्री और विशेष रेस्क्यू टीम के साथ नेपाल भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और आपदा से राहत के लिए अपना पांचवां विमान भी राहत सामग्री और विशेष रेस्क्यू टीम के साथ रवाना कर दिया है। इस मदद को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत की ओर से 5.5 टन जरूरी दवाइयां, विशेष बचाव उपकरण और 11 सदस्यों की एक विशेष रेस्क्यू टीम लेकर पांचवां विमान नेपाल के लिए रवाना हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले भारत मानवीय सहायता और आपदा राहत के तहत नेपाल को कुल चार खेप भेज चुका है, जिसमें करीब 57.5 टन से ज्यादा राहत सामग्री, जनरेटर, मेडिकल टीमें, और खोज-बचाव दल शामिल हैं। भारत सरकार एनडीआरएफ के विशेषज्ञों और जरूरी उपकरणों के साथ नेपाल में फंसे लोगों को निकालने और बुनियादी संपर्क बहाल करने में लगातार मदद कर रहा है। भारत ने 19 सदस्यों वाली 6 फोरेंसिक टीमों को काठमांडू भेजा है। ये टीमें शवों के डीएनए सैंपलिंग और उनकी पहचान करने में नेपाल के प्रशासन की मदद कर रही हैं। भारत ने 230 फीट लंबा सिंगल-लेन मॉड्यूलर स्टील ब्रिज बनाने के लिए 16 ट्रक उपकरण नेपाल पहुंचाए हैं। संपर्क मार्गों को तुरंत चालू करने के लिए 7 अतिरिक्त बेली ब्रिज और उन्हें जल्द इंस्टॉल करने के लिए तकनीकी दल भी भेजे जा रहे हैं। भारत ने विशिष्ट उपकरणों से लैस 13 सदस्यीय विशेषज्ञ सेना टीम को टनल ऑपरेशन्स के लिए भेजा।

पनवाड़ गांव से क्रेटा और बोलेरो समेत 18.88 लाख की विदेशी शराब जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। पुलिस ने छोटाउदेपुर जिले में अवैध विदेशी शराब की तस्करी पर कार्रवाई की है। LCB PI MF डामोर के निर्देश पर स्टाफ पनवाड़ थाना इलाके में गश्त पर था। उसी दौरान मिली खास जानकारी के आधार पर, रुमडिया गांव की तरफ से आ रही एक सफेद रंग की महिंद्रा बोलेरो TUV (GJ-13-AH-8681) और उसे चला रही एक काले रंग की हुंडई क्रेटा (GJ-13-CA-3302) का फिल्मी अंदाज में पीछा किया गया। आरोपी दोनों गाड़ियों को सड़क किनारे छोड़कर भागने लगे, जिसमें क्रेटा ड्राइवर राहुल रमेशभाई कंजिया (निवासी थानगढ़, जिला सुरेंद्रनगर) गिर गया और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। गाड़ियों की तलाशी लेने पर, पुलिस को बोलेरो से भारत में बनी विदेशी शराब की कुल 1,240 बोतलें (कीमत 3,78,120/-) मिलीं। पुलिस ने ?8 लाख की एक क्रेटा, 7 लाख की एक बोलेरो TUV, विदेशी शराब और मोबाइल फोन बरामद किए और कुल 18,88,120/- का सामान ज़ब्त किया और पनवाड़ पुलिस स्टेशन में केस दर्ज करके आगे की जांच कर रही है। इस जुर्म में शामिल बाकी तीन आरोपियों, जयेश उर्फ जयपालभाई पनारा, करणभाई कंजिया और रायाभाई पनारा को गिरफ्तार करने की कोशिशें जारी हैं।

स्लीपर बस में नाबालिग के साथ हुई ज़ुल्म पर बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर का गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली-NCR में एक बहुत ही शर्मनाक घटना सामने आई है, जिससे सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर खतरा मंडरा रहा है। नोएडा के परी चौक पर भारी बारिश और अंधेरे में फंसी 16 साल की मासूम लड़की को झांसा देकर स्लीपर बस में ले जाने के बाद, बस ड्राइवर और कंडक्टर ने चलती बस में उसके साथ बेरहमी से रेप किया। इस भयानक घटना की खबर मिलते ही पूरे देश में भारी गुस्सा फैल गया। बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने इस अमानवीय हरकत पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर करके अपना गहरा गुस्सा जाहिर किया है और देश में महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवालिया निशान खड़ा किया है।'हम ऐसा बार-बार कैसे होते देख सकते हैं? अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में भूमि पेडनेकर ने इस घटना पर गहरा दुख और गुस्सा जाहिर करते हुए लिखा हम ऐसी भयानक घटनाएं बार-बार होते कैसे देख सकते हैं! यह बहुत शर्म की बात है।' भूमि ने कड़ा गुस्सा जताते हुए कहा कि देश में हर दिन महिलाओं की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और सुरक्षित ट्रांसपोर्ट को लेकर बड़ी-बड़ी बातें होती हैं। लेकिन, प्राइवेट बसों और पब्लिक जगहों पर ऐसे गंभीर और घिनौने अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। ऐसी घटनाएं हमारे सुरक्षा सिस्टम की नाकामी दिखाती हैं और पूरे समाज के लिए बहुत चिंता की बात हैं। बस में कोई और पैसेंजर नहीं होने का फायदा उठाते हुए, जैसे ही बस चलने लगी, कंडक्टर और ड्राइवर ने नाबालिग के साथ बेरहमी से रेप किया और धमकी दी कि अगर उसने ऐसा किया तो जान से मार देंगे। उसने विरोध किया। पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारीः दोनों आरोपी नाबालिग को दिल्ली में कश्मीरी गेट के पास फेंककर भाग गए। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने POCSO और BNS की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया, CCTV फुटेज के आधार पर बस को जब्त कर लिया और दोनों आरोपियों, ड्राइवर और कंडक्टर को हिरासत में ले लिया क्या हमारे देश की बेटियां प्राइवेट या सरकारी गाड़ियों में सफर करने के लिए भी सुरक्षित नहीं हैं? क्या सिर्फ बड़ी-बड़ी बातों और मीटिंग से अपराधियों में कानून का डर पैदा होगा? ऐसे अपराधियों को तुरंत सख्त और कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी हरकत करने से पहले हजार बार सोचे। 'पक्को गुजरात' महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के लिए निडर होकर अपनी आवाज उठाता रहेगा!

फ्लाइंग स्क्वाड वडोदरा की बड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। फ्लाइंग स्क्वाड के असिस्टेंट डायरेक्टर श्री डी. एन. पवाया के निर्देशों और गाइडेंस में, बोडेली तालुक के मोजे मोदासर में ओरसांग नदी के किनारे के इलाके में रेत और बजरी की गैर-कानूनी माइनिंग और ट्रांसपोर्टेशन के खिलाफ एक बड़ी और असरदार कार्रवाई की। मोदासर में किए गए इस ऑपरेशन में, गैर-कानूनी माइनिंग और प्लेन रेत की ट्रांसपोर्टिंग के लिए कुल 5 डंपर और 1 एक्सकेवेटर मशीन ज़ब्त की गईं। फ्लाइंग स्क्वाड टीम ने तुरंत मौके पर कार्रवाई की और कानूनी कार्रवाई के लिए सभी गाड़ियों और मशीनरी को ज़ब्त कर लिया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, इस ऑपरेशन में लगभग 2 करोड़ का सामान ज़ब्त किया गया है। इस सफल ऑपरेशन में रॉयल्टी इंस्पेक्टर श्री अंकित परमार, माइंस सुपरवाइज़र श्री हर्षद प्रजापति, सर्वेयर जय चौधरी ने अहम भूमिका निभाई। टीम की सतर्कता और तेज़ कार्रवाई के कारण, अवैध माइनिंग के खिलाफ़ असरदार कार्रवाई मुमकिन हो पाई। इमरान मिर्ज़ा

सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार: 70,500 से अधिक शिकायतें, बैंक और रेलवे शीर्ष पर

-केंद्रीय सतर्कता आयोग की हालिया रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की हालिया रिपोर्ट ने बीते साल सरकारी संस्थानों के खिलाफ भ्रष्टाचार की भयावह तस्वीर पेश की है, जिसमें 70,500 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें सबसे अधिक शिकायतें बैंकिंग और रेलवे जैसे प्रमुख क्षेत्रों से संबंधित थीं, जो इन विभागों में व्याप्त अनियमितताओं को दिखाती हैं।
रिपोर्ट के अनुसार, आयोग के मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) को कुल 70,584 शिकायतें मिली थीं। इसमें से बीते साल 31 दिसंबर तक 64,905 शिकायतों का निपटारा किया गया। हालांकि, 5,679 शिकायतें अभी भी लंबित थीं, जिसमें से 2,002 शिकायतें तीन महीने से अधिक समय से फंसी हुई हैं। सीवीओ से आमतौर पर 3 महीने के भीतर शिकायतों का निपटारा करने की अपेक्षा की जाती है, और आयोग लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करता है।
आंकड़ों के मुताबिक, बैंकों के सीवीओ को सर्वाधिक 9,933 शिकायतें मिलीं। इसमें से 9,520 का निपटारा हो गया, लेकिन 413 शिकायतें लंबित रहीं, जिसमें 52 शिकायतें 3 महीने से अधिक समय से लंबित थीं। रेलवे भी इस सूची में पीछे नहीं रहा, जहां 9,381 शिकायतें दर्ज की गईं। इसमें से 8,754 का निपटारा किया गया, जबकि 627 शिकायतें लंबित थीं, जिसमें से 10 शिकायतें तीन महीने से अधिक पुरानी थीं।
अन्य प्रमुख क्षेत्रों में आवास और शहरी मामलों से जुड़ी 6,531 शिकायतें, दिल्ली सरकार को छोड़कर स्थानीय निकायों से 4,834, कोयला क्षेत्र से 4,118, वित्त क्षेत्र से 3,107 और दिल्ली सरकार से 2,804 शिकायतें शामिल थीं। पेट्रोलियम मंत्रालय के खिलाफ 2,722, दिल्ली पुलिस के खिलाफ 2,633 और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग क्षेत्र से संबंधित 2,139 शिकायतें भी प्राप्त हुईं। रिपोर्ट में सीवीसी द्वारा आवश्यक कार्रवाई के लिए सीवीओ को भेजी गई 18,651 शिकायतों का भी उल्लेख है, जिसमें स्थानीय निकायों (4,110), बैंकों (1,749) और रेलवे (1,428) से संबंधित शिकायतें शीर्ष पर थीं। यह रिपोर्ट सरकारी विभागों में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी पर गंभीर सवाल उठाती है।

रेलवे स्टेशन तक यात्रियों की राह हो सुगम, वैकल्पिक मार्ग पर विचार का सुझाव

जुलूस एवं चल समारोह के दौरान यात्री सुविधा को लेकर यात्री विकास एवं सुझाव मंच के मारू ने रखा सकारात्मक सुझाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नागदा (निप्र)। यात्री विकास एवं सुझाव मंच ने रेलवे यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर में निकलने वाले जुलूस एवं चल समारोह के दौरान रेलवे स्टेशन तक आवागमन सुगम बनाए रखने के लिए वैकल्पिक मार्ग चिन्हित करने अथवा विकसित करने पर विचार करने का सुझाव दिया है। मंच का कहना है कि धार्मिक, सामाजिक एवं अन्य आयोजन शहर की जीवंतता और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं, वहीं इन आयोजनों के दौरान यात्रियों की सुविधा का भी ध्यान रखा जाना आवश्यक है। नागदा रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए जवाहर मार्ग एवं एम.जी. रोड प्रमुख मार्ग हैं। जब इन मार्गों से जुलूस अथवा चल समारोह गुजरता है, तो कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित होता है। ऐसे समय ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लग सकता है। इसे देखते हुए स्टेशन तक पहुंचने के लिए किसी वैकल्पिक मार्ग की संभावनाओं का अध्ययन किया जाना उपयोगी हो सकता है। मंच ने सुझाव दिया कि शासन-प्रशासन, नगर पालिका एवं रेलवे विभाग आपसी समन्वय से उपलब्ध मार्गों और संभावनाओं का व्यवहारिक अध्ययन करें। आवश्यकता के समय ऐसे मार्ग को रेलवे यात्रियों के लिए उपयोग में लाया जा सके तो आयोजन भी व्यवस्थित रूप से संपन्न होंगे और यात्रियों का आवागमन भी सुचारु बना रहेगा। मंच के परामर्शदाता पंकज मारू ने प्रशासन से अनुरोध किया कि जब भी किसी जुलूस अथवा चल समारोह की अनुमति दी जाए, तो उसके पूर्व आयोजकों के माध्यम से मार्ग परिवर्तन की जानकारी वाला फ्लेक्स तैयार करवाकर बेरिकेट्स के साथ प्रमुख स्थानों पर लगाया जाए। इससे आमजन एवं रेलवे यात्रियों को परिवर्तित मार्ग की जानकारी पहले से मिल सकेगी और वे बिना समय गंवाए वैकल्पिक मार्ग से रेलवे स्टेशन तक पहुंच सकेंगे। इससे आयोजन के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने में भी सहयोग मिलेगा। मंच का कहना है कि यह किसी व्यवस्था पर सवाल उठाने का विषय नहीं, बल्कि यात्री सुविधा को और बेहतर बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। नागदा एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन होने के कारण यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है। ऐसे में स्टेशन तक पहुंचने के लिए एक अतिरिक्त विकल्प भविष्य में शहर के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। यात्री विकास एवं सुझाव मंच के संस्थापक अध्यक्ष एवं संचालक राजेश सकलेचा, अध्यक्ष नितिन जैन, सचिव रवि चौहान, परामर्शदाता कैलाश सनोलिया एवं पंकज मारू, संयोजक चेतन यादव एवं सुनील त्रिवेदी, भवानीसिंह देवड़ा, उपाध्यक्ष सुमेरसिंह सिसोदिया, राजा कर्नावट एवं शंकर प्रजापत, कोषाध्यक्ष दीपक जैन ने कहा कि मंच का उद्देश्य यात्री सुविधाओं से जुड़े विषयों को सकारात्मक रूप से सामने लाना और बेहतर समाधान के लिए संबंधित विभागों का ध्यान आकर्षित करना है। धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन शहर की महत्वपूर्ण गतिविधियों का हिस्सा हैं और इनके साथ यात्रियों की सुविधा का संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है।उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन ने दी। नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट।

चिन्नागवुर में बुजुर्ग महिला को सीएम विजय ने पहना दिया 40 हजार का सनग्लास

मेट्टूर डैम के गेट खुलवाकर पानी छोड़ा, किसानों को धोती-साड़ियां भी बांटी

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के सीएम विजय ने मेट्टूर में कावेरी डेल्टा जिलों में सिंचाई के लिए मेट्टूर डैम के गेट खुलवाए और पानी छोड़ा। सलेम जाते समय वे चिन्नागवुर में बुजुर्ग महिला चेल्लम के घर गए। विजय ने चेल्लम से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। इसी दौरान उन्होंने अपना डियोर का सनग्लास उतारकर चेल्लम को दे दिया। इसकी कीमत करीब 40 हजार रुपए बताई जा रही है। चेल्लम ने सनग्लास पहनकर अभिवादन किया और कहा कि विजय को अचानक सामने देखकर वह हैरान रह गईं। विजय उन्हें फिल्मी हीरो जैसे लगे। विजय ने उनसे पूछा कि उन्होंने खाना खाया या नहीं। चेल्लम ने बताया कि वह उनका इंतजार कर रही थीं। विजय ने उन्हें खाना खाने को कहा और बताया कि वह खुद खाना खा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय का यह दौरा पहले से तय नहीं था। मेट्टूर से एयरपोर्ट जाते समय वे खेत के पास रुके और बुजुर्ग महिलाओं से मिले। विजय किसान पलानीसामी के पशु शेड में गए और लोगों से बातचीत की। उन्होंने चेल्लम को साड़ी और किसानों को सिल्क की धोती-साड़ियां बांटी। 15 मिनट के इस दौरे का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। उन्होंने कहा कि अगर कोई विजय को नुकसान पहुंचाएगा तो वह उनका बचाव करेंगी। चेल्लम ने अपनी निजी परेशानी नहीं बताई। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें राशन कार्ड की समस्या है और उम्र के कारण वह काम नहीं कर पाती हैं।

ओवैसी की पार्टी को उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले झटका?

-राष्ट्रीय प्रवक्ता के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली पार्टी एआईएमआईएम को एक बड़ा झटका लग सकता है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद असीम वकार के कांग्रेस में शामिल होने की खबरें सामने आ रही हैं। सूत्रों के अनुसार, वकार गुरुवार तक दिल्ली में कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं, हालांकि उन्होंने इन खबरों की न तो पुष्टि की है और न ही खंडन किया है। वकार पिछले लगभग एक दशक से ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम से जुड़े हुए हैं और उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में उनकी अच्छी पहचान है। ऐसे में, यदि वे पार्टी छोड़ते हैं, तो यह उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने और सीटें जीतने की एआईएमआईएम की कोशिशों के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।
असीम वकार का एआईएमआईएम में महत्व काफी अधिक है, खासकर उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख राज्य में जहाँ पार्टी अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही है। एक राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में, वे पार्टी के विचारों और रणनीतियों को जनता तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसी जानकारी मिली है कि वकार पिछले कुछ समय से पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई से जुड़े फैसलों को लेकर नाराजगी व्यक्त कर रहे थे। एआईएमआईएम में शामिल होने से पहले, वे लगभग 20 साल तक समाजवादी पार्टी में भी रहे थे, जिससे उत्तर प्रदेश की राजनीति में उनकी गहरी जड़ें स्पष्ट होती हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने वकार के कांग्रेस में जाने की योजना में अहम भूमिका निभाई है। असदुद्दीन ओवैसी ने अभी यह तय नहीं किया है कि एआईएमआईएम उत्तर प्रदेश में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया है कि पार्टी विधानसभा चुनाव निश्चित रूप से लड़ेगी और सीटें जीतने की पूरी कोशिश करेगी। पिछले महीने, ओवैसी ने यह दावा किया था कि पार्टी का संगठन पहले की तुलना में काफी मजबूत हुआ है और जनता में एआईएमआईएम को एक विकल्प के तौर पर देखने की सोच भी प्रबल हुई है।

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर, 400 दुकानें और 20 होटल जलमग्न

उत्तराखंड में बारिश से जुड़े हादसों में 11 की मौत, बिहार के 14 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के कई राज्यों में मानसूनी बारिश का तांडव जारी है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से 2 मीटर ऊपर बह रही है। रामघाट क्षेत्र में करीब 400 दुकानें और 20-25 होटल जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन ने तटवर्ती 36 गांवों में हाई अलर्ट जारी किया है। वहीं एक नाविक के तेज बहाव में बहने की सूचना है, जिसकी तलाश जारी है। यूपी के सहारनपुर में भारी बारिश से नदियां उफान पर हैं, जिससे कई संपर्क मार्ग और पुल डूब गए हैं। वाराणसी में गंगा के बढ़ते जलस्तर से रत्नेश्वर महादेव मंदिर का लगभग पानी में डूब गया है।
वहीं उत्तराखंड में बारिश से जुड़े हादसों में 11 लोगों की जान चली गई है। मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर नैनीताल, अल्मोड़ा और बागेश्वर जिलों में सभी स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। हल्द्वानी में गौला नदी पूरे उफान पर है। पटना सहित कई इलाकों में तेज बारिश से जलभराव की स्थिति बन गई है। मौसम विभाग ने पटना समेत राज्य के 14 जिलों के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रोहतास के मांझर कुंड झरने में फंसे दो युवकों को पानी घटने के बाद सुरक्षित निकाला गया।
झारखंड के पलामू में सोन नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वहीं, छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के सेमरिया गांव में बाढ़ के चलते ग्रामीणों को कमर तक पानी में चलकर अंतिम संस्कार के लिए जाना पड़ा। 3 सितंबर को मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश का अनुमान है। 4 सितंबर को मध्य प्रदेश में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है।
उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश की वजह से आम लोगों को जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बीते कई दिनों से प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर हो रही बारिश के चलते तमाम नदियों को जलस्तर बढ़ गई हैं। गंगा-यमुना नदियां खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। यूपी में बीते 24 घंटों में पूर्वांचल के कई जिलों में मूसलाधार बारिश देखने को मिली है। पीलीभीत में शारदा नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। वहीं बनबसा बैराज से 2 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की आशंका है। ऐसे में हालात और खराब हो सकते हैं।
वाराणसी में वरुणा नदी का जलस्तर भी बढ़ा हुआ हैं। गंगा का जलस्तर बढ़ने की वजह अब पानी तटवर्ती इलाकों में घुस गया है। तमाम घाट पानी में डूब गए हैं। कई जगहों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई हैं। प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। पानी बढ़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। मौसम विभाग ने आज भी बांदा, प्रयागराज, आगरा, मेरठ, झांसी, बरेली समेत 30 से ज्यादा जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी बारिश का दौर जारी रहेगा।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। सोना तीन हफ्तों से अधिक के निचले स्तर पर पहुँच गया है, जहाँ मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर यह लगभग 2000 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,49,904 प्रति ग्राम पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर चांदी के भाव 3,549 रुपये नीचे आकर 2,26,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गये। इस तेज गिरावट के साथ ही सोना 1.50 लाख के स्तर पर पहुंच गया।

इस गिरावट के पीछे वैश्विक आर्थिक कारक और भू-राजनीतिक तनाव प्रमुख कारण रहे हैं। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण भी कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने की आशंका गहरा गई है। इसके परिणामस्वरूप, अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की संभावना भी मजबूत हुई है, जिसका सीधा असर सोने की कीमतों पर पड़ा है। आमतौर पर महंगाई बढ़ने पर सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है, लेकिन जब ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो सोने में निवेश कम हो जाता है, क्योंकि इससे कोई ब्याज या नियमित आय प्राप्त नहीं होती।घरेलू सर्राफा बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों पर इसका असर साफ देखा गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 15,423 प्रति ग्राम, 22 कैरेट का भाव 14,319 प्रति ग्राम और 18 कैरेट का दाम 11,571 प्रति ग्राम पर आ गया है। वहीं, 22 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 1,63,108 रुपये पर दर्ज की गई। चांदी की बात करें तो, दिल्ली में यह 245 प्रति ग्राम पर आ गई है, जिसमें 5 की गिरावट है, जबकि प्रति किलोग्राम 2,45,000 रुपये पर कारोबार कर रही है, जो 5,000 की बड़ी गिरावट दर्शाता है। सिर्फ सोना-चांदी ही नहीं, बल्कि प्लैटिनम और पैलेडियम जैसी अन्य कीमती धातुओं पर भी वैश्विक स्तर पर दबाव देखा गया, जिनकी कीमतों में लगभग 1 फीसदी तक की गिरावट आई है।

कैनरा बैंक की 555 दिन की एफडी में वरिष्ठ नागरिकों को 7.10फीसदी मिल रहा उच्च ब्याज

नई दिल्ली,।

कैनरा बैंक ने अपनी 555 दिनों की विशेष एफडी योजना में आकर्षक ब्याज दरें पेश की हैं, खासकर वरिष्ठ नागरिकों के लिए। इस खास एफडी योजना में वरिष्ठ नागरिकों को सालाना 7.10फीसदी का उच्च ब्याज मिल रहा है, जिसका वार्षिक आधार पर मिलने वाला प्रतिफल लगभग 7.29फीसदी है। वहीं, सामान्य ग्राहकों को इस अवधि की एफडी पर 6.60फीसदी सालाना ब्याज दिया जा रहा है, जिसका वार्षिक प्रतिफल करीब 6.77फीसदी है। यह योजना उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो करीब डेढ़ साल की अवधि के लिए अपना पैसा निवेश करना चाहते हैं।उदाहरण के लिए यदि कोई वरिष्ठ नागरिक एक लाख रुपए की 555 दिन की एफडी कराता है, तो उसे करीब 7,100 रुपए का सालाना ब्याज प्राप्त होगा, जबकि वार्षिक प्रतिफल के आधार पर यह करीब 7,290 रुपए के बराबर होगा। सामान्य ग्राहकों के लिए समान राशि पर करीब 6,600 रुपए का सालाना ब्याज बनेगा। यह अतिरिक्त ब्याज दर वरिष्ठ नागरिकों को समान निवेश पर बेहतर रिटर्न सुनिश्चित करती है। इसके अतिरिक्त यदि कोई ग्राहक एक करोड़ रुपए से ज्यादा की बड़ी राशि जमा करना चाहता है, तो बैंक नॉन-कॉलेबल एफडी का विकल्प भी प्रदान करता है। इसमें सामान्य ग्राहकों को 6.70फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.20फीसदी तक का सालाना ब्याज मिल सकता है। नॉन-कॉलेबल एफडी में आमतौर पर समय से पहले पैसा निकालने की सुविधा नहीं होती है, जिसके कारण इसकी ब्याज दर सामान्य एफडी से थोड़ी ज्यादा होती है। इसके विपरीत, कॉलेबल एफडी में नियमों के तहत समय से पहले निकासी संभव है, हालांकि इस पर कुछ शुल्क या ब्याज कटौती लागू हो सकती है। निवेश करने से पहले बैंक की नवीनतम शर्तों और ब्याज दरों की पुष्टि करना अहम है। एफडी से होने वाली आय पर कर लागू होता है और कुछ मामलों में बैंक टीडीएस भी काट सकता है, इसलिए अपनी कर स्थिति का भी ध्यान रखना चाहिए। कैनरा बैंक की यह 555 दिन की एफडी उन निवेशकों के लिए एक मजबूत विकल्प है जो सुरक्षित निवेश, निश्चित रिटर्न और शेयर बाजार के जोखिमों से बचाव चाहते हैं।

अन्नु प्रोजेक्ट्स की लिस्टिंग इश्यू प्राइस से 27 फीसदी नीचे रहा

निवेशक को हर लॉट पर करीब 4077 रुपए का हुआ नुकसान

नई दिल्ली।

अन्नु प्रोजेक्ट्स की लिस्टिंग ने उम्मीद के उलट नतीजा दिया, क्योंकि बुधवार को इसके शेयरों की लिस्टिंग इश्यू प्राइस से 27 फीसदी नीचे हुई। इस लिहाज से आईपीओ में एक लॉट पाने वाले निवेशक को हर लॉट पर करीब 4077 रुपए का नुकसान हुआ। यानी जिन्होंने 14,949 रुपए लगाए थे वो घटकर 10,872 रुपए रह गया है।अन्नु प्रोजेक्ट्स का शेयर इश्यू प्राइस 99 रुपए के मुकाबले एनएसई पर 72 रुपए पर लिस्ट हुआ। इस तरह हर शेयर पर 27 रुपए का नुकसान हुआ। वहीं, बीएसई पर शेयर की लिस्टिंग 75 रुपए पर हुई, जो इश्यू प्राइस से 24.24 फीसदी कम है। बीएसई के लिस्टिंग भाव के हिसाब से एक लॉट की कीमत घटकर 11,325 रुपए रह गई। इस तरह निवेशक को एक लॉट पर 3,624 रुपए का नुकसान हुआ। अन्नु प्रोजेक्ट्स के आईपीओ को कुल 5.18 करोड़ शेयरों के लिए आवेदन मिले थे, जबकि कंपनी ने 1.76 करोड़ शेयर बिक्री के लिए रखे थे। इस तरह आईपीओ कुल 2.93 गुना भरा।

गैर-संस्थागत निवेशकों का हिस्सा सबसे ज्यादा 3.55 गुना भरा। खुदरा निवेशकों के लिए रखा गया हिस्सा 2.68 गुना और पात्र संस्थागत खरीदारों का हिस्सा 1.72 गुना भरा।अन्नु प्रोजेक्ट्स का 175.06 करोड़ रुपए का आईपीओ पूरी तरह नए शेयरों पर आधारित था।

इसमें प्रमोटर या मौजूदा निवेशक की तरफ से शेयर बिक्री यानी ऑफर फॉर सेल शामिल नहीं था। कंपनी ने 1.76 करोड़ नए शेयर जारी किए। आईपीओ का

प्राइस बैंड 94 से 99 रुपए प्रति शेयर था और एक लॉट में 151 शेयर रखे गए थे। आईपीओ से मिली रकम में से 115 करोड़ रुपए कंपनी की कार्यशील पूंजी की जरूरतों पर खर्च किए जाने हैं।

करीब 15.41 करोड़ से मशीन और उपकरण खरीदे जाएंगे। बची रकम का इस्तेमाल सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए किया जाएगा।बता दें साल 2003 में बनी अन्नु प्रोजेक्ट्स बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से जुड़ी कंपनी है। यह टेलीकॉम, सीवरेज, गैस पाइपलाइन और रेलवे सिग्नलिंग से जुड़े प्रोजेक्ट पर काम करती है। टेलीकॉम बिजनेस में कंपनी केबल और टावर से जुड़े बुनियादी ढांचे का सर्वे, डिजाइन और इंस्टॉलेशन करती है।

एथर एनर्जी जल्द लांच करेगी अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर कोनार्क

नई दिल्ली।

आगामी 29 अगस्त को एथर एनर्जी कंपनी बेंगलुरु में अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर कोनार्क लॉन्च करने जा रही है। कोनार्क को एथर के बिल्कुल नए ईएल प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है, जो इस प्लेटफॉर्म पर निर्मित होने वाला पहला मॉडल है। यह वाहन कंपनी के पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण विस्तार होगा, जिसका उद्देश्य व्यापक ग्राहक वर्ग तक अपनी पहुंच बनाना है। कंपनी ने इसके उत्पादन के लिए छत्रपति संभाजीनगर में एक नई निर्माण इकाई भी स्थापित की है। एथर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने इस उपलब्धि को हीरो मोटोकॉर्प के अध्यक्ष पवन मुंजाल के साथ साझा किया, जिन्होंने 2016 में शुरुआती चरण में ही इसमें निवेश किया था। कोनार्क धातु यानी मेटल बॉडी के साथ बाजार में आएगा, जिसकी बनावट मजबूत और दैनिक उपयोग के लिए अनुकूल होगी। इसका डिजाइन पारिवारिक जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिसमें हैंडलबार पर मुख्य लाइट, एक लंबी व सपाट सीट और सामान रखने के लिए समतल फुटबोर्ड जैसी सुविधाएं हैं। इसमें दो से पांच किलोवाट-घंटा क्षमता तक के बैटरी विकल्प मिल सकते हैं, जो एक बार चार्ज होने पर 100 से 150 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम होगा। लागत नियंत्रण और मजबूती के लिए इसमें एलएफपी बैटरी तकनीक का उपयोग होने की संभावना है। यह नया ईवी स्कूटर एथर की रिज्टा श्रृंखला से नीचे के वर्ग में रखा जाएगा, जिससे यह अधिक किफायती कीमत पर उपलब्ध हो सकेगा। बाजार में यह टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक, हीरो विडा और ओला एस1 जैसे स्थापित मॉडलों को सीधी टक्कर देगा।

किआ सोरेंटो की नई एसयूवी 4 सितंबर को होगी लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में किआ सोरेंटो की नई प्रमुख एसयूवी के रूप में 4 सितंबर को लॉन्च होने जा रही है। मजबूत हाइब्रिड संस्करण में 1.6 लीटर इंजन दिया जाएगा, जो 238 हॉर्सपावर की ताकत और 380 न्यूटन मीटर का अधिकतम टॉर्क पैदा करेगा। यह एसयूवी मजबूत हाइब्रिड और डीजल, दोनों इंजन विकल्पों के साथ उतारी जाएगी। वहीं, 2.0 लीटर डीजल इंजन 202 हॉर्सपावर की ताकत और 441 न्यूटन मीटर का टॉर्क देगा, जिससे यह परफॉर्मेंस के मामले में भी काफी दमदार होगी। सोरेंटो के बाहरी डिजाइन में किआ की सिग्नेचर टाइगर नोज ग्रिल प्रमुखता से दिखेगी। इसके साथ बड़े और सीधे आकार के एलईडी हेडलैंप दिए गए हैं, जिनमें वाई-आकार की एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स मिलती हैं। आगे की तरफ एलईडी फॉग लैंप और बंपर के किनारों पर वर्टिकल एयरो वेंट भी दिए गए हैं, जो इसकी स्पोर्टी अपील को बढ़ाते हैं। कंपनी ने अभी मिश्रधातु पहियों का आकार आधिकारिक तौर पर नहीं बताया है, लेकिन इसमें 19 इंच के आकर्षक पहिए मिलने की संभावना है। पीछे की तरफ चौकोर आकार के टेल-लैंप, उल्टे एल-आकार की एलईडी लाइट सिग्नेचर, एक बड़ा रूफ स्पॉयलर और दो रंगों वाला बंपर डिजाइन इसे आधुनिक और प्रीमियम लुक देता है। केबिन के अंदर भी सोरेंटो को एक आधुनिक और शानदार रूप दिया गया है। सामने की तरफ एक जुड़ा हुआ डिस्प्ले पैनल दिया गया है, जिसमें मनोरंजन प्रणाली और चालक सूचना प्रणाली के लिए दो बड़ी स्क्रीन शामिल हैं। माना जा रहा है कि दोनों स्क्रीन 12.3 इंच की होंगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 373, निफ्टी 141अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को भी गिरावट रही। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के साथ ही कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका से भी निवेशक बाजार से दूर हुए हैं। इससे भी वह टूटा है। दिनभर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 373.93 अंक गिरकर 76,570.35 पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 141.35 अंक नीचे आकर 23,914.45 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान करीब 2323 शेयरों में गिरावट रही जबकि 1827 शेयरों में बढ़त दर्ज की गयी। वहीं 191 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज करने वाले शेयरों में आयशर मोटर्स, विप्रो, बजाज ऑटो, एशियन पेंट्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) शामिल थे, जिन्होंने निवेशकों को निराश किया। इसके विपरीत, कोल इंडिया, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, अदाणी एंटरप्राइजेज और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स जैसे कुछ शेयरों ने बढ़त हासिल कर बाजार को संभालने का प्रयास किया।

बाजार पर दबाव डालने वाले प्रमुख कारकों में वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें शामिल थीं। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 1 फीसदी बढ़कर 95.4 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इसके अलावा अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा जल्द ही ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका के कारण वैश्विक बॉन्ड यील्ड ऊंचे बने हुए हैं। अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि से वैश्विक निवेशकों के लिए भारत जैसे उभरते हुए बाजार कम आकर्षक हो जाते हैं, जिससे विदेशी पूंजी का बहिर्प्रवाह बढ़ने का जोखिम रहता है। इससे भी घरेलू बाजार पर प्रभाव पड़ा है। कमजोर वैश्विक संकेतों ने भी भारतीय बाजार पर नकारात्मक असर डाला। एशियाई बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिली; दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 3 फीसदी से अधिक गिरा, जबकि जापान का निक्केई 225 इंडेक्स भी लगभग 3 फीसदी नीचे आया। चीन का शंघाई एसएसई कंपोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स भी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे, जिसने वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता को उजागर किया और भारतीय निवेशकों के बीच चिंता पैदा की। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। इसके बाद सेंसेक्स 700 अंक टूटकर 76,243 के स्तर पर पहुंच गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 23900 अंक तक गिरा। ये 230 अंकों की गिरावट के साथ ही 23,800 अंक तक नीचे आया।

टाटा मोटर्स हिस्सेदारी में सबसे ज्यादा बढ़त हासिल करने वाली कंपनी बनी

जनवरी-अगस्त 2026 में यात्री वाहन बाजार में दूसरे नंबर पर पहुंची

नई दिल्ली,।

टाटा मोटर्स बाजार हिस्सेदारी में सबसे ज्यादा बढ़त हासिल करने वाली कंपनी बन गई है। साल 2026 के शुरुआती आठ महीने में उसने यह बढ़त हासिल की। कंपनी के सामान्य ईंधन वाले पोर्टफोलियो में जबरदस्त वृद्धि ने इस बिक्री में सबसे ज्यादा योगदान किया, जबकि इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार ने भी खासा सुधार दर्ज किया गया। लिहाजा, टाटा की बाजार हिस्सेदारी 12.62 फीसदी से बढ़कर 14.29 फीसदी हो गई। छह प्रमुख विनिर्माताओं में यह सबसे ज्यादा बढ़ोतरी थी।

इस वृद्धि की वजह से टाटा जनवरी-अगस्त 2026 में यात्री वाहन बाजार में दूसरे पायदान पर पहुंच गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में वह चौथे नंबर पर थी। जनवरी-अगस्त 2025 में दूसरे पायदान वाली महिंद्रा
ऐंड महिंद्रा खिसककर तीसरे स्थान पर आ गई, जबकि ह्युंडै चौथे नंबर पर पहुंच गई।

'वाहन' के पंजीकरण आंकड़ों के मुताबिक टाटा की कंपनी ने जनवरी से अगस्त 2026 के बीच 4,94,370 यात्री वाहनों का पंजीकरण किया। यह संख्या पिछले साल इसी अवधि में पंजीकृत 3,60,245 वाहनों के मुकाबले 37.2 फीसदी ज्यादा रही। यह आंकड़ा समूचे यात्री वाहन बाजार की 21.2 फीसदी की वृद्धि से काफी बेहतर रहा, जो इसी अवधि में दर्ज 28.5 लाख से बढ़कर 34.6 वाहन लाख हो गया। यह वृद्धि केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के बल पर नहीं आई थी। ईवी को छोड़कर टाटा का पंजीकरण 3,13,789 की तुलना में करीब 30.1 फीसदी बढ़ा और 4,08,188 वाहन हो गया।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे की गिरावट के साथ ही 94.97 पर बंद हुआ, जो अपने पिछले बंद भाव 94.95 प्रति डॉलर से मामूली रूप से कमजोर था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गत दिवस शुरुआती कारोबार के दौरान भारतीय रुपये में 26 पैसे की तेजी दर्ज की गई। 95.06 के स्तर पर खुलने के बाद यह मजबूत होकर 94.96 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मुकाबले रुपये को निकट अवधि में 95.10-95.20 के आसपास मजबूत समर्थन मिलता दिख रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.06 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें तेजी आई और यह 26 पैसे की बढ़त दर्ज करते हुए 94.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपये ने सोमवार को शुरुआती नुकसान की भरपाई की और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की बढ़त के साथ 95.22 पर बंद हुआ था।

केंद्र और राज्य सरकारों ने अगस्त में 1.68 लाख करोड़ का राजस्व प्राप्त किया

सरकार ने खपत मांग बढ़ाने पिछले साल जीएसटी दरों में किया था बदलाव

नई दिल्ली,।

केंद्र और राज्य सरकारों ने अगस्त में 1.68 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध जीएसटी राजस्व प्राप्त किया। यह रकम पिछले अगस्त की तुलना में 8.3 फीसदी ज्यादा है जबकि उस दौरान कर की दर अपेक्षाकृत ज्यादा थी। सरकार ने खपत मांग को बढ़ाने के लिए पिछले साल सितंबर में जीएसटी दरों में बदलाव किया था। रिफंड से पहले का सकल जीएसटी संग्रह अगस्त में 1.99 लाख करोड़ रुपए रहा जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 14.8 फीसदी ज्यादा है।

रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में केंद्र और राज्य सरकारों ने 1.81 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध जीएसटी संग्रह अर्जित किया था। उस दौरान 29,968 करोड़ रुपए का कर रिफंड जारी किया गया था। व्यापारियों को उनके निर्यात पर लगने वाले कर का रिफंड मिलता है जबकि घरेलू आपूर्तिकर्ता अपने इस्तेमाल न किए गए कर क्रेडिट के लिए रिफंड का दावा करते हैं। अगस्त भी आयात से प्राप्त जीएसटी संग्रह की वृद्धि घरेलू कारोबार के मिले राजस्व की तुलना में ज्यादा रही। घरेलू जीएसटी राजस्व सालाना आधार पर 9.3 फीसदी बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपए रहा जबकि आयात से मिलने वाला जीएसटी राजस्व 29 फीसदी बढ़कर 62,604 करोड़ रुपए रहा। ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर ने कहा कि आयात से जुड़ी जीएसटी संग्रह में वृद्धि दर्शाती है कि कुछ क्षेत्रों में अभी भी बाहरी आपूर्ति पर निर्भरता बनी हुई है। इससे इन क्षेत्रों में ज्यादा स्थानीयकरण और आयातित वस्तुओं की जगह घरेलू उत्पाद को अपनाए जाने के लिए कुशल नीति की जरूरत का पता चलता है। अगस्त में जीएसटी रिफंड सालाना आधार पर 68 फीसदी बढ़कर 31,795 करोड़ रुपए रहा। इसमें घरेलू रिफंड करीब 73 फीसदी बढ़कर 18,490 करोड़ रहा और आयातित उत्पादों के मामले में जीएसटी रिफंड करीब 62 फीसदी बढ़कर 13,305 करोड़ रुपए रहा।

वैश्विक निवेशकों से पूंजी जुटाने की अनुमति देने की योजना पर हो रहा विचार

सेबी-आईएफएससीए ने इस योजना की रूपरेखा तैयार करने की कई बैठकें

नई दिल्ली,।

भारत की सूचीबद्ध कंपनियों को देसी एक्सचेंजों और गिफ्ट-आईएफएससी में दो जगहों पर सूचीबद्धता या डुअल-लिस्टिंग के जरिए वैश्विक निवेशकों से पूंजी जुटाने की अनुमति देने की योजना पर विचार किया जा रहा है। इस महीने सेबी और आईएफएससीए ने इस योजना की रूपरेखा तैयार करने के लिए कई बैठकें की हैं। दो साल से ज्यादा समय से चल रही इन चर्चाओं में अब प्रस्तावित ढांचे के प्रमुख तौर-तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक इसमें सूचीबद्धता, भेदिया कारोबार, पुनर्खरीद तथा अधिग्रहण से संबंधित सेबी के नियमों में जरुरी बदलाव शामिल हो सकते हैं।

इस प्रक्रिया पर चर्चा करने वाली समिति में नियामक और बाजार अवसंरचना संस्थानों (एमआईआई) के सदस्य शामिल हैं।

सूत्रों के मुताबिक कंपनियों को प्रवासी भारतीयों और अन्य वैश्विक निवेशकों से डॉलर में पूंजी जुटाने की अनुमति मिल सकती है। हालांकि घरेलू निवेशकों को गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध इन प्रतिभूतियों में खरीद-बिक्री की अनुमति नहीं दी जाएगी। अच्छी बात यह है कि चर्चा में प्रगति हुई है।

गिफ्ट-आईएफएससी के जरिए से जुटाई गई पूंजी की निगरानी पर भी विचार किया जा रहा है, जिसमें गिफ्ट सिटी में संरक्षक अहम भूमिका निभा सकते हैं। जिन अन्य पहलुओं पर विचार किया जा रहा है, उनमें गिफ्ट-आईएफएससी में न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, निवेशकों की भागीदारी का दायरा और कर संबंधी प्रभाव शामिल हैं।जेएसए एडवोकेट्स ऐंड सॉलिसिटर्स में पार्टनर ने कहा कि भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों को घरेलू ढांचे के तहत न्यूनतम 25 फीसदी सार्वजनिक शेयरधारिता बनाए रखना जरूरी है। आईएफएससी अपने लिए अलग न्यूनतम सार्वजनिक प्रस्ताव की आवश्यकताएं तय करता है।

भारत और वर्ल्ड बैंक डिजिटल और टूरिज्म हब पर एक साथ करेंगे काम

वित्त मंत्री सीतारमण ने भारत के वर्ल्ड बैंक ग्रुप के जुड़ाव का किया स्वागत

एशविले,।

भारत और वर्ल्ड बैंक ग्रुप ने का फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, टूरिज्म और प्राइवेट कैपिटल जुटाने पर ज्यादा रहेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की बैठक में एशविले में वर्ल्ड बैंक ग्रुप के अध्यक्ष अजय बंगा से मुलाकात की। बैठक के बाद जारी बयान में इसकी जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक वित्त मंत्री सीतारमण ने भारत के साथ वर्ल्ड बैंक ग्रुप के लगातार जुड़ाव का स्वागत किया। उन्होंने 1.5 अरब डॉलर के डेवलपमेंट पॉलिसी फाइनेंसिंग को तेजी से प्रोसेस करने के लिए आभार जताया।

रिपोर्ट के मुताबिक वित्त मंत्री ने आईएफसी के उस सहयोग का भी स्वागत किया, जो स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया के जरिए एमएसएमई सेक्टर को दिया गया है।

बयान में कहा गया कि यह मदद रिकॉर्ड समय में प्रोसेस की गई और इसका भारत के एमएसएमई सेक्टर पर सकारात्मक असर पड़ा है। बैठक में भारत-वर्ल्ड बैंक ग्रुप पार्टनरशिप को मजबूत करने और फाइनेंसिंग टूल्स के ज्यादा इस्तेमाल पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने भारत में मल्टीलेटरल इन्वेस्टमेंट गारंटी एजेंसी की बड़ी भूमिका पर बात की।

इस प्रस्तावित सहयोग के तहत गारंटी के व्यवस्थित इस्तेमाल और ज्यादा प्राइवेट पूंजी जुटाकर देश के कॉर्पोरेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और म्युनिसिपल बॉन्ड मार्केट को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सेक्टर-बेस्ड, प्रोग्रामेटिक अप्रोच पर भी विचार किया।

इस तरह की व्यवस्था से साझेदारी का फोकस अलग-अलग प्रोजेक्ट से हटकर बड़े सेक्टर्स के प्रोग्राम पर होगा।

चीन ने जी20 बैठक में व्यापार असंतुलन पर आम सहमति बनने से रोका

वाशिंगटन,

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने घोषणा की है कि चीन ने जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में व्यापार असंतुलन और गैर-बाजार आर्थिक नीतियों पर आम सहमति बनने से रोक दिया। उत्तरी कैरोलिना के ऐशविले में हुई दो दिवसीय बैठक के बाद बेसेंट ने बताया कि चीन ने उन प्रस्तावों पर आपत्ति जताई जो अत्यधिक बाहरी अधिशेष और निर्यात पर अत्यधिक निर्भरता पैदा करने वाली नीतियों को लक्षित कर रहे थे। बेसेंट ने कहा कि यह स्पष्ट है कि दुनिया में सबसे ज्यादा और अस्थिर करंट अकाउंट सरप्लस वाला देश यानी चीन, इस बात से असहमत था। उन्होंने बताया कि बाकी 19 सदस्य देशों, जिनमें भारत भी शामिल था, उन्होंने चेयरमैन के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें ऐसे देशों से नीतियों को हटाने की बात कही गई थी जिनका बाहरी अधिशेष बहुत ज्यादा है और वे घरेलू खपत को रोककर निर्यात पर अत्यधिक निर्भरता पैदा करती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक बयान में चेतावनी दी गई थी कि बहुत ज्यादा और लगातार असंतुलन बाजारों को बाधित कर सकते हैं, आपूर्ति श्रृंखलाओं को कमजोर कर सकते हैं और अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसमें देशों से ऐसी गैर-बाजार नीतियों और तौर-तरीकों को खत्म करने का भी आग्रह किया था जो ऐसे असंतुलन को और बढ़ाते हैं। चीन ने विशेष रूप से ऊर्जा व्यापार और होर्मुज जलडमरूमध्य, वैश्विक आर्थिक असंतुलन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की निगरानी और सरकारी ऋण पुनर्गठन से जुड़े चार हिस्सों पर आपत्ति जताई है।बेसेंट ने जोर देकर कहा कि 19 देशों के बीच बनी यह सहमति उन अर्थव्यवस्थाओं के बारे में बढ़ती अंतरराष्ट्रीय चिंता को दर्शाती है जो सब्सिडी वाले उत्पादन और निर्यात पर ज्यादा निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि गैर-बाजार-आधारित अर्थव्यवस्थाओं द्वारा सस्ते निर्यात की कभी न खत्म होने वाली बाढ़ लाना टिकाऊ नहीं है। हालांकि उन्होंने इस बात पर कोई टिप्पणी नहीं की कि क्या जी20 के अलग-अलग सदस्य देश इसके जवाब में टैरिफ या व्यापार से जुड़ी अन्य सुरक्षात्मक नीतियां लागू करेंगे। चेयरमैन के बयान में आईएमएफ से वैश्विक असंतुलन के कारणों की जांच मजबूत करने का भी आग्रह किया।

प्रकृति की गोद में बसा है

चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वाराः चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वाराः चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वाराः चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

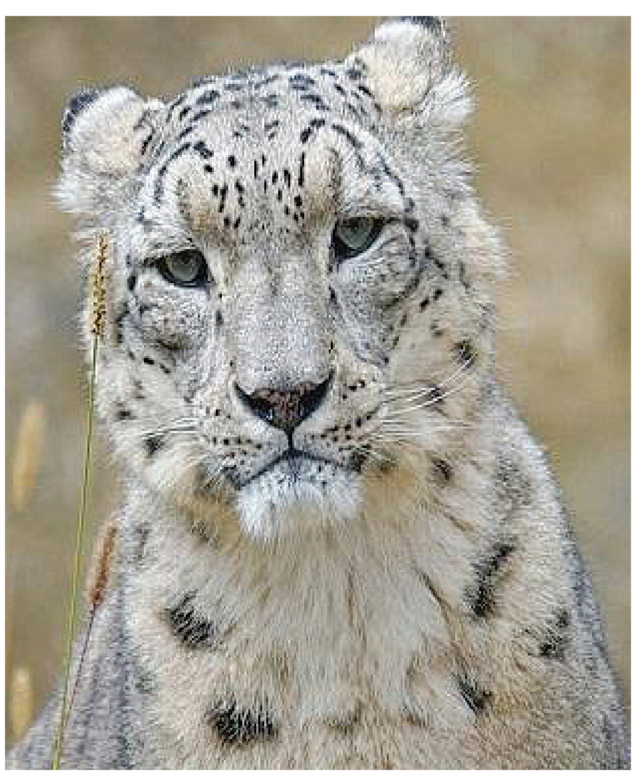

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग

वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपात

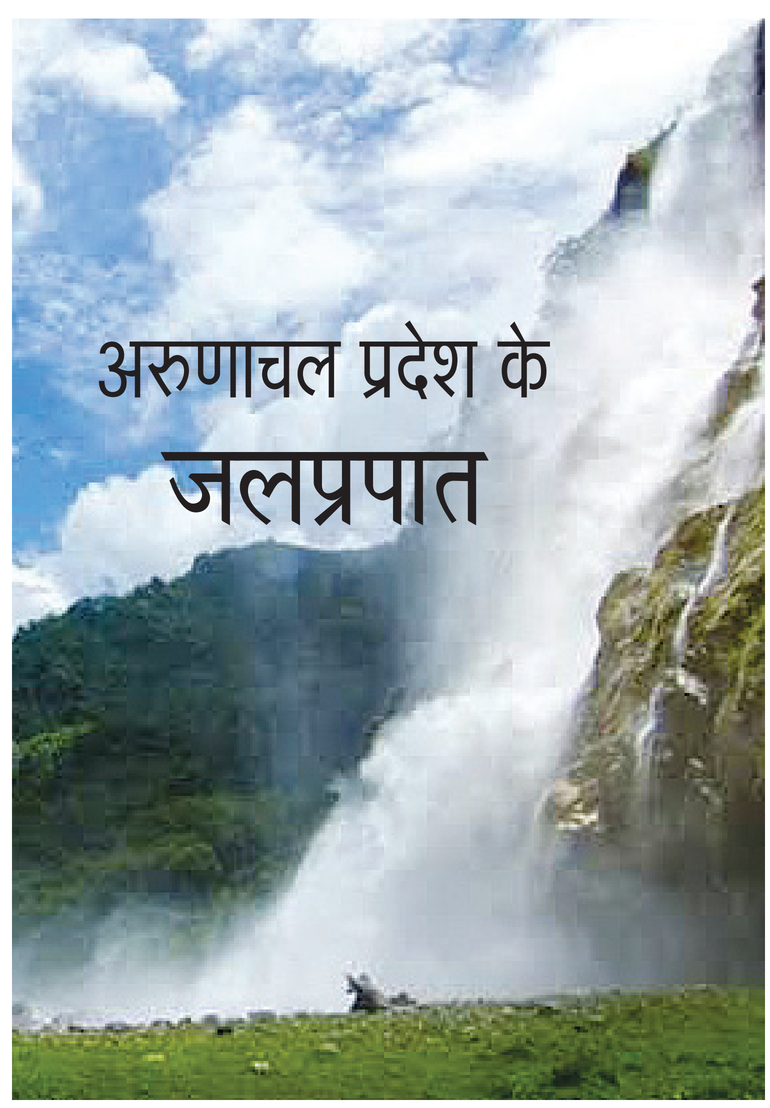

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवसिर्टी स्पॉट्र्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

ईशांत शर्माः कपिल देव के बाद टेस्ट में भारत के दूसरे सफलतम तेज गेंदबाज

पांच साल से पहले खेला आखिरी मैच

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को उनकी लंबाई और निरंतरता के साथ 150 के आस-पास की गति के साथ गेंदबाजी के लिए जाना जाता है। ईशांत टेस्ट क्रिकेट में भारत के छठे सबसे सफल गेंदबाज हैं। वहीं कपिल देव के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के दूसरे सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं। ईशांत शर्मा का जन्म 2 सितंबर 1988 को दिल्ली में हुआ था। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 2006 में दिल्ली के लिए डेब्यू किया। छह फीट चार इंच लंबे ईशांत शर्मा के पास वह सारी क्षमताएं थी, जो एक तेज गेंदबाज में होनी चाहिए। उनके पास गति के अलावा, स्विंग, और बाउंस था, जो विपक्षी बल्लेबाजों के लिए हमेशा मुश्किल खड़ी करता था। विराट कोहली, शिखर धवन, गौतम गंभीर जैसे दिग्गज क्रिकेटरों के साथ घरेलू क्रिकेट खेलने वाले ईशांत को मई 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। घरेलू क्रिकेट में पदार्पण के ठीक एक साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले ईशांत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया और जल्द ही टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में भारतीय तेज गेंदबाजी का प्रमुख चेहरा बन गए। ईशांत ने देश और विदेश दोनों जगहों पर सफलता प्राप्त की। एमएस धोनी की कप्तानी में 2013 में इंग्लैंड को हराकर आईसीसी चैंपियस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के ईशांत अहम सदस्य रहे।

शर्मा का व्यापक असर टेस्ट क्रिकेट में दिखा। विराट कोहली की कप्तानी में देश और विदेश में टेस्ट में भारतीय टीम को मिली सफलता की एक वजह ईशांत की गेंदबाजी भी रही। शर्मा भारत के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में शामिल हैं जिन्हें 100 टेस्ट खेलने की उपलब्धि हासिल हो सकी है।

38 साल के होने जा रहे ईशांत शर्मा ने भारतीय टीम के लिए 105 टेस्ट मैच, 80 वनडे और 14 टी20 मैच खेले हैं। टेस्ट मैचों में उनके 311, वनडे में 115 और टी20 में 8 विकेट दर्ज हैं। ईशांत नवंबर 2021 के बाद से भारतीय टीम के लिए नहीं खेले हैं।

ईशांत निश्चित रूप से अब भारतीय टीम की योजना में नहीं हैं, लेकिन उन्होंने अब तक संन्यास नहीं लिया है। वह आईपीएल में गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट में करारी हार के बाद पाकिस्तान का बड़ा एक्शन

इंग्लैंड दौरे से 7 खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ की छुट्टी, माइक हेसन को कमान

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 194 रनों की करारी शिकस्त और सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कड़े कदम उठाए हैं। पीसीबी ने इंग्लैंड दौरे के बीच से ही अपनी लगभग आधी टीम बदलते हुए 7 प्रमुख खिलाड़ियों को स्वदेश वापस बुलाने का फैसला किया है। इसके साथ ही मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी पद से हटा दिया गया है। टीम से बाहर किए गए 7 खिलाड़ी और उनके रिप्लेसमेंट पीसीबी के आधिकारिक बयान के अनुसार, खराब प्रदर्शन के चलते बाहर किए गए खिलाड़ियों की जगह नए खिलाड़ियों को तीसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड भेजा जा रहा है।

वापस बुलाए गए खिलाड़ी (7): मोहम्मद रिज़वान, इमाम-उल-हक़, सलमान अली आग़ा, आमिर जमाल, खुर्रम शहज़ाद, अली उस्मान और ओवैस ज़फर।

नए शामिल खिलाड़ी (7): साइम अयूब, अब्दुल्ला फ़ज़ल, अराफ़ात मिन्हास, इमरान जूनियर, साद बेग, इमरान रंधावा और रज़ाउल्लाह।

कोचिंग स्टाफ में बड़ा फेरबदल: माइक हेसन को टेस्ट की भी कमान

सरफराज और उमर गुल की छुट्टी: मुख्य कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल की छुट्टी कर दी गई है।

हेसन और नोफ्के को जिम्मेदारी: सीमित ओवरों (व्हाइट-बॉल) के मुख्य कोच माइक हेसन को अब टेस्ट (रेड-बॉल) टीम का भी मख्य कोच नियक्त किया गया है। वहीं एशले नोफ्के को टीम का नया गेंदबाजी कोच बनाया गया है।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित

हैंड्सकॉम्ब, सैम कोंस्टास को मौका

नई दिल्ली । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत ए टीम के खिलाफ होने वाली दो चार दिवसीय, और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम की घोषणा कर दी गई है। पीटर हैंड्सकॉम्ब को ऑस्ट्रेलिया ए टीम में जगह मिली है। इससे उनके टेस्ट करियर को एक और मौका मिल सकता है। टीम में ब्रेंडन डॉगेट और झाई रिचर्डसन भी हैं। ऑस्ट्रेलिया ए इस महीने के आखिर में दौरे के चार दिवसीय मैचों के लिए पुडुचेरी जाएगी, जिसके बाद तीन 50-ओवर के मैच होंगे। भारत ए के खिलाफ सीरीज बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले दौरे पर आ रहे कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास सीनियर टीम में जगह बनाने का यह मौका है। 35 साल के हैंड्सकॉम्ब चार दिन की टीम में सबसे उम्रदराज और सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के पिछले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टूर के सभी चार टेस्ट में खेलने के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है और न ही ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला है। आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलिया के भारत लौटने के साथ, यह टूर उन्हें सीनियर टीम में वापसी की दावेदारी का मजबूत मौका देता है। ऑस्ट्रेलिया सबकॉन्टिनेंटल कंडीशन के लिए अपने तेज गेंदबाजी विकल्प को देख रहा है, इसलिए डॉगेट और रिचर्डसन पर भी ध्यान देने की संभावना है। रिचर्डसन कंधे की कई बड़ी सर्जरी के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे हैं, जबकि टॉड मर्फी, सैम कॉन्स्टास और नाथन मैकस्वीनी उन नौ खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पिछले साल लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के चार-दिवसीय मैचों से लौटे हैं। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन स्पेंसर जॉनसन के साथ वन-डे टीम में हैं।'

काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लिश काउंट टीम

सरे से जुड़े औकिब नबी

फ्रेंचाइजी के लिए खेलेंगे 3 मुकाबले

नई दिल्ली। हाल ही में भारतीय टीम में चुने गए तेज गेंदबाज औकिब नबी काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लिश काउंटी टीम 'सरे' से जुड़ गए हैं, जिसके लिए 3 मैच खेलेंगे। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय घरेलू क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने टूर्नामेंट में 60 विकेट लिए और जम्मू-कश्मीर को उसका पहला खिताब जिताने में मदद की। नबी अब सरे के लिए यॉर्कशायर, ससेक्स और ग्लैमॉर्गन के खिलाफ होने वाले अगले तीन मुकाबलों में खेलेंगे। 'आईएएनएस' ने 28 अगस्त को खबर दी थी कि नबी के रविवार को सरे से जुड़ने और काउंटी चैंपियनशिप में खेलने की संभावना है। नबी सरे के लिए तीन मैच खेलेंगे, जिसकी शुरुआत 2 सितंबर को 'द ओवल' में यॉर्कशायर के खिलाफ मैच से होगी। इसके बाद क्रमशः 8 और 15 सितंबर को होव और 'द ओवल' में ससेक्स और ग्लैमॉर्गन के खिलाफ मैच होंगे।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने रविवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, सभी कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद औकिब को इंग्लैंड जाने के लिए वीजा मिल गया है। माना जा रहा है कि वह आज नई दिल्ली से इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह 2 सितंबर से शुरू होने वाले मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। इस दौरे का मुख्य मकसद भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं के लिए यह देखना भी है कि क्या नबी इंग्लैंड में गेंद को अच्छी तरह से स्विंग करा सकते हैं, क्योंकि न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें रेड कूकाबुरा गेंद के साथ अनुकूल परिस्थितियों में ऐसा करने की जरूरत होगी।'

नबी को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चोटिल जसप्रीत बुमराह के स्थान पर चुना गया था, हालांकि उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिल सका, क्योंकि भारत दोनों मुकाबलों में दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरा था।

विमेंस डीपीएल

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को हराया

नई दिल्ली । विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के खिलाफ 2 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। अब दोनों टीमें फाइनल मैच में बुधवार को फिर से आमने-सामने होंगी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 5 विकेट खोकर 126 रन बनाए।

ओपनर नजमा 2 रन पर आउट हो गईं, जबकि शिवी शर्मा 3 रन पर आउट हुईं, जिससे टीम 12/2 के स्कोर पर दबाव में आ गई। इसके बाद कप्तान आयुषी सोनी ने 55 गेंदों पर नाबाद 62 रनों की अहम पारी खेली और सात चौकों की मदद से पारी को संभाला। अर्चना ने 14 गेंदों पर 21 रन बनाकर टीम को जरूरी गति दी, जबकि समायरा राघव ने 26 गेंदों पर 32 रनों का अहम योगदान दिया, जिसमें दो चौके और एक छक्का शामिल था।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए रूपाली विश्व मोहन ने 23 रन देकर 2 विकेट लिए। इनके अलावा, मयूरी सिंह, तनिषा सिंह और एकता भड़ाना ने 1-1 विकेट निकाला। 126/5 के मामूली स्कोर का बचाव करते हुए, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने अनुशासित गेंदबाजी की और तनावपूर्ण आखिरी ओवर में संयम बनाए रखते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को 124/7 के स्कोर पर रोक दिया। भले ही साउथ दिल्ली की शुरुआत ठीक रही, लेकिन टीम के लिए कोई निर्णायक साझेदारी नहीं हुई।

प्रिया पुनिया ने 30 गेंदों पर सर्वाधिक 31 रन बनाए, जबकि तनीषा सिंह ने 24 रन और कप्तान श्वेता सहरावत ने 12 गेंदों पर 20 रन की पारी खेली।

आईसीसी रैंकिंग

विमेंस एशिया कप में ऑलराउंडर प्रदर्शन, टी20 करियर की बेस्ट रैंकिंग पर पहुंचीं अट्टापट्टू

दुबई । विमेंस एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के साथ श्रीलंकाई कप्तान चामरी अट्टापट्टू आईसीसी विमेंस टी20 प्लेयर रैंकिंग में तीनों कैटेगरी में अपने करियर की बेस्ट रेटिंग प्वाइंट्स तक पहुंच गई हैं। अट्टापट्टू ने 29 अगस्त को यूएई के खिलाफ ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 25 गेंदों में नाबाद 48 रन बनाए। बतौर गेंदबाज 3 ओवरों में 10 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। कप्तान के इस प्रदर्शन की बदौलत टीम ने 9 विकेट से शानदार जीत हासिल की। इस नतीजे से अट्टापट्टू बल्लेबाजों की रैंकिंग में 734 रेटिंग प्वाइंट्स, गेंदबाजों में 552 और ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में 405 प्वाइंट्स के साथ अपने करियर की सबसे बेहतरीन स्थिति में पहुंच गई। वह टी20 बल्लेबाजों में छठे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि गेंदबाजी सूची में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर पहुंच गई हैं और ऑल-राउंडर्स में तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। अट्टापट्टू का यह प्रदर्शन इस साल की शुरुआत में आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में उनके अच्छे प्रदर्शन के बाद आया है, जहां उन्होंने श्रीलंका के लिए 172 रन बनाए थे और तीन विकेट लिए थे। उनकी ओपनिंग पार्टनर इमेशा दुलानी ने भी लेटेस्ट अपडेट में काफी सुधार किया है। यूएई के खिलाफ 18 गेंदों पर 25 रन की पारी खेलने वाली दुलानी चार स्थान ऊपर चढ़कर 625 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ 18वीं रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। वहीं, हर्षिता समरविक्रमा बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर आ गई हैं। श्रीलंकाई गेंदबाजों को भी टूर्नामेंट के अपने शानदार ओपनिंग मैच का फायदा मिला है। मिताली अयोध्या ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे यूएई का स्कोर 79 रन तक सीमित रहा और वह 18 स्थान ऊपर चढ़कर 70वें स्थान पर पहुंच गईं; साथ ही उनके 444 प्वाइंट्स भी उनके करियर का बेस्ट स्कोर है।

वैभव, अभिमन्यु के साथ चमके मुकेश

'सेंट्रल' को 4 विकेट से हराकर फाइनल में 'ईस्ट जोन'

बेंगलुरु । ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी 2026 के 'सेमीफाइनल-1' में सेंट्रल जोन के खिलाफ मुकाबले के तीसरे दिन 4 विकेट से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। कुल 7 विकेट हासिल करने वाले मुकेश कुमार को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब फाइनल मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 6 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें ईस्ट जोन की भिड़ंत सेमीफाइनल-2 (नॉर्थ जोन बनाम साउथ जोन) की विजेता टीम से होगी। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 266 रन बनाए। इस पारी में रिंकू सिंह ने सर्वाधिक 60 रन जड़े, जबकि आर्यन जुयाल ने 46 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, यश ठाकुर ने नाबाद 30 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार (56/3) और अभिजीत सरकार ने 3-3 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद शमी और कौनेन कुरैशी ने 2-2 विकेट चटकाए। इसके जवाब में ईस्ट जोन भी अपनी पहली पारी में 266 रन ही बना सकी। सलामी जोड़ी के रूप में वैभव सूर्यवंशी ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पहले विकेट के लिए 153 गेंदों में 162 रन की साझेदारी की। वैभव 81 गेंदों में 7 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 92 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिमन्यु ने 8 चौकों के साथ 69 रन की पारी खेली। इनके अलावा सुदीप कुमार ने 25 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से हर्ष दुबे ने 4 विकेट झटके। आर्यन पांडे और यश ठाकुर को 3-3 विकेट हाथ लगे। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 97 के स्कोर तक 8 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अरशद खान ने हर्ष दुबे के साथ 9वें विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शर्मनाक स्थिति से बाहर निकालने की कोशिश की। हर्ष 3 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अरशद (25) ने यश ठाकुर (नाबाद 4) के साथ 18 रन जोड़े। इस पारी में मुकेश कुमार ने 44 रन देकर 4 विकेट निकाले। इनके अलावा, मोहम्मद शमी ने 3 शिकार किए।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

वैभव को मौका, बुमराह भी शामिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए मंगलवार को 15-सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। श्रेयस अय्यर टीम की कमान संभालेंगे, जबकि तिलक वर्मा को उप-कप्तानी सौंपी गई है। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर से भारतीय टी20 टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने पिछले मौके को बखूबी भुनाया था। इस टीम में नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा को फिटनेस के आधार पर शामिल किया गया है, लेकिन मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को मौका नहीं मिला। टीम में अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती जैसे नियमित खिलाड़ी शामिल हैं। हर्षित राणा की भी टीम में वापसी हुई है,जबकि जुलाई में जिम्बाब्वे में खेलने वाली टीम में कुछ बदलाव किए गए हैं। जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में न चुने जाने के बाद संजू सैमसन की वापसी हुई है। नियमित तेज गेंदबाजों की वापसी से गेंदबाजी विभाग में भी बदलाव हुए हैं। अर्शदीप के साथ बुमराह और हर्षित शामिल हैं। प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा और मयंक यादव, जो सभी जिम्बाब्वे दौरे पर गई टीम का हिस्सा थे, इस बार टीम में जगह नहीं बना सके। हार्दिक पांड्या को भी टीम में जगह नहीं मिली है।

भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर को वनडे सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद 15 सितंबर को दूसरा मुकाबला आयोजित होगा। सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 17 सितंबर को खेला जाना है। तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी 2026 में अपना जलवा बिखेरा है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ 92 और 40 रन की पारियां खेली थीं।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप-कप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी*, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर*, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह*, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा*।

पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन पिछले 70 सालों में सबसे खराब

ये खेल ही क्यों रहेः दानिश कनेरिया

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम एक बार फिर से अपने खराब प्रदर्शन की वजह से चर्चा में है। बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम 3 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड में है। शुरुआती 2 टेस्ट गंवाकर पाकिस्तान सीरीज में 2-0 से पीछे है। सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान टीम और मैनेजमेंट फिर से सवालों घेरे में है। पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया का कहना है कि पिछले 70 साल में उन्होंने पाकिस्तान टीम की ऐसी दुर्दशा नहीं देखी। आईएएनएस से खास बातचीत में दानिश कनेरिया पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बल्लेबाजी, गेंदबाजी, कप्तानी, टीम चयन, चयनकर्ताओं और प्रबंधन से जुड़े अन्य विषयों पर बात की और पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मौजूदा स्थिति को बेहद निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, 'पिछले 70 साल में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की स्थिति सबसे खराब है। हारना बुरा नहीं है, लेकिन पाकिस्तान टीम के किसी भी खिलाड़ी द्वारा कोई संघर्ष या फिर जूझने की क्षमता दिखाई नहीं पड़ती। यह सबसे बुरी स्थिति है।'

कनेरिया ने कहा, 'पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई तैयार नहीं है। खिलाड़ी हों या चयनकर्ता किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है।

इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद पीसीबी में 'भूचाल'

सेलेक्टर मिस्बाह-उल-हक ने इस्तीफा भेजा

नई दिल्ली । दूसरे टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद सीरीज के बीच में ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम में बड़े बदलाव किए, जिसके बाद मिस्बाह-उल-हक ने पाकिस्तान की पुरुष चयन समिति के सेलेक्टर पद से इस्तीफा देने की पेशकश कर दी है। मिस्बाह मार्च में बनी उस चार सदस्यीय चयन समिति का हिस्सा थे, जिसमें आकिब जावेद, सरफराज अहमद और असद शफीक भी शामिल हैं। हालांकि, 'क्रिकइन्फो' की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने चयन पैनल से इस्तीफा देने की पेशकश की है। पीसीबी ने अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है, लेकिन खबरों के मुताबिक मिस्बाह ने लाहौर में नेशनल क्रिकेट अकादमी में बैटिंग कंसल्टेंट के पद से भी इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ लंदन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 194 रन से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद सोमवार को पीसीबी ने टेस्ट टीम से 7 खिलाड़ियों के साथ हेड कोच और बॉलिंग कोच सरफराज खान और उमर गुल को हटाया।

पहली बार गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल की जोड़ी साथ नजर आएगी

एक्टर गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'सिंह वर्सेस कौर 2' के प्रमोशन में बिजी हैं। दिल्ली में हुए एक मीडिया मीट के दौरान दोनों ने फिल्म से जुड़े अपने एक्सपीरियंस शेयर किए और बताया कि वह फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए पहली बार गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल की जोड़ी पर्दे पर साथ नजर आएगी। फिल्म 11 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें कॉमेडी, रोमांस, इमोशन, एक्शन और ड्रामा का पूरा डोज देखने को मिलेगा।

बातचीत में गिप्पी ग्रेवाल ने फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा, ''फिल्म 'सिंह वर्सेस कौर 2' को लेकर मैं काफी एक्साइटेड हूं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। मैं और शहनाज गिल पहली बार किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। फिल्म के पहले पार्ट को दर्शकों का काफी प्यार मिला था और इसी वजह से दूसरे पार्ट से भी हमारी काफी उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिल्म में कॉमेडी, लव स्टोरी, इमोशन्स, एक्शन और ड्रामा सब कुछ देखने को मिलेगा। पंजाबी सिनेमा में इस तरह की फिल्में कम देखने को मिलती हैं, इसलिए यह फिल्म दर्शकों के लिए एक अलग एक्सपीरियंस साबित होगी।''

गिप्पी ने फिल्म के म्यूजिक को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म में कुल सात गाने हैं, जिनमें रोमांटिक से लेकर देसी और भांगड़ा नंबर तक शामिल हैं। फिल्म के दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जबकि आने वाले दिनों में एक और गाना रिलीज किया जाएगा, जिसमें बी प्राक शामिल हैं। गिप्पी ग्रेवाल ने अपने किरदार के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, ''मैं फिल्म में निहाल सिंह का किरदार निभा रहा हूं, जो एक पिंड का देसी लड़का है। उसका किसी काम में मन नहीं लगता। वह अक्सर काम से बचने के लिए बहाने बनाता है और कई बार झूठ भी बोलता है। वह उल्टे-सीधे काम करता रहता है, लेकिन कहानी आगे बढ़ने के साथ उसकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आता है। निहाल सिंह एक बड़ी जिम्मेदारी उठाने का फैसला करता है और इसी जिम्मेदारी को निभाने के दौरान उसकी जिंदगी में कई तरह की मुश्किलें आती हैं। अब वह इस जिम्मेदारी को कैसे निभाता है और इसके चक्कर में उसे किन हालातों से गुजरना पड़ता है, यही फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा है।''

शहनाज गिल ने भी आईएएनएस से बात करते हुए फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा, ''जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है कि मैं सिर्फ अच्छे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना पसंद करती हूं और 'सिंह वर्सेस कौर 2' भी मेरे लिए ऐसा ही एक शानदार प्रोजेक्ट है। फिल्म में मैं एक बंगाली लड़की का किरदार निभा रही हूं। मेरा किरदार बंगाली लड़की का क्यों है और कहानी में उसकी क्या भूमिका है, यह दर्शकों को फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा। इस किरदार को निभाना मेरे लिए आसान नहीं था, क्योंकि मैं खुद पंजाबी हूं और बंगाली भाषा बोलने में मुझे शुरुआत में काफी परेशानी हुई। हालांकि, मुझे इसके लिए ट्रेनिंग दी गई और इसी ट्रेनिंग की मदद से मैं किरदार को सही तरीके से निभा पाई।'' शहनाज ने शूटिंग के दौरान की मस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पूरी टीम ने शूटिंग के दौरान खूब मजे किए और सेट पर माहौल काफी अच्छा रहा। जब फिल्म की शूटिंग खत्म हुई तो पूरी टीम थोड़ी उदास हो गई थी। सभी को एक-दूसरे की कमी महसूस हुई थी।

अब फिल्म की बात करें तो 'सिंह वर्सेस कौर 2' को नवनीत सिंह ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल के साथ प्रिंस कंवलजीत सिंह, रघवीर बोली, हनी मट्टू, गुलजार चहल, रुपिंदर रूपी, गुरप्रीत भंगू, गुरमीत साजन और भाना ला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म को गिप्पी ग्रेवाल, रवनीत कौर ग्रेवाल, श्रीकांत मोहता और महेंद्र सोनी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी गुरप्रीत सेहजी ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले कपिल चोपड़ा और गुरप्रीत सहजी ने तैयार किया है। डायलॉग्स चंचल डाबरा और गुरप्रीत सहजी ने लिखे हैं।

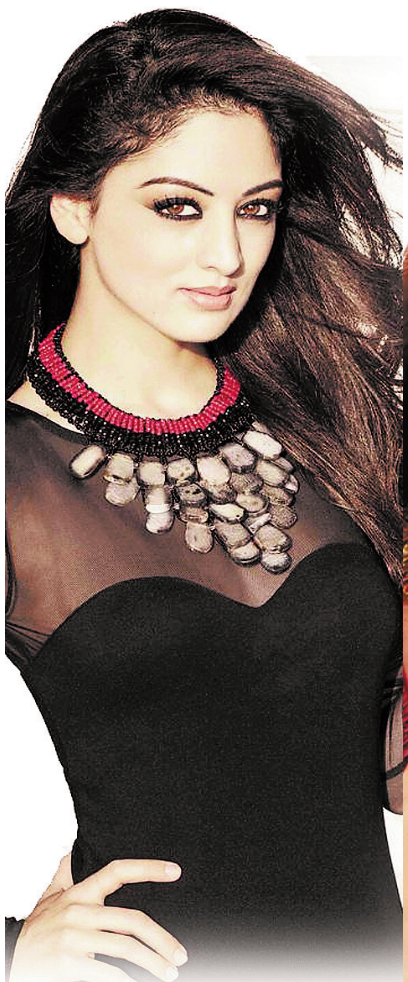

आतिश और जेडी की कॉमेडी यानी परफेक्ट शुरुआत

मुंबई अभिनेत्री संदीपा धर अपनी आगामी वेब सीरीज़ 'चुंबक' के साथ अभिनय का एक नया पहलू दर्शकों के सामने लाते हुए पहली बार कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हैं। उनका मानना है कि इस शैली में उनकी शुरुआत बिल्कुल उसी तरह के हास्य के साथ हो रही है, जिसका वह हमेशा हिस्सा बनना चाहती थीं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, 'ये बात बिल्कुल सही है कि मैंने पहले कभी आउट एंड आउट कॉमेडी नहीं की है, खासकर इस तरह की कॉमेडी तो बिल्कुल नहीं। हालांकि मैंने हमेशा से सोचा था कि अगर मुझे कॉमेडी करनी है, तो वह आतिश और जेडी जैसी कॉमेडी हो, और मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि मुझे वही मिला।'

गौरतलब है कि संदीपा धर के लिए 'चुंबक' सिर्फ एक नई शैली में काम करने का एक मौक़ा नहीं है, बल्कि यह कॉमेडी को एक अलग और ताज़े अंदाज़ में समझने और प्रस्तुत करने का मौका भी है। वह इस बात को लेकर बेहद खुश हैं कि उन्हें इस शो का हिस्सा बनने का अवसर मिला। इस सिलसिले में वे कहती हैं, 'मैं बहुत खुश हूँ कि उन्होंने मुझे 'चुंबक' का हिस्सा बनाया और निश्चित रूप से नेटफ्लिक्स का भी शुक्रिया, जिसने इस तरह के प्रोजेक्ट को अपना समर्थन दिया। पर्सनली मैं अगर आतिश और जेडी सर की बात करूं तो एक दर्शक के तौर पर मुझे उनके पिछले शोज़ बहुत पसंद आए हैं। स्पेशियलि, एक मिलेनियल होने के नाते मैं खुद भी अब कुछ ऐसा ही देखना चाहती थी। इसलिए मैं सच में बहुत खुश हूँ कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला।'

जॉम्बी रेड्डी 2 में तेजा सज्जा के साथ नजर आएंगी शनाया कपूर

साउथ सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा की बहुचर्चित फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' के सीक्वल की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने खास तौर पर एक्टर के जन्मदिन पर इस जानकारी को साझा किया है। फिल्म में तेजा के साथ एक मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस भी अपना साउथ डेब्यू करती नजर आएंगी। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' तेजा सज्जा की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की जानकारी आज तेजा सज्जा के 31वें बर्थडे पर फैंस को सरप्राइज के रूप में दी गई।

फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' में तेजा सज्जा मुख्य भूमिका में होंगे। 'जॉम्बी रेड्डी 2' की कास्ट में एक्ट्रेस शनाया कपूर भी शामिल हो चुकी हैं। इस फिल्म से शनाया, साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू करेंगी। वहीं फिल्म में अभिनेता उपेंद्र भी अहम भूमिका में होंगे।

फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' हिंदी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम, नेपाली के साथ-साथ जापानी भाषा में भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कौन हैं शनाया कपूर?

शनाया कपूर अभिनेता संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म 'तू या मैं' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव थे। बिजॉय नांबियार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया था। इससे पहले शनाया 2025 में विक्रांत मैसी के साथ 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आ चुकी हैं।

फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' का निर्देशन सुपर्ण एस वर्मा करेंगे। यह फिल्म एक हाई ओकेटेन जॉम्बी एक्शन कॉमेडी फिल्म होगी। इससे पहले सुपर्ण ने 'द फैमिली मैन', 'राणा नायडू' और 'हक' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। फिल्म की कहानी प्रशांत वर्मा ने लिखी है। इसके साथ ही फिल्म का संगीत गौरा हरि ने दिया है। टी.जी. विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया है।

फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' के बारे में तेजा सज्जा की फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म एक्शन-कॉमेडी हॉरर फिल्म थी। यह तेलुगु सिनेमा की सबसे पहली जॉम्बी बेस्ड फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन प्रशांत वर्मा ने किया था। फिल्म की कहानी एक गेम डेवलपर मारियो और उसके दोस्तों के इर्द-गिर्द बुनी गई थी।

जल्द शुरू होगी कार्तिक आर्यन की फिल्म 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग

कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। कार्तिक आर्यन के फैंस के लिए खुशखबरी है कि उनकी आने वाली फिल्म की शूटिंग जल्द शुरु होने वाली है। कार्तिक आर्यन की मच अवेटेड फिल्मों में से एक 'कैप्टन इंडिया' की तैयारियां शुरु हो गई हैं। फिल्म की शूटिंग 1 सितंबर 2026 से लंदन में शुरू होगी। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के आखिर तक पूरी कर ली जाएगी। 'कैप्टन इंडिया' का निर्देशन शिमित अमीन कर रहे हैं, जिन्हें 'चक दे! इंडिया' जैसी शानदार फिल्म के लिए जाना जाता है। उनकी फिल्मों की कहानियां आज भी दर्शकों से जुड़ती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं।

'गांधारी' के किरदार के लिए मुझे काफी मेहनत करनी पड़ी

तापसी पन्नू की फिल्म 'गांधारी' इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में छाया कदम भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। एक बातचीत के दौरान दोनों एक्ट्रेस ने अपने किरदार और उसकी तैयारी पर खुलकर बात की।

फिल्म 'गांधारी' में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए छाया कदम ने बताया कि उन्हें इस किरदार को आत्मसात करने के लिए कितनी कड़ी मेहनत करनी पड़ी। फिल्म 'गांधारी' में छाया ने बंगाली भाषी महिला का किरदार निभाया है। वह बोलीं, 'इस किरदार के लिए मुझे बंगाली सीखने का मौका मिला। मुझे यह अनुभव बेहद पसंद आया। 'इस भाषा के होने से किरदार में एक नया आयाम जुड़ गया। यह सफर मेरे लिए और भी यादगार बन गया।' अभिनेत्री तापसी पन्नू ने भी फिल्म पर काफी कुछ कहा। एक्ट्रेस ने कहा, 'गांधारी फिल्म देखते समय बानी की हार न मानने की भावना मेरे मन में हमेशा बसी रही, भले ही परिस्थितियां उसके विपरीत थीं। वहीं इस भूमिका के लिए मुझे शारीरिक रूप से काफी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन उसकी दृढ़ता, दृढ़ विश्वास और अटूट हौसला ही वह चीज थी जिसने मुझे सचमुच मंत्रमुग्ध कर दिया।'

क्या अमाल मलिक को हो रहा पछतावा?

फरहाना भट्ट से मांगी माफी

म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने फरहाना भट्ट के साथ अपनी दोस्ती को लेकर चल रही अटकलों पर बात की। बिग बॉस 19 में साथ रहने के बाद, अमाल और फरहाना ने 'यहीं गुजार दूं' नाम के एक म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। अब, म्यूजिक कंपोजर ने अपनी बिग बॉस 19 की साथी कंटेस्टेंट से अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है।

अमाल मलिक ने फरहाना भट्ट से मांगी माफी

एक्स पर अमाल मलिक ने एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने फरहाना और उनके फैनबेस के बारे में अपनी पिछली पोस्ट का जिक्र किया। बिग बॉस 19 कंटेस्टेंट ने माना कि एक्ट्रेस के बारे में उनका एक बयान सही नहीं था। उन्होंने लिखा, मैंने एक बात गलत कही थी, 'तुम्हें 100 पुरुषों के साथ जोड़ने' वाली बात बकवास थी, जो गुस्से में निकल गई थी। हां, यह तुम्हारे नाम का अनादर था। मुझे सच में अफसोस है। मैं तुम्हें हर उस बेवकूफ के लिए जिम्मेदार नहीं मानता जो तुम्हारा फैन होने का दावा करता है। फरहाना के बारे में मेरा बयान गलत, अनावश्यक और अनादरपूर्ण था। मैं उसके लिए माफी मांगता हूं। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने वह पिछली पोस्ट एक्ट्रेस के फैनबेस के एक हिस्से की तरफ से महीनों तक उकसाने, अपमानित करने, एडिट्स और धमकियों के बाद लिखी थी।

सीक्रेट रोमांस की थ्योरी को खारिज किया

अमाल ने फरहाना के साथ अपने सीक्रेट रोमांस की थ्योरीज को खारिज कर दिया। बिग बॉस 19 के कंटेस्टेंट ने बताया कि म्यूजिक वीडियो रिलीज होने के बाद से वह और अभिनेत्री एक-दूसरे से नहीं मिले हैं। हालांकि उन्होंने मिलने की योजना बनाई थी, लेकिन अपने प्रोफेशनल कामों की वजह से ऐसा कभी नहीं हो पाया।

अमाल ने प्रतिभागियों को दी बधाई

एक और ट्वीट में, उन्होंने फरहाना के लिए एक मैसेज शेयर किया। म्यूजिक कंपोजर ने उन्हें और बिग बॉस 19 के दूसरे कंटेस्टेंट्स को शुभकामनाएं दीं। हालांकि, उन्होंने बिना किसी कड़वाहट के आभार और विनम्रता के साथ अपनी दोस्ती को खत्म करने का फैसला किया। आखिर में, अमाल ने बताया कि बिग बॉस 19 से जुड़ा यह उनका आखिरी पोस्ट था। उन्होंने वादा किया कि वे जल्द ही नेटिजन्स से फिर जुड़ेंगे और शायद उनके साथ बिग बॉस का अगला सीजन भी देखेंगे।

संक्षिप्त समाचार

चीन में जन्मदर में तेज गिरावट 2025 में जन्मे 79.2 लाख बच्चे

बीजिंग, एजेंसी। चीन में आबादी बढ़ाने की कोशिशों के बावजूद जन्मदर में फिर गिरावट दर्ज की गई है। 2025 में देश में 79.2 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जबकि इस दौरान 1.13 करोड़ लोगों की मौत हुई। इसके साथ चीन की प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि दर घटकर शून्य से 2.41 प्रति हजार नीचे पहुंच गई। यह आंकड़ा 2024 में दर्ज -0.99 प्रति हजार की तुलना में कहीं अधिक नकारात्मक है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की ओर से शुक्रवार को जारी 2025 के स्वास्थ्य विकास संबंधी सांख्यिकीय बुलेटिन में यह जानकारी सामने आई।

अमेरिका में केरल की दो महिलाओं की हत्या

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में केरलम की दो महिलाओं की हत्या कर दी गई। मृतक महिलाओं की दोस्त कोट्टयम की अनिला को हत्या के शक में अमेरिकी पुलिस की हिरासत में है। तीनों महिलाएं एक ही अपार्टमेंट में रहती थीं। आरोप है कि अनिला ने एन पर चाकू से हमला किया और बाद में कार से अंजना को टक्कर मार दी। मृतकाओं की पहचान त्रिशूर के मुडिक्कोड की रहने वाली अंजना और तिरुवनंतपुरम के केशवदासपुरम की रहने वाली एन मैथ्यू के तौर पर की गई। अंजना के रिश्तेदार विनोद के मुताबिक, अंजना 2021 में अमेरिका गई थीं। उनके पति विजीश और छह साल की बेटी सदमे में हैं।

अमेरिकी सेना मंत्री डैन ड्रिस्कॉल ने 18 महीने बाद पद से दिया इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सेना मंत्री डैन ड्रिस्कॉल ने 18 महीने तक पद पर रहने के बाद इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान किसी शीर्ष सैन्य अधिकारी के पद छोड़ने का यह ताजा मामला है। उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के मित्र ड्रिस्कॉल के पद छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया गया है लेकिन रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ उनके तनाव की खबरें व्यापक रूप से सामने आती रही हैं। यह सैन्य नेतृत्व, खासकर थल सेना में लगातार हो रहे फेरबदल का ताजा मामला है 'व्हाइट हाउस' की प्रवक्ता एना केली ने एक बयान में कहा, ''मंत्री ड्रिस्कॉल ने ऐतिहासिक सैन्य अभियानों के दौरान उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान करके, सैन्य तैयारियों और मारक क्षमता पर फिर से जोर देकर, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता में मदद करके तथा अन्य कार्यों के जरिये सेना विभाग में राष्ट्रपति ट्रंप के 'अमेरिका को फिर से मजबूत बनाने' के एजेंडे को आगे बढ़ाने में बेहद प्रभावी भूमिका निभाई है।'' उन्होंने कहा, ''कमांडर-इन-चीफ और युद्ध मंत्री के साथ मिलकर किए गए उनके काम की बदौलत अमेरिकी थल सेना पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली है।'' अमेरिकी थल सेना के एक अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि ड्रिस्कॉल ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सेना की मौजूदा स्थिति पर बातचीत की और अपना इस्तीफा सौंप दिया। अधिकारी को और कोई जानकारी नहीं दी। ड्रिस्कॉल के पद छोड़ने से पहले सेना में उनके एक सहयोगी को हटाया गया था और उस ड्रोन कार्यक्रम को भी वापस लिया गया था, जिसके वह प्रमुख समर्थक थे।

बांग्लादेश में हिंदू त्योहारों की छुट्टियां रद्द: भड़के अल्पसंख्यक, जन्माष्टमी पर नहीं रहेगी पहले जैसी रौनक?

ढाका, एजेंसी। जैसे-जैसे जन्माष्टमी के साथ अन्य हिंदू त्योहारों की समय नजदीक आ रहा है, बांग्लादेश में सरकार के प्रति हिंदुओं में रोष बढ़ता ही जा रहा है। इसकी प्रमुख वजह यह है कि बांग्लादेश सरकार ने जन्माष्टमी को मिलने वाला सरकारी अवकाशरद्द कर दिया है। ढाकेश्वरी मंदिर, चट्टग्राम, सिलहट समेत कई मंदिरों में जन्माष्टमी मनाई जानी है, लेकिन इस बार यहां जन्माष्टमी को आधिकारिक छुट्टी नहीं रहेगी। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, इस वर्ष 2 जनवरी को ही बांग्लादेश में सरस्वती पूजा, जन्माष्टमी, दुर्गाष्टमी और बुद्ध पूर्णिमा की सरकारी छुट्टियां रद्द कर दी गईं। हिंदू जागृति समिति व इसकी अगुवाई में हिंदुओं ने इसका भारी विरोध किया है। हसीना के अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हिंसा के चलते ढाका, सिलहट, खुलना, कुमिला, जेसोर और मीरपुर में बड़े-बड़े जुलूस नहीं निकाले जा रहे हैं इस बार भी यहां उत्साह फीका रहेगा।

समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता और मुंबई के लाखों लोग हो सकते हैं प्रभावित : यूएन

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता और मुंबई में रह रहे लाखों लोग बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। सोमवार को जारी रिपोर्ट में ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्र का जलस्तर बढ़ने के असर को लेकर कई गंभीर चेतावनियां दी गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर और बर्फ की परतें पिघलती हैं और पानी गर्म होता है, जिससे संपत्ति, लोगों और यहां तक ??कि संस्कृतियों पर भी असर पड़ता है। पैसिफिक आइलैंड्स फोरम लीडर्स की 55वीं बैठक में सेक्रेटरी-जनरल अमीना मोहम्मद ने जो रिपोर्ट जारी की, उसके मुताबिक 2024 में समुद्र के जलस्तर में सालाना बढ़ोतरी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है और यह लगभग छह मिलीमीटर दर्ज की गई है।

इस बैठक की मेजबानी पलाऊ कर रहा है, जो प्रशांत महासागर के द्वीपों का एक देश है। समुद्र का जलस्तर बढ़ने से इसके कई द्वीप काफी हद तक डूब सकते हैं। यह बैठक इसी गंभीर खतरे को उजागर कर रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'दक्षिण एशिया के निचले डेल्टा इलाकों और भारत के कोलकाता और मुंबई व बांग्लादेश के ढाका जैसे शहरों में सबसे बड़ा असर लोगों के विस्थापन के रूप में दिख रहा है। यहां 1.4 करोड़ से अधिक लोगों के घर हमेशा के लिए पानी में डूबने का खतरा है। ' रिपोर्ट में इस डरावनी स्थिति के होने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है। न्यूयॉर्क में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असिस्टेंट सेक्रेटरी-जनरल नाविद हनीफ ने कहा कि समुद्र का बढ़ता जलस्तर एक चुनौती पेश करता है, क्योंकि उन इलाकों में लोग अपना तटीय इलाका खो रहे हैं। समुद्र के बढ़ते जलस्तर का असर सिर्फ तटीय इलाकों तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, 'कृपया समुद्र के बढ़ते जलस्तर को एक बड़ी व्यवस्थागत समस्या के तौर पर देखें, क्योंकि इसका असर सेहत, खाद्य सुरक्षा, मानवाधिकारों और संस्कृति पर पड़ेगा। आप अपनी पुश्तैनी जमीन और अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए सरकारों को इस मुद्दे को अपनी योजना बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाने के लिए बहुत व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। '

पिछले सप्ताह नेपाल-तिब्बत सीमा पर हिमालय से ग्लेशियर के टूटने और नीचे गिरने से पानी और कीचड़ का सुनामी जैसा सैलाब आया, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और कई इलाके बर्बाद हो गए। दक्षिण एशिया पर ग्लेशियरों के पिघलने या नीचे गिरने के असर के बारे में पूछे जाने पर हनीफ ने कहा कि हिमालय के ग्लेशियरों को 'तीसरा ध्रुव' माना जाता है।

उन्होंने कहा, 'हमारे पास उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव हैं और दक्षिण एशिया में दुनिया के ग्लेशियरों का बड़ा जमावड़ा होने के कारण इसे 'तीसरा ध्रुव' माना जाता है। अगले 15 से 20 सालों में दक्षिण एशिया के लिए ग्लेशियरों के पिघलने से बाढ़ का खतरा है। उन्होंने कहा कि इसके बाद सूखा पड़ सकता है, जिससे फसलें और खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो सकती है और बड़े जोखिम पैदा हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में लगभग 77 करोड़ लोग, यानी धरती पर हर दस में से लगभग एक व्यक्ति खतरे में हैं, क्योंकि वे ऐसे तटीय इलाकों में रहते हैं, जो हाई-टाइड लाइन (ज्वार-भाटा के दौरान पानी के अधिकतम स्तर की रेखा) से पांच मीटर से भी कम ऊंचे हैं और पहले से ही बड़े खतरों का सामना कर रहे हैं। अनुमान है कि दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर बढ़ने से जुड़े खतरों के कारण कम से कम 1.8 ट्रिलियन डॉलर की कीमत वाले इंफ्रास्ट्रक्चर को खतरा है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'समुद्र का जलस्तर बढ़ने से पहले ही शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर, जल प्रणालियों, परिवहन, ऊर्जा ग्रिड, इमारतों और भूजल संसाधनों को नुकसान पहुंच रहा है। इसके दूरगामी परिणाम हो रहे हैं, जो लंबे समय में मानवाधिकारों के प्रभावी उपभोग के लिए खतरा पैदा करते हैं। '

रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि समुद्र का जलस्तर बढ़ने का खतरा सबसे अधिक द्वीपीय देशों को महसूस होगा, लेकिन यह खतरा भौगोलिक सीमाओं को नहीं मानता। रिपोर्ट में कहा गया है, 'उदाहरण के लिए, अमेरिका में मियामी और न्यूयॉर्क और चीन में ग्वांगझू जैसे अधिक आय वाले शहरों में मुख्य असर तटीय इंफ्रास्ट्रक्चर पर पड़ने वाला भारी वित्तीय जोखिम है, जिसमें खतरे में पड़ी संपत्तियों का अनुमानित मूल्य 2 ट्रिलियन डॉलर से 3.5 ट्रिलियन डॉलर के बीच है।

साठगांठः चुनाव अभियान के तहत हजारों डॉलर देकर बनवाए जा रहे वीडियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चुनाव प्रचार का मैदान तेजी से सोशल मीडिया की ओर खिसक रहा है। उम्मीदवार और उनके अभियान अब टीवी विज्ञापनों और रैलियों के साथ लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी अपने संदेश का माध्यम बना रहे हैं। लाखों फॉलोअर्स वाले इन क्रिएटर्स की सामान्य वीडियो सामग्री दर्शकों को पारंपरिक राजनीतिक विज्ञापन की तुलना में ज्यादा सहज और विश्वसनीय लगती है। चिंता की बात यह है कि कई मामलों में इन्फ्लुएंसर्स को हजारों डॉलर देकर उम्मीदवारों या राजनीतिक मुद्दों के समर्थन में वीडियो बनवाए गए, लेकिन दर्शकों को स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया कि इन पोस्ट के लिए भुगतान किया गया है। इससे किसी इन्फ्लुएंसर की निजी राय और पैसे लेकर तैयार किए गए राजनीतिक संदेश के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। पेड प्रचार का यह नेटवर्क न्यूयॉर्क टाइम्स की पड़ताल में सामने आया है। पड़ताल के दौरान पाया गया कि कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए उम्मीदवार टॉम स्टेयर के अभियान ने फरवरी से अगस्त के बीच कम से कम 17 इन्फ्लुएंसर्स को 5,000 डॉलर या उससे अधिक का भुगतान किया। इनमें टिकटॉक पर 14 लाख से अधिक फॉलोअर्स वाले कार्लोस एडुआर्डो एस्पिना भी शामिल थे। पूर्व प्रतिनिधि कैटी पोर्टर के अभियान ने 12 इन्फ्लुएंसर्स को कुल 1,39,500 डॉलर दिए। लाइफस्टाइल क्रिएटर एवरी साइरस को एक पोस्ट के लिए 25,000 डॉलर मिले। असल मुद्दा यह नहीं कि इंफ्लुएंसर्स प्रचार का हिस्सा बन रहे, बल्कि सवाल यह है कि लोगों के सामने जाहिर की जा रही उनकी राय कितनी स्वतंत्र है। कैलिफोर्निया में राजनीतिक पेड पोस्ट के लिए भुगतान की जानकारी देने के नियम हैं, लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा।

व्हाइट हाउस में 40 करोड़ डॉलर के बॉलरूम निर्माण को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में प्रस्तावित 40 करोड़ डॉलर के भव्य बॉलरूम के निर्माण को फिलहाल जारी रखने की सोमवार को अनुमति दे दी। अदालत के इस फैसले को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ी जीत के तौर पर देखा जा रहा है, जो अभूतपूर्व कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राजधानी की तस्वीर और स्वरूप को अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप बदलने का काम कर रहे हैं। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स के उस अस्थायी आदेश की जगह लेगा, जो उन्होंने अधीनस्थ अदालत के निर्माण कार्य रोकने के फैसले के प्रभावी होने से कुछ घंटे पहले जारी किया था।

हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने सोमवार के ताजा आदेश से सार्वजनिक रूप से असहमति जताई और उन्होंने अदालत के तीन उदारवादी न्यायाधीशों का साथ दिया जिन्होंने निर्माण परियोजना को 'संभावित रूप से गैरकानूनी' करार दिया। बहुमत में न्यायाधीशों ने परियोजना की वैधता पर कोई अंतिम फैसला नहीं दिया। उनका कहना है कि निर्माण को चुनौती देने वाले संरक्षण समूह के पास संभवतः ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है।

मामले पर सुनवाई अब अधीनस्थ अदालतों में होगी। हालांकि, अदालती दस्तावेजों के अनुसार परियोजना के अहम हिस्से अगले कुछ महीनों में ही पूरे हो सकते हैं। इस मामले में अधीनस्थ संघीय अदालतों ने परियोजना पर रोक लगाते हुए कहा था कि इसके लिए कांग्रेस (संसद) की मंजूरी जरूरी है जिसके बाद ट्रंप प्रशासन ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया। 'नेशनल ट्रस्ट फॉर हिस्टोरिक प्रिजर्वेशन' ने मुकदमा दायर कर कहा है कि ट्रंप को एकतरफा तरीके से यह काम शुरू करने का अधिकार नहीं है। परियोजना के तहत 'व्हाइट हाउस' के ईस्ट विंग को गिराया जा चुका है। संगठन के वकीलों का आरोप है कि 'व्हाइट हाउस' निर्माण कार्य में तेजी लाकर 'अदालतों की सुनवाई से पहले ही काम पूरा करने' की कोशिश कर रहा है।

'उन पर कड़ा प्रहार करेंगे', जॉर्डन में मिसाइल अटैक के बाद ट्रंप ने ईरान को दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान की कार्रवाई के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। सोमवार (स्थानीय समयानुसार) ट्रंप ने कहा कि ईरान ने रात के दौरान जॉर्डन में तैनात अमेरिकी बलों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। अमेरिका इसका जवाब देगा। फॉक्स न्यूज को दिए एक फोन इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'हम उन पर कड़ा प्रहार करेंगे। इसका जवाब दिया जाएगा।' राष्ट्रपति ने बताया कि रात में दागी गई ईरानी मिसाइलों में से एक को अमेरिकी वायु रक्षा प्रणाली ने जानबूझकर नहीं रोका, क्योंकि आकलन में पाया गया था कि वह किसी लक्ष्य को नहीं लगेगी। वहीं, बाकी आने वाली मिसाइलों को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि बातचीत की संभावना

अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 'वे बातचीत करना चाहते हैं। लेकिन मुझे नहीं पता कि उनके साथ किसी समझौते पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं।' ट्रंप ने कहा कि 'प्रतिबंधों का असर अब बहुत मजबूती से दिखाई दे रहा है। फॉक्स न्यूज ने एक अमेरिकी सूत्र के हवाले से बताया कि ईरान ने रविवार को जॉर्डन में अमेरिकी बलों पर कम से कम आठ बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह हमला अमेरिका की ओर से लारक द्वीप पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के मिसाइल लॉन्चरों पर किए गए हवाई हमले के बाद हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। दूसरी ओर, ईरान की फर्स न्यूज एजेंसी ने आईआरजीसी के बयान का हवाला देते हुए कहा कि ईरानी सेना ने जॉर्डन में स्थित किंग हुसैन और अल-अजराक अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मौजूद 'तकनीकी और रखरखाव ढांचे' तथा उन क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां 'दुश्मन के लड़ाकू विमान' तैनात थे। ईरान का दावा है कि इस हमले से भारी नुकसान हुआ। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने लारक द्वीप पर किए गए हमले को 'सीमित और सटीक कार्रवाई' बताया। उसका कहना है कि यह कार्रवाई ईरान की उन माइन बिछाने वाली सैन्य क्षमताओं के खिलाफ की गई थी, जो होर्मुज स?ट्रेट से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों और वैश्विक व्यापार के लिए तत्काल खतरा पैदा कर रही थीं। हमले के बाद आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि इस कार्रवाई में कई सैन्यकर्मी और आम नागरिक मारे गए या घायल हुए हैं। संगठन ने कहा कि इस हमले का जवाब 'आक्रमणकारी को सजा देकर' दिया जाएगा। ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने अनौपचारिक रिपोर्टों के आधार पर कहा कि लारक द्वीप पर हुए अमेरिकी 'ड्रोन हमले' में कम से कम दो लोगों की मौत हुई और दो अन्य घायल हुए हैं।

उत्तरी साइप्रस के तट पर फेरी डूबने से आठ यात्रियों की मौत, 18 लोग लापता

निकोसिया, एजेंसी। तुर्की साइप्रस अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी साइप्रस तट के पास एक तुर्की फेरी के डूबने के बाद राहत और बचाव अभियान जारी है। इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है, जबकि 18 लोग अब भी लापता हैं। डबल-हल वाली इस फेरी में 259 यात्री और 8 चालक दल के सदस्य सवार थे। रविवार दोपहर कायरिनिया बंदरगाह से रवाना होने के कुछ ही समय बाद फेरी में पानी भरना शुरू हो गया और वह पलट गई। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार तक 241 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया था। स?न्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, पलटने बाद में फेरी समुद्र में 500 मीटर से अधिक गहराई में डूब गई। यह अभी साफ नहीं है कि कोई व्यक्ति जहाज के अंदर फंसा था या नहीं। हालांकि सोशल मीडिया पर

सामने आए कुछ वीडियो से संकेत मिला कि फेरी के डूबने के समय उसके एक हिस्से में अभी भी कुछ लोग मौजूद थे। तुर्की ने बताया कि वह खोज अभियान में मदद के लिए एक गहरे समुद्र में काम करने वाला रिमोट संचालित वाहन (आरओवी) भेज रहा है। यह उपकरण मंगलवार तक दुर्घटनास्थल पर पहुंचने की उम्मीद है। तुर्की साइप्रस अधिकारियों ने फेरी के कप्तान और चालक दल के सात अन्य सदस्यों को हिरासत में ले लिया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस फेरी में पहले भी पानी रिसने की समस्या रही थी और उसकी मरम्मत कराई गई थी। कुछ बचे हुए यात्रियों ने दावा किया कि कप्तान और चालक दल के सदस्य सबसे पहले नाव से बाहर निकल गए और यात्रियों को सुरक्षित निकलने के लिए कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिए गए। शनिवार को साइप्रस में तेज तूफान आया था और रविवार को भी समुद्र की स्थिति काफी खराब बनी हुई थी। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि उस समय मौसम को देखते हुए फेरी का कायरिनिया से लगभग 120 किलोमीटर उत्तर में स्थित तुर्की के तासुकु बंदरगाह के लिए रवाना होना सुरक्षित माना गया था। अधिकारियों ने कहा कि फेरी के पलटने की असली वजह की जांच अभी जारी है। इस साल की शुरुआत में सूडान में भी इसी तरह की एक घटना हुई थी। उत्तरी सूडान के नील राज्य में एक यात्री फेरी नदी में डूब गई थी, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई थी। सूडान की सिविल डिफेंस अथॉरिटी के एक अधिकारी के अनुसार, ऊंची लहरों के कारण नाव पलट गई थी। बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर 15 से अधिक शव बरामद किए थे। इस हादसे में 8 लोग बच गए थे, जबकि लगभग 4 लोग लापता बताए गए थे। फिलहाल साइप्रस में डूबी फेरी के लापता यात्रियों की तलाश जारी है और बचाव दल उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द से जल्द बाकी लोगों का पता लगाया जा सके।

राहुल पर एफआईआर को लेकर भड़के सैम पित्रोदा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने अमेरिका में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया कार्यक्रम और उनके 'मानवता की एकता' वाले बयान पर सवाल उठाए हैं। पित्रोदा ने कहा कि केवल बयान देने से बात नहीं बनती, बल्कि किसी विचार की असली परीक्षा उसके अमल में होती है।

भागवत के बयान पर पित्रोदा ने क्या कहा : मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित 'वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी' कार्यक्रम में कहा था कि अलग-अलग धर्म भले ही अलग रास्तों पर चलते हों, लेकिन मानवता और सत्य एक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हर इंसान की गरिमा समान है। भागवत के इसी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पित्रोदा ने कहा कि भारत में मुस्लिम, ईसाई, यहूदी और बौद्ध समुदाय के लोगों से पूछा जाना चाहिए कि वे मौजूदा हालात को किस तरह देखते हैं। पित्रोदा ने कहा कि एक तरफ सभी का सम्मान करने की बात कही जाती है और दूसरी तरफ किसी के साथ मारपीट की घटनाएं होती हैं। उनके मुताबिक, 'बातों से ज्यादा काम मायने रखता है।

अमेरिका में भागवत के कार्यक्रम को लेकर क्यों हुआ विवाद : आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अपने संगठन के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क अभियान के तहत अमेरिका पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भारतीय प्रवासियों, भारतीय-अमेरिकी कारोबारियों और विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। न्यूयॉर्क में उनके कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक विरोध भी देखने को मिला। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भागवत की यात्रा का विरोध किया था। कुछ नगर परिषद सदस्यों ने भी कार्यक्रम स्थल पर आयोजन रद्द करने की मांग की थी। हल्द्वानी में शुद्धिकरण विवाद को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी पित्रोदा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस नेता की तारीफ करते हुए राहुल गांधी को मजबूत और दृढ़ नेता बताया। पित्रोदा ने दावा किया कि देश की संस्थाओं में सत्ता के अत्यधिक केंद्रीकरण का असर पड़ा है। उन्होंने न्यायपालिका, चुनाव आयोग, प्रवर्तन निदेशालय और स्थानीय पुलिस समेत कई संस्थाओं की स्वतंत्र भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए। पित्रोदा ने हाल में संपन्न संसद के मानसून सत्र को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि संसद में बहस के दौरान कई बार एक-दूसरे पर चिल्लाने की स्थिति दिखाई देती है। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार कई मुद्दों पर दबाव में नजर आई। भारत की वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.8 फीसदी वास्तविक जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों पर भी सैम पित्रोदा ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास का आकलन केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि उसका फायदा आम लोगों तक कितना पहुंचा। पित्रोदा ने पूछा कि क्या यह वृद्धि देश के लोगों के लिए है।

नेपाल बाढ़ : त्रासदी में अब तक 939 लोगों ने गंवाई जान, करीब 4000 लापता; राहत एवं बचाव अभियान जारी

काठमांडो , एजेंसी। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास भोटेकोशी नदी में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने दोनों ही देशों के इलाकों में भीषण तबाही मचाई है। इस बाढ़ में अब तक 939 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 4000 लोग अब भी लापता हैं। नेपाल-तिब्बत में विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। वहीं, नेपाल के नुवाकोट के बिदुर में सेना की ओर से बचाव अभियान जारी है। बाढ़ से भोटेकोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों के प्रभावित होने के कारण त्रिशूली क्षेत्र के एक बाजार में कई दुकानें नष्ट हो गईं। बताया जा रहा है कि नुवाकोट में संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है।

भारतीय टनल टीम ने संभाला मोर्चा, 158 भारतीयों का रेस्क्यू : काठमांडू। नेपाल और तिब्बत सीमा पर 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद स्थिति भयावह बनी हुई है। सोमवार को नेपाल के नुवाकोट स्थित बिदुर इलाके में मलबे में तब्दील हो चुके एक ही घर से बच्चे समेत 24 शव बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार मलबे में अभी और शव दबे होने की आशंका है। आपदा में अब तक कुल 955 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है (नेपाल में 939 और तिब्बत में 16), जबकि 4,471 लोग अब भी लापता हैं। करीब 65 हजार प्रभावितों तक तात्कालिक राहत सामग्री पहुंचाई गई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार पिछले सप्ताह आई बाढ़ के बाद से अब तक 158 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स में टनल रेस्क्यू: नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव के अनुसार, भारतीय टनल रेस्क्यू टीम ने नेपाली सेना के साथ मिलकर चिलिमे और लांगटांग जलविद्युत परियोजनाओं में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। चिलिमे में टीम दुर्गम रास्तों को पार कर सुरंग तक पहुंच गई है, जबकि लांगटांग में सुरंग के 185 मीटर भीतर तक सघन तलाशी ली गई है। फॉरेंसिक सहायताः भारतीय फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम काठमांडू स्थित नेपाल पुलिस की

सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैब के साथ मिलकर मृतकों की पहचान और दस्तावेजीकरण में सहयोग कर रही है।

उत्तर प्रदेश में गंडक नदी से मिले 17 शव : कुशीनगर व महाराजगंज में रिकवरीः नेपाल में आई बाढ़ के तेज बहाव में बहकर उत्तर प्रदेश की गंडक नदी में पहुंचे 17 शव बरामद किए गए हैं। इनमें 13 शव कुशीनगर (खड्डा और तमकुही राज तहसील) से मिले हैं, जबकि महाराजगंज से मिले 4 शवों (3 महिलाएं शामिल) को पोस्टमार्टम और डीएनए सैंपलिंग के बाद नेपाल प्रशासन को सौंप दिया गया है। नेपाल सरकार ने बनाया 21-दिवसीय टास्क फोर्स, चीन का दावा

21 दिन का एक्शन प्लानः नेपाल सरकार ने रसुवा के भोटेकोशी नदी से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा बहाल करने के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है। यह टीम सड़क, झूला पुल, पेयजल, संचार और स्वास्थ्य सेवाओं को 21 दिनों के भीतर युद्धस्तर पर बहाल करेगी।

डेटा साझा करने पर चीन की सफाईः पूर्व चेतावनी न देने के आरोपों पर चीन ने स्पष्ट किया कि उसके वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल सेंटर ने घटना से 12 दिन पूर्व ही नेपाल को भारी बारिश, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड को लेकर ईमेल के जरिए अलर्ट भेज दिया था।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.